नई दिल्ली। सोमवार, 21 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष दशमी सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 256/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल एशियन गेम्स से जुड़ी खेल स्पर्धाएं...
@ विचार युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?...
@ व्यापार एफटीए के लागू होने का असर, वित्त वर्ष 27 की...

विश्व केसरी खबर झरोखा

विदेश मंत्री 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 'हाई लेवल सत्र' में रखेंगे भारत का पक्ष



नई दिल्ली। अगले सप्ताह न्यूयॉर्क में आयोजित संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के हाई लेवल वीक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर शामिल होंगे। इसकी आधिकारिक जानकारी रविवार को विदेश मंत्रालय (एमईए) ने एक बयान जारी कर दी। विदेश मंत्रालय की आधिकारिक साइट पर जारी किए गए बयान के अनुसार, विदेश मंत्री (ईएएम) डॉ. एस. जयशंकर, न्यूयॉर्क (यूएसए) में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र के 'हाई लेवल वीक' में शामिल होंगे। वो भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। इसमें विदेश मंत्री के संबोधन की तारीख भी कंफर्म की गई है। आगे लिखा है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के 'हाई लेवल सेशन' में विदेश मंत्री का संबोधन 26 सितंबर को होगा। वहीं इस दौरे के दौरान, विदेश मंत्री कई बहुपक्षीय और द्विपक्षीय बैठकों में भी शामिल होंगे।

राजकोट में 108 आपातकालीन टीम की मदद से महिला ने तीन बच्चों को दिया जन्म

राजकोट। गुजरात के राजकोट में एक महिला ने शनिवार रात टंकारा तालुका के रोहिशाला गांव स्थित अपने घर पर एम्बुलेंस पहुंचने से पहले ही एक बच्चे को जन्म दे दिया। इसके बाद 108 सेवा की आपातकालीन चिकित्सा टीम ने शेष दो बच्चों के प्रसव में सहायता की। महिला के गर्भ में तीन बच्चे पल रहे थे। पडधरी 108 टीम को 19 सितंबर को रात 8:48 बजे प्रसव संबंधी आपातकालीन सूचना मिली। ईएमटी जिग्नाशा लुहार और पायलट सुरेशभाई तुरंत रोहिशाला के लिए रवाना हुए। जब एम्बुलेंस मरीज के घर पहुंची, तब तक तीन बच्चों में से पहले बच्चे का जन्म हो चुका था। अभी दो बच्चों का प्रसव कराया जाना बाकी था। ऐसे में लुहार ने अपने प्रशिक्षण का इस्तेमाल करते हुए स्थिति का आकलन किया और उसे संभाला तथा शेष दोनों बच्चों के जन्म में सफलतापूर्वक सहायता की। 108 टीम के अनुसार, तीनों नवजात लड़के थे। आपात स्थिति के दौरान मरीज की हालत और अन्य विवरण फोन पर ईआरसीपी डॉ. जोत्सना के साथ साझा किए गए।



लॉरेंस गैंग की धमकी, ढेबर परिवार से मांगी 50 करोड़ की फिरौती

रायपुर। राजधानी रायपुर में अज्ञात आरोपी ने बिश्नोई गिरोह के नाम पर ढेबर परिवार से 50 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी है। फोन करने वाले आरोपी ने ढेबर परिवार के एक कर्मचारी को कॉल करके खुद को बिश्नोई गिरोह से जुड़ा बताया। बातचीत में आरोपी ने अनवर ढेबर और एजाज ढेबर का नाम लिया तथा 50 करोड़ रुपये देने की मांग रखी। आरोपी ने रकम न देने की स्थिति में गंभीर परिणाम भुगतने की खुली धमकी दी है। इस सूचना के सामने आते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया और अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी। ढेबर परिवार के कर्मचारी को आए इस फोन में आरोपी ने खुद को बिश्नोई गिरोह का सदस्य बताया। फोन करने वाले व्यक्ति ने एजाज ढेबर और अनवर ढेबर का नाम लेते हुए 50 करोड़ रुपये देने की मांग की। आरोपी ने रकम न मिलने पर बुरा अंजाम भुगतने की बात कही। कर्मचारी ने कॉल की जानकारी तुरंत परिवार के सदस्यों को दी।

खाड़ी में हमले का अलर्ट ट्रंप अचानक व्हाइट हाउस लौटे

सुरक्षाबलों के लिए अपना सबसे ऊंचा अलर्ट लेवल 'कोड 100' जारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग (आईआरआईबी) के मुताबिक मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण अमेरिकी दूतावासों ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए अलर्ट जारी किए है।

आईआरआईबी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण, लेबनान, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, कतर, इराक, इजरायल, ओमान, सऊदी अरब और तुर्की में मौजूद अमेरिकी दूतावासों ने वहां रहने वाले अमेरिकी नागरिकों के लिए सुरक्षा से जुड़े जरूरी अलर्ट जारी किए हैं।'

आईआरजीसी के एक सैन्य अधिकारी व लेफ्टिनेंट कर्नल इब्राहिम जोल्फागारी के अनुसार, ईरान ने संभावित खतरे के मद्देनजर अधिकतम अलर्ट जारी कर दिया है। ईरान ने पिछले एक घंटे में आईआरजीसी, सेना और सुरक्षाबलों के लिए अपना सबसे ऊंचा अलर्ट लेवल 'कोड 100' जारी किया है। जोल्फागारी के अनुसार, ट्रंप अचानक 'कैंप डेविड' के दौरे शनिवार रात व्हाइट हाउस लौट आए। इजरायली राष्ट्रपति नेतन्याहू ने भी अपनी अमेरिका यात्रा सीमित कर दी है और इजरायल लौट रहे हैं। वहीं, इराक में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावास ने एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि मिडिल ईस्ट में तनाव के कारण सुरक्षा हालात पेचीदा बने हुए हैं और कभी भी स्थिति अचानक बिगड़ सकती है। जो अमेरिकी अभी मिडिल ईस्ट में हैं, उन्हें ज्यादा सतर्क रहना चाहिए और फ्लाइट रद्द होने, एयरस्पेस बंद होने और यात्रा में रुकावट आने जैसी संभावनाओं का ध्यान रखना चाहिए। अमेरिकी दूतावास ने कहा किए ईरान समर्थित हूती समूह ने सऊदी अरब के खिलाफ हमलों में हिस्सा लिया है, जिनमें नागरिक हवाई अड्डों को भी निशाना बनाया गया है। यह सैन्य संघर्ष बहुत तेजी से बढ़ सकता है।



इस क्षेत्र में आने या यहां से बाहर जाने वाले अमेरिकी नागरिकों को हवाई अड्डों और एयरलाइंस के संचालन से जुड़ी जानकारी पर लगातार नजर रखनी चाहिए। अमेरिकी राजनयिक ठिकानों को निशाना बनाया गया है, जिनमें मध्य पूर्व के बाहर मौजूद ठिकाने भी शामिल हैं।

यूक्रेन में जारी रूसी हमले : एफपीवी ड्रोन ने मठ को बनाया निशाना, धर्मगुरु की मौत

एजेंसी ■ वॉशिंगटन

यूक्रेन के खेरसॉन इलाके में शनिवार रात रूसी एफपीवी ड्रोन ने एक मठ को निशाना बनाया। हमले में एक धर्मगुरु की मौत हो गई, जबकि चार लोग घायल हो गए। इसके अलावा रूसी हमले खार्किव, सुमी और ओडेसा इलाकों में जरूरी और आम लोगों के इस्तेमाल वाली जगहों पर भी हुए। निप्रो और जापोरिज्जिया इलाकों में रिहायशी इमारतों को निशाना बनाया गया।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'हर दिन और हर रात हम रूस के हमलों से अपना बचाव कर रहे हैं। शनिवार रात खेरसॉन क्षेत्र में रूस ने एक मठ पर एफपीवी ड्रोन से हमला किया। दुख की बात है कि इस हमले में मठ से जुड़े एक धर्मगुरु की मौत हो गई और चार अन्य लोग घायल हो गए। उनके परिवार और करीबियों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं।'

चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति पर ट्रस्ट्स ने खोला मोर्चा

टाटा संस में बढ़ी तकरार

एजेंसी ■ जोधपुर

टाटा ट्रस्ट्स ने एन. चंद्रशेखरन को दोबारा टाटा संस का चेयरमैन बनाए जाने के फैसले को चुनौती दी है। ट्रस्ट्स का कहना है कि कंपनी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के मुताबिक, उसके दोनों नामित निदेशकों का समर्थन जरूरी था, जबकि नोएल टाटा ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया था। ट्रस्ट्स ने चेयरमैन के कास्टिंग वोट की दलील भी खारिज करते हुए 17 सितंबर के प्रस्ताव को कानूनी रूप से अमान्य बताया है।

टाटा समूह में चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को लेकर विवाद अब खुलकर सामने आ गया है। टाटा ट्रस्ट्स ने टाटा संस के 17 सितंबर के उस फैसले की वैधता पर सवाल उठाया है, जिसमें चंद्रशेखरन को पांच साल के एक और कार्यकाल के लिए एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बनाए रखने का फैसला हुआ था। ट्रस्ट्स का कहना है कि कंपनी के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन के मुताबिक, ट्रस्ट की ओर से नामित निदेशकों की मंजूरी जरूरी थी। ऐसे में चेयरमैन के पास मौजूद कास्टिंग वोट इस शर्त को खत्म नहीं कर सकता।



ट्रस्ट्स ने फैसले को बताया नियमों के खिलाफ

टाटा ट्रस्ट्स के मुताबिक, 17 सितंबर की बोर्ड बैठक में चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति के प्रस्ताव पर कोई गतिरोध था ही नहीं। टाटा संस के बोर्ड में ट्रस्ट्स के दो नामित निदेशक हैं। इनमें से रतन टाटा के निधन के बाद टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन बने नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन के कार्यकाल को पांच साल बढ़ाने के प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया, जबकि दूसरे ट्रस्ट-नामित निदेशक वेणु श्रीनिवासन ने प्रस्ताव का समर्थन किया। ट्रस्ट्स का तर्क है कि दो नामित निदेशकों में बहुमत का मतलब दो है, एक नहीं। इसलिए जरूरी समर्थन नहीं मिला और प्रस्ताव वैध रूप से पारित नहीं हो सकता था।

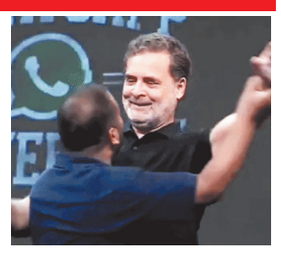
कांग्रेस जोकरों की पार्टी बनी : भाजपा

राहुल के छात्रों की गूंज कार्यक्रम पर विवाद

राहुल गांधी के इंदौर में हुए कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' पर विवाद हो गया है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कार्यक्रम में पीएम मोदी की मां का अपमान किया गया।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को एक्स पर पोस्ट में लिखा- कांग्रेस पार्टी कॉमेडियंस और जोकर्स की पार्टी बन गई है। वे हमेशा के लिए बाहर हो गए हैं... रेस्ट इन पीस।

शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कहा- राहुल और कांग्रेस पार्टी नैतिक दिवालियापन के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। छात्र संवाद का इस्तेमाल पीएम मोदी की दिवंगत मां का मजाक उड़ाने और उनका अपमान करने के लिए करना बुनियादी मानवीय संवेदना और राजनीतिक संस्कृति की चौंकाने वाली कमी दिखाता है।



बीएमडब्ल्यू फ्लाईओवर से 75 फीट नीचे गिरी, 3 की मौत

एजेंसी ■ मुंबई

मुंबई के कोस्टल रोड पर रविवार सुबह करीब 5:20 बजे तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू फ्लाईओवर से करीब 75 फीट नीचे जा गिरी। हादसे में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई। एक युवक गंभीर रूप से घायल है। चारों की उम्र 17 से 23 के बीच थी।

बीएमडब्ल्यू मरीन ड्राइव से हाजी अली की ओर जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, तेज रफ्तार के कारण ड्राइवर ने कार पर से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद बीएमडब्ल्यू डिवाइडर से टकराई और नीचे गिर गई। घटना का सीसी टीवी फुटेज भी सामने आया है।

फ्लाईओवर से नीचे गिरती दिखी कार - सीसी टीवी फुटेज में तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू फ्लाईओवर से नीचे गिरती दिखाई दी।

मृतकों की पहचान शनाय गज्जल (21), आदित्य जकसानिया (19) और धैर्य सेठ (17) के रूप में हुई है। घायल युवक की पहचान आदित्य ओसवाल (23) के तौर पर हुई है। चारों को नायर अस्पताल ले जाया गया था, जहां डॉक्टरों ने तीन को मृत घोषित कर दिया।

आदित्य का नायर अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, चारों छात्र थे। इनमें शनाय, आदित्य और धैर्य मैनेजमेंट कॉलेज में पढ़ते थे। शनाय अहमदाबाद का रहने वाला था और मुंबई में पीजी में रह रहा था। बीएमडब्ल्यू उसके परिवार की बताई गई है। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस, एंबुलेंस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम ने कार की जांच कर सैंपल जुटाए। मुंबई कोस्टल रोड करीब 10.58 किलोमीटर लंबी हाई-स्पीड सड़क है। यह साउथ मुंबई के मरीन ड्राइव को बांद्रा-वर्ली सी लिंक के वर्ली छोर से जोड़ती है। हाई-स्पीड सड़कों पर गाड़ियों की अधिकतम गति सीमा आमतौर पर 80 से 120 किलोमीटर प्रति घंटा या उससे अधिक होती है।



छत्तीसगढ़ कांग्रेस में बागियों की घर वापसी

संवाददाता ■ रायपुर

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में निष्कासित नेताओं की घर वापसी शुरू हो गई है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने अलग-अलग जिलों के 20 निष्कासित कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं का निष्कासन रद्द कर दिया है। इनमें रायपुर से आनंद कुकरेजा, पूनम पांडेय और विशाल रजानी समेत कई नेताओं के नाम शामिल हैं।

प्रदेश कांग्रेस अनुशासन समिति की 18 सितंबर को हुई बैठक में इन नेताओं को लेकर फैसला लिया गया था। इसके आधार पर 20 सितंबर को आदेश जारी किया गया। निष्कासन रद्द होने के बाद संबंधित नेताओं के लिए पार्टी में दोबारा सक्रिय होने का रास्ता खुल गया है।

किन जिलों के नेताओं को मिली राहत- पहली सूची में रायपुर, मुंगेली, गरियाबंद, कोंडागांव और राजनांदगांव के नेताओं के नाम शामिल हैं। रायपुर से 3 नेताओं का निष्कासन रद्द किया गया। इनमें रायपुर आनंद कुकरेजा, पूनम पांडेय और विशाल रजानी शामिल हैं। मुंगेली से पार्षद विनय चोपड़ा को भी पार्टी के इस फैसले से राहत मिली है।





जूनागढ़ के झरने में फंसे 40 लोगों को बचाया गया

केरलम और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

गुजरात के जूनागढ़ गिरनार वन क्षेत्र में भारी बारिश के कारण आत्मेश्वर महादेव मंदिर जाने वाली सड़क पर अचानक पानी का बहाव तेज हो गया।

इंद्रेश्वर मंदिर में दर्शन करने गए बच्चों समेत 40 लोग बहाव में फंस गए। बारिश के कारण गिरनार पर्वत से गिरने वाले झरने में बाढ़ आ गई। सभी का रेस्क्यू हो गया है। बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र का असर शुरू हो गया है। इसके चलते मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और गुजरात में रविवार दोपहर से ही मौसम बदल गया।

मौसम विभाग ने तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरलम और आंध्र प्रदेश में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। ओडिशा, तेलंगाना, कर्नाटक में यलो अलर्ट है।

केरलम में पूक्कोट्टुम्पडम में कोट्टाप्पुझा नदी में अचानक बाढ़ आ गई। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, पर्यटकों समेत करीब 7 लोगों के बह जाने की आशंका है।

यूपी में लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। महोबा में पानी बढ़ने के बाद 6 डैम ओवरफ्लो हो गए हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, अगले 2-3 दिनों में राजस्थान, गुजरात और पंजाब के कुछ हिस्सों से भी मानसून की वापसी शुरू हो जाएगी।



कोट्टाकम्बूर में मडस्लाइड से एक शेड ढह गया, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और एक महिला घायल हो गई। अधिकारियों के अनुसार, बालकृष्णन और उनका परिवार खेतों में काम करने गए थे, तभी भारी बारिश के कारण उन्हें खेत के पास एक शेड में शरण लेनी पड़ी। गौरतलब है कि इस इलाके में रविवार सुबह से ही बारिश हो रही है। जब वे बारिश रुकने का इंतजार कर रहे थे, तभी मलबा नीचे गिरा और शेड को क्षतिग्रस्त कर दिया, जिससे तीनों लोग उसके नीचे दब गए। यह घटना दोपहर करीब 3:30 बजे हुई।

सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ

संवाददाता ■ रायपुर

वेदांता मेडिकल रिसर्च फाउंडेशन की इकाई और मध्य भारत में कैंसर उपचार के प्रमुख केंद्र बालको मेडिकल सेंटर (बीएमसी) ने चौथे बीएमसी छत्तीसगढ़ कैंसर कॉन्क्लेव का शुभारंभ किया। 18 से 20 सितंबर तक नया रायपुर स्थित मेफेयर लेक रिजॉर्ट में आयोजित तीन दिवसीय कॉन्क्लेव में देश-विदेश के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञ, चिकित्सक, शोधकर्ता और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ शामिल हुए। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, आईएएस भी उपस्थित रहे। इस पहल का उद्देश्य जमीनी स्तर पर सर्वाइकल कैंसर रोकथाम और शुरुआती पहचान के लिए राज्य के प्रयासों को और मजबूत करना तथा भारत और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन के व्यापक लक्ष्य में योगदान देना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, 'सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभव है। हमारा संकल्प है कि हम सर्वाइकल कैंसर मुक्त छत्तीसगढ़ से सर्वाइकल कैंसर मुक्त भारत की ओर आगे बढ़ें। इस मिशन में बीएमसी का वार्षिक कॉन्क्लेव क्षेत्र में कैंसर उपचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।'

आलोक शुक्ला के चौथे नाट्य संग्रह 'पतझड़ के फूल और देखोना' का लोकार्पण

विश्व केसरी■



नई दिल्ली । वरिष्ठ रंगकर्मी एवं नाटककार आलोक शुक्ला के चौथे नाट्य संग्रह 'पतझड़ के फूल और देखोना' का लोकार्पण 19 सितंबर की शाम नई दिल्ली स्थित श्री राम सेंटर के सामने संजना बुक्स प्रकाशन के स्टॉल 'साहित्य के पेड़' पर किया गया।

नाट्य संग्रह का लोकार्पण वरिष्ठ नाटककार प्रताप सहगल, नाटककार एवं रंग समीक्षक राजेश कुमार, संगीत नाटक अकादमी के उप सचिव एवं वरिष्ठ रंगकर्मी सुमन कुमार, रंग निर्देशक प्रदीप बाजपेयी, वरिष्ठ लेखिका शशि सहगल, सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता एवं रंगकर्मी श्रीकांत वर्मा, नाटककार अनिल ठाकुर तथा संजना बुक्स प्रकाशन की निदेशिका श्रीमती संजना तिवारी ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर संगीत नाटक अकादमी के राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित वरिष्ठ नाटककार प्रताप सहगल ने गंभीर बीमारी से जूझने के बावजूद आलोक शुक्ला द्वारा लगातार लेखन और निर्देशन किए जाने को रेखांकित किया। उन्होंने संग्रह में शामिल दोनों पूर्णकालिक नाटकों के प्रकाशन पर आलोक शुक्ला को शुभकामनाएं दीं। संगीत नाटक अकादमी के उप सचिव एवं वरिष्ठ रंगकर्मी सुमन कुमार ने 'पतझड़ के फूल' और 'देखोना' के लेखन की चर्चा करते हुए हिंदी में लगातार नए नाटकों के लिखे जाने की बात कहते हुए इस धारणा को खारिज किया कि नए नाटक नहीं लिखे जा रहे हैं और रंगकर्मियों से इन नाटकों को मंच पर लाने का आग्रह किया। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी सम्मान से सम्मानित नाटककार एवं रंग समीक्षक राजेश कुमार ने कहा कि हिंदी में नए नाटक लगातार लिखे जा रहे हैं और आलोक शुक्ला का लेखन अपनी अलग पहचान रखता है। उन्होंने 'पतझड़ के फूल' की विशेषता बताते हुए कहा कि इसमें बुजुर्ग व्यक्ति के जीवन और उसकी परिस्थितियों को केंद्र में रखते हुए नाटक के दो अलग-अलग अंत दिए गए हैं। किसी लेखक द्वारा निर्देशक को अपनी रंग-दृष्टि के अनुसार नाटक के अंत का चयन करने की स्वतंत्रता देना एक बड़ी बात होती है।

'देखोना' के संदर्भ में राजेश कुमार ने कहा कि जिस तरह किसी दौर के सामाजिक परिवेश को समझने के लिए आज मोहन राकेश के नाटकों को पढ़ा और मंचित किया जाता है, उसी तरह भविष्य में आज से 10-15 वर्ष बाद कोरोना काल के सामाजिक परिवेश और प्रभावों को समझने के लिए आलोक शुक्ला का 'देखोना' महत्वपूर्ण नाट्य दस्तावेज के रूप में पढ़ा और मंचित किया जाएगा। उन्होंने नाट्य संग्रह की गुणवत्तापूर्ण प्रिंटिंग के लिए प्रकाशिका संजना तिवारी को भी बधाई दी।

रंग निर्देशक प्रदीप बाजपेयी, सुप्रसिद्ध फिल्म अभिनेता एवं रंगकर्मी श्रीकांत वर्मा, वरिष्ठ रंग अभिनेता विपिन कुमार तथा वरिष्ठ लेखिका शशि सहगल और रांची से आए नाटककार अनिल ठाकुर ने भी आलोक शुक्ला की रंगयात्रा और उनके नाट्य लेखन की सराहना करते हुए उन्हें नाट्य संग्रह के प्रकाशन पर शुभकामनाएं दीं।वहीं प्रसिद्ध रंग निर्देशक अरविंद गौड़ ने फोन पर कुछ कारण नहीं आ पाने की माफ़ी मांगी और नाट्य संग्रह के प्रकाशन की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर नाटककार आलोक शुक्ला ने अपने नाट्य संग्रह के लोकार्पण तथा सभी अतिथियों और रंगकर्मियों से मिली शुभकामनाओं के लिए हाथ जोड़कर सभी का आभार व्यक्त किया।

पश्चिम बंगाल के 4,133 सरकारी स्कूलों में एक भी छात्र नही, (पीपीपी) मॉडल पर विचार

विश्व केसरी■



कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार राज्य के उन 4,133 सरकारी स्कूलों को चलाने के लिए पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल अपनाने पर विचार कर रही है, जिनमें एक भी छात्र नहीं है, जबकि वहां शिक्षक तैनात हैं।

राज्य के स्कूल शिक्षा विभाग के एक अधिकारी ने कहा, 'इस मामले पर अगले एक महीने में फैसला किया जाएगा। पहले ही ऐसे 4,133 स्कूलों की पहचान की जा चुकी है जिनमें एक भी छात्र नहीं है, जबकि उनसे शिक्षक जुड़े हुए हैं। ऐसी स्थिति को अनिश्चित काल तक जारी नहीं रखा जा सकता। इसलिए भविष्य में इन स्कूलों का इस्तेमाल कैसे किया जाए, इस पर योजना बनाई जा रही है और इस मामले में इन शिक्षण संस्थानों को पीपीपी मॉडल के तहत चलाना सबसे व्यावहारिक विकल्प लगता है। राज्य के स्कूल शिक्षा सचिव के निर्देश पर जिला मजिस्ट्रेटों ने इस मुद्दे पर काम करना शुरू कर दिया है। विभाग के अधिकारी ने कहा, 'स्कूलों की मौजूदा स्थिति की जांच के लिए जिलास्तर पर एक समिति काम करेगी। समिति स्कूल की इमारतों के बुनियादी ढांचे और लोकेशन सहित कई कारकों की जांच करेगी और उनके इस्तेमाल के तरीकों पर प्रस्ताव भेजेगी।'

उनके अनुसार, इस बात की संभावना बहुत कम है कि ऐसे सभी 4,133 स्कूलों के लिए पीपीपी मॉडल अपनाया जाएगा।

राज्य स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारी ने कहा, 'जिन स्कूल की इमारतों में पीपीपी मॉडल लागू नहीं होगा, उनका इस्तेमाल स्वास्थ्य केंद्रों, प्रशिक्षण केंद्रों या किसी अन्य प्रशासनिक उद्देश्य के लिए किया जा सकता है, हालांकि प्राथमिकता यह सुनिश्चित करने की होगी कि ज्यादा से ज्यादा स्कूलों को पीपीपी मॉडल के तहत लाया जाए।

इसके अलावा, जिला मजिस्ट्रेटों के साथ-साथ विभाग की ओर से कोलकाता नगर निगम के कमिश्नर को भी पत्र भेजे गए हैं, ताकि राज्य की राजधानी में उन स्कूलों के भविष्य के बारे में फैसला किया जा सके जिनमें एक भी छात्र नहीं है, जबकि उनसे शिक्षक जुड़े हुए हैं।

उनके अनुसार, ऐसे स्कूलों से जुड़े शिक्षकों का तबादला नजदीकी सरकारी स्कूलों में किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

नासिक से लापता बच्ची तीन दिन बाद सुरक्षित मिली

विश्व केसरी■



नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले से तीन दिन पहले लापता हुई आठ महीने की बच्ची रविवार को सुरक्षित मिल गई। नासिक के नंदगांव तालुका के मन्याद पुलिस चौकी इलाके से 17 सितंबर को गायब हुई बच्ची, पड़ोसी येओला तालुका के वैबोथी गांव के पास लावारिस हालत में मिली। येओला तालुका पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को अपनी कस्टडी में ले लिया। इसके बाद, बच्ची की पहचान उसकी मां और नंदगांव पुलिस ने की और उसे मेडिकल जांच के लिए येओला सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल ले जाया गया। बच्ची के सुरक्षित मिलने से परिवार और पुलिस ने राहत की सांस ली। हालांकि, किन हालात में बच्ची वैबोथी पहुंची, उसे वहां कौन लाया और उसे वहां क्यों छोड़ा गया, यह अभी साफ नहीं है। पुलिस बच्ची के गायब होने और बाद में उसके मिलने से जुड़े हालात का पता लगाने के लिए मामले की जांच कर रही है। दूसरी ओर, ओडिशा में 'महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध' विभाग और राज्य पुलिस ने मिलकर ऑपरेशन चलाया और 101 लापता बच्चों को बचाया। इन बच्चों में 54 लड़के और 47 लड़कियां शामिल थीं।

प्रतिबंधित मेथम्फेटामाइन टैबलेट और हेरोइन जब्त, 5 गिरफ्तार

विश्व केसरी■



ऐजोल/इम्फाल। मिजोरम और मणिपुर में सुरक्षा बलों ने 3.68 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की मेथम्फेटामाइन टैबलेट और हेरोइन जब्त की और पांच नशीले पदार्थों के तस्करों को गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार नशीले पदार्थों के अवैध परिवहन से संबंधित विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर, असम राइफल्स ने सैतुअल जिले के मिम्बुंग-कावलबेम-गोपा के टी-जंक्शन क्षेत्रों में मिजोरम पुलिस के साथ संयुक्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान, संयुक्त टीम ने एक नशीले पदार्थों के तस्कर को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 2.285 किलोग्राम मेथम्फेटामाइन की गोलियां बरामद हुईं, जिनकी कीमत लगभग 1.83 करोड़ रुपये है। गिरफ्तार व्यक्ति और बरामद नशीले पदार्थों को आगे की जांच और नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेस (एनडीपीएस) अधिनियम 1985 के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए नोपा पुलिस स्टेशन ले जाया गया।

कहानी में अभिव्यक्ति की क्षमता कविता से अधिक होती है- भारद्वाज

विश्व केसरी■



जयपुर। वरिष्ठ साहित्यकार नन्द भारद्वाज ने कहा है कि कहानी में अभिव्यक्ति की क्षमता कविता से अधिक होती है। कहानी संग्रह 'आसमानी लतरें' में कल्पना को विकसित करने का माद्दा अधिक है । इन कहानियों का सूत्र सारगर्भित है जिसे रितु वर्मा ने अपनी रचना प्रक्रिया में बताया है। इनका लेखन परिपक्व है। अपने परिवेश को पात्रों के माध्यम से बनाया है। कहानियों में जीवन की सुंदर अभिव्यक्ति है।भारद्वाज स्पंदन महिला साहित्यिक एवं शैक्षणिक संस्थान के तत्वावधान में राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण संस्थान सभागार में लेखिका रितु सिंह वर्मा के कहानी संग्रह 'आसमानी लतरें' का विमोचन और कृति चर्चा के अवसर अध्यक्षता कर रहे थे । कार्यक्रम का आग़ाज़ वर्षा गुप्ता की सुमधुर सरस्वती वंदना से हुआ। अतिथियों का स्वागत करते हुए स्पंदन अध्यक्ष नीलिमा टिक्कू ने कहा कि रितु के तीन बेहतरीन कविता संग्रह प्रकाशित हुए हैं ।

यह इनका पहला कहानी संग्रह है लेकिन भाषा की परिपक्वता,शिल्प की नवीनता और किस्सागोई की अनूठी कला से संग्रह की कहानियाँ सीधे पाठकों के दिल में उतर जाती हैं । मुख्य अतिथि डॉ. सत्यनारायण ने कहा कि रितु वर्मा की कहानियों में अनुभवों का कोलाज है ।छोटे छोटे अनुभव खण्ड हैं जीवन की कतरनें हैं ।बसंत अचानक आता है बहुत बढ़िया कहानी है ।शर्मिष्ठा कहानी पढ़कर बेबी हालदार याद आ गईं ।इनकी कहानियों में अंत:सूत्र हैं ।वरिष्ठ व्यंग्यकार फारूक आफरीदी ने कहा कि रितुसिंह वर्मा की कहानियाँ आधुनिक बोध,नई सोच , नई उड़ान और नवोन्मेष की कहानियाँ हैं।

लालबाग हादसे पर सुरक्षा ऑडिट जरूरी: शायना एनसी

विश्व केसरी■



मुंबई। मुंबई के लालबाग में एक गणपति पांडाल के पास करंट फैलने से दो लोगों की मौत के मामले पर शिवसेना की प्रवक्ता शायना एनसी ने दुख जताया है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

शायना एनसी ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, 'सुरक्षा ऑडिट और फायर ऑडिट की जरूरत है। हमारी मांग है कि जांच के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। पीड़ित परिवार को न्याय जरूर मिलेगा'

मुंबई में तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार के हादसे में तीन लोगों की मौत के मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए शायना एनसी ने युवाओं से अपील की है कि वे सड़कों पर सावधानी बरतें। उन्होंने कहा, 'जल्दबाजी में नुकसान ही होता है। मुझे उम्मीद है कि युवा पीढ़ी यह समझेगी कि रेसिंग और तेज गाड़ी चलाने से कभी-कभी जान भी जा सकती है। गाड़ी चलाते समय कृपया सावधानी बरतें। दुर्घटनाएं तो होती ही हैं लेकिन अगर लापरवाही से गाड़ी चलाने की वजह से कोई दुर्घटना होती है, तो उसे निश्चित रूप से टाला जा सकता है।'

आईआईटी बॉम्बे के छात्र की खुदकुशी के मामले पर शायना एनसी ने कहा कि किसी भी बड़े शिक्षण संस्थान में इस तरह की घटना बेहद चिंताजनक है और इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए।

गणेश विसर्जन जुलूस में बवाल, सपा सांसद की गाड़ी पर पथराव, दोनों पक्षों की शिकायत पर एफआईआर

विश्व केसरी■



संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश के संतकबीरनगर जिले में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान सपा सांसद लक्ष्मीकांत उर्फ पप्पू निषाद के काफिले और जुलूस में शामिल लोगों के बीच हुए विवाद ने तूल पकड़ लिया है।

बखिरा थाना क्षेत्र के अमरडोभा चौराहे पर 18 सितंबर की रात हुए बवाल में सांसद की गाड़ी का शीशा टूट गया। मामले में पुलिस ने सांसद की तहरीर पर जुलूस में शामिल लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। वहीं, जुलूस में शामिल विशाल कुमार की शिकायत पर सांसद, जिला पंचायत सदस्य विश्वकेतु यादव समेत अन्य लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है। घटना के दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों की भूमिका तथा घटनाक्रम से संबंधित वीडियो फुटेज की भी जांच की जा रही है। सांसद लक्ष्मीकांत उर्फ पप्पू निषाद ने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि 18 सितंबर की रात करीब 10:30 बजे वह अपने सहयोगियों और सुरक्षाकर्मियों के साथ बेलहर कला स्थित अपने आवास की ओर जा रहे थे। अमरडोभा चौराहे के पास गणेश प्रतिमा विसर्जन का जुलूस जा रहा था।

सांसद के मुताबिक, पुलिस की मदद से उनके काफिले के वाहनों को भीड़ से बाहर निकाला जा रहा था। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि इसी दौरान जुलूस में शामिल उपद्रवी लोगों ने सांसद की गाड़ी और काफिले के अन्य वाहनों पर ईंट-पत्थर और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। सांसद ने कहा कि हमले में उनके वाहन क्षतिग्रस्त हुए।

दलितों की एक इंच जमीन भी नहीं लेगी तेलंगाना सरकार: राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी

विश्व केसरी■



हैदराबाद। तेलंगाना के राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने रविवार को साफ किया कि सरकार दलितों की एक इंच जमीन भी नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि दलितों और आदिवासियों से जमीन छीनना जनता की सरकार की नीति नहीं है।

श्रीनिवास रेड्डी ने भरोसा दिलाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार दलितों की जमीन की पूरी तरह रक्षा करेगी और उन्हें चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है। मंत्री ने दलितों से कहा, ''सरकार आपकी एक इंच जमीन भी नहीं लेगी। इस सरकार का आपकी जमीन अधिग्रहीत करने का कोई इरादा नहीं है। आपको अपनी जमीन को लेकर किसी तरह का डर या चिंता नहीं होनी चाहिए। जनता की सरकार आपके साथ खड़ी है।''

मंत्री की यह सफाई उन खबरों के बीच आई है, जिनमें कहा गया है कि राजस्व अधिकारियों ने एर्रावल्ली गांव के 120 दलित किसानों को नोटिस जारी किए हैं। किसानों से अपनी जमीन के मालिकाना हक से जुड़े सभी दस्तावेजों के साथ अधिकारियों के सामने पेश होने को कहा गया है।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने पिछले सप्ताह विधानसभा में घोषणा की थी कि सरकार सिद्दीपेट जिले के एर्रावल्ली में पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के फार्महाउस की जांच कराएगी।

बिहार के बाढ़-सुखाड़ प्रभावितों के लिए 15-15 हजार की मांग

विश्व केसरी■



पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और राजद के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को कहा कि बिहार इस समय बाढ़ और सुखाड़ की दोहरी मार झेल रहा है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार से बाढ़ तथा सूखे से प्रभावित किसानों को तत्काल 15-15 हजार रुपये की सहायता देने और बिहार की स्थिति को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की।

पटना में प्रेस वार्ता के दौरान तेजस्वी यादव ने दावा किया कि राज्य में बाढ़ से 45 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि दूसरी ओर कम बारिश के कारण कई इलाकों में सुखाड़ की स्थिति है। उपलब्ध मौसम आंकड़ों के अनुसार सितंबर के मध्य तक बिहार में सामान्य से करीब 35-36 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई थी। तेजस्वी ने कहा कि किसानों की फसलें प्रभावित हुई हैं और सरकार को बाढ़ के साथ-साथ सूखे से हुए नुकसान का भी सर्वे कराना चाहिए।

उन्होंने कहा कि दोनों तरह से प्रभावित लोगों को तत्काल आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने केंद्र और राज्य की एनडीए सरकार पर राहत कार्यों को लेकर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक रसोई और राहत शिविरों को पर्याप्त समय तक संचालित नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि पानी निकलने के बाद भी प्रभावित परिवारों की परेशानियां समाप्त नहीं होती हैं और उन्हें भोजन, कपड़े, बर्तन तथा अन्य जरूरी सामान की जरूरत होती है।

जम्मू-कश्मीर: सुरक्षा बलों का तलाशी अभियान कठुआ, सांबा, उधमपुर, डोडा और किश्तवाड़ में हाईअलर्ट

विश्व केसरी■



जम्मू। जम्मू-कश्मीर के कठुआ, सांबा, उधमपुर, डोडा और किश्तवाड़ जिलों में हाई अलर्ट जारी किया गया। रविवार को मजालता के जंगलों में 'ऑपरेशन सोहन' जारी रहा और पूरे इलाके में तलाशी अभियान का दायरा बढ़ाया गया।

जम्मू इलाके के कई हिस्सों, कठुआ और उधमपुर से लेकर डोडा और किश्तवाड़ तक हाईअलर्ट जारी किया गया है। सुरक्षा बल मजालता के जंगलों में हुई मुठभेड़ के बाद बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चला रहे हैं।

'ऑपरेशन सोहन', 16 सितंबर की रात को बर्तल, सोहन और खुब्बन के घने जंगलों में शुरू हुआ था, तीसरे दिन भी जारी रहा। 17 सितंबर की सुबह हुई मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों ने जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया था। आशंका है कि एक तीसरा आतंकवादी, जिसके मुठभेड़ में घायल होने की बात कही जा रही है, अभी भी जंगल में छिपा हो सकता है। मुठभेड़ के बाद, सेना की व्हाइट नाइट कॉर्प्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने पूरे इलाके में घेराबंदी और तलाशी अभियान तेज कर दिया है। रिपोर्ट में सुरक्षा सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यह ऑपरेशन इसलिए अहम है क्योंकि यह इलाका घुसपैठ के एक पुराने रास्ते से जुड़ा है, जो कठुआ-सांबा बॉर्डर से मजालता, बसंतगढ़ और रामनगर होते हुए डोडा, भद्रवाह और किश्तवाड़ और आगे दक्षिण कश्मीर तक जाता है।

इसलिए, सुरक्षा इंतजामों को मजालता से आगे भी बढ़ाया गया है, सांबा, कठुआ, उधमपुर, डोडा और किश्तवाड़ के जंगलों और बॉर्डर वाले इलाकों में अलर्ट बढ़ा दिया गया है।

न्यायालय तहसीलदार बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्रमांक /332/क्र. / वा-1/ तह. / 2026 बसना दिनांक 03/09/2026

एतद द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक / आवेदिका संतलाल पटेल पिता / पति विष्णुदास पटेल निवासी ग्राम / नगर गिधली तहसील बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक / आवेदिका अपने स्वयं /पुत्र / पुत्री/ माता/ पिता/ दादी मॉ तुलसा बाई का दिनांक 02/10/2014 को स्थान गिधली में जन्म / मृत्यु हुआ है। उक्त जन्म /मृत्यु का पंजीयन नही हो पाने के कारण उक्त तिथि में स्वयं / पुत्र /पुत्री / माता/ पिता/ दादी मॉ तुलस बाई के जन्म /मृत्यु की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी भी प्रकार के आक्षेप/ दावा हो अथवा आवेदन पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 22/09/2026 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 03/09/ 2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

तहसीलदार
बसना

न्यायालय तहसीलदार बसना जिला महासमुन्द (छ.ग.)

// ईश्तहार//

क्रमांक / 346 / क्र. / वा-1 / तह./ 2025-26 बसना दिनांक 11/09/2026

एतद द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक / आवेदिक हरिराम साव पिता / पति बिहारी साव निवासी ग्राम / नगर कपसाखुंटा तहसील बसना द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि आवेदक / आवेदिका अपने स्वयं पत्नि रीता साव का दिनांक 11/10/2008 को स्थान कपसाखंटा में जन्म / मृत्यु हुआ है। उक्त जन्म / मृत्यु का पंजीयन नही हो पाने के कारण उक्त तिथि में स्वयं / पुत्र / पुत्री / माता/ पिता/ पत्नि रीता साव के जन्म /मृत्यु की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को किसी भी प्रकार के आक्षेप /दावा हो अथवा आवेदन - पत्र प्रस्तुत करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से दिनांक 24/09/2026 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 11/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया ।

तहसीलदार
बसना

आइसलैंड में गूंजा उत्तर प्रदेश का सांस्कृतिक वैभव, निवेश और पर्यटन संभावनाओं पर भी जोर

विश्व केसरी■

रेक्याविक। आइसलैंड स्थित भारतीय दूतावास ने रविवार को उत्तर प्रदेश दिवस का आयोजन कर राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन, व्यापार और निवेश की संभावनाओं को सामने रखा। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह शामिल हुए।

आइसलैंड स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कार्यक्रम की जानकारी साझा करते हुए बताया, 'राजदूत आर. रवींद्र ने उत्तर प्रदेश में व्यापार और निवेश के अवसरों पर प्रकाश डाला। आइसलैंड के फोटोग्राफर और लेखक एइनार फालुर इंगोल्फ्सन ने वाराणसी सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों की अपनी यात्राओं के अनुभव साझा किए।'

इसमें आगे बताया गया, 'कार्यक्रम में इस्कॉन के सदस्यों ने मनोहर कीर्तन प्रस्तुत किया। भारतीय मूल के लोगों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। उत्तर प्रदेश के 'एक



जिला एक उत्पाद' (ओडीओपी) की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसके अलावा, राज्य में पर्यटन, व्यापार और निवेश की संभावनाओं को दर्शाने वाले वीडियो भी प्रदर्शित किए गए।'

दूतावास ने कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश की समृद्ध विरासत और राज्य में मौजूद अवसरों को आइसलैंड में प्रदर्शित करने वाला आयोजन बताया।

इससे एक दिन पहले शनिवार को भारतीय दूतावास ने आइसलैंड में भारतीय समुदाय को जोड़ते हुए 'विकसित भारत रन 2026' का आयोजन किया था। उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना और विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने इसका विधिवत उद्घाटन किया।

दूतावास के अनुसार, 'विकसित भारत रन' का उद्देश्य फिटनेस, एकता, सामुदायिक भावना और 2047 तक विकसित भारत के निर्माण की यात्रा में नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देना है। यह आयोजन 'सेवा पखवाड़ा' की भावना से भी जुड़ा है, जो 2 अक्टूबर को गांधी जयंती तक चलेगा। इसका उद्देश्य समाज की सेवा, सामूहिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक के योगदान को रेखांकित करना है।

दोनों ने रेक्याविक स्थित भारतीय दूतावास परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' पहल के तहत पौधारोपण भी किया। दूतावास ने कहा कि इस पहल के माध्यम से पर्यावरण के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी और संरक्षण की भावना को बढ़ावा दिया गया।

दूतावास के अनुसार, पौधारोपण कार्यक्रम ने 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के लिए भी सकारात्मक माहौल तैयार किया। यह अभियान 'स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' थीम के अनुरूप चलाया जा रहा है।

पहली बुद्धिमान रोबोट अनुप्रयोग कौशल प्रदर्शनी का कार्यक्रम शुरू



विश्व केसरी■

बीजिंग, 20 सितंबर (आईएएनएस)। चाइना मीडिया ग्रुप (सीएमजी) द्वारा आयोजित पहली बुद्धिमान रोबोट अनुप्रयोग कौशल प्रदर्शनी का चच्यांग प्रांत में कार्यक्रम 20 सितंबर को हांगचो शहर के यूहांग जिले में आयोजित हुआ। इस मौके पर 300 से अधिक बुद्धिमान रोबोट एक साथ सामने आए। बताया जाता है कि आजकल के रोबोट अकेले काम नहीं करते, बल्कि बहु-उपकरण टीम का सहयोग करते हैं। चच्यांग प्रांत के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग द्वारा स्वतंत्र रूप से विकसित पानी में गश्त और बचाव के लिए बुद्धिमान उपकरण चार भागों से गठित है।

मानवरहित जहाज ड्रोन से लैस है, जो पानी के ऊपर हवाई क्षेत्र में गश्त कर सकता है और रात के समय रोशनी दे सकता है। पुलिस बायोमिमेटिक मछली पानी के नीचे गश्त कर सकती है। फ्लाइंग लाइफ़बॉय पानी में गिरे व्यक्ति तक सटीक ढंग से पहुंच सकता है और 24 घंटे बिना चालक के बचाव कार्य चला सकता है। वहीं, जीवन समर्थन फ्लोटेशन डिवाइस पानी में गिरे व्यक्ति को सीधे किनारे तक वापस ला सकता है।

बता दें कि वर्तमान प्रदर्शनी से न सिर्फ विविध बुद्धिमान रोबोट सामने आए, बल्कि ज्यादा बुद्धिमान रोबोट को रोज़मर्रा की ज़िंदगी में शामिल कराया जा सकेगा।

इमरान खान की बहन को पुलिस ने हिरासत में लिया, जेल भेजा

विश्व केसरी■

लाहौर। पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने दावा किया है कि पूर्व प्रधानमंत्री और पार्टी के संस्थापक इमरान खान की बहन अलीमा खान को पुलिस ने हिरासत में ले कोट लखपत जेल भेज दिया। पार्टी के हवाले से स्थानीय मीडिया ने इसकी जानकारी दी।



जियो न्यूज के अनुसार पीटीआई ने रविवार को बताया कि अलीमा खान को पुलिस ने 'मेंटेनेंस ऑफ पब्लिक ऑर्डर, 1960' (एमपीओ) की धारा 3 के तहत हिरासत में लिया। अलीमा लाहौर के अपर मॉल स्थित अपने घर से जिम जा रही थीं, तभी उन्हें हिरासत में लिया गया और बाद में कोट लखपत जेल भेज दिया गया।

बताया गया कि उनकी गाड़ी को पुलिस स्टेशन में खड़ा कर दिया गया। पीटीआई संस्थापक की दूसरी बहन, नूरीन नियाजी, ने जियो न्यूज को बताया कि अलीमा को घर से निकलते समय हिरासत में लिया गया और उन्हें जानकारी मिली है कि उन्हें कोट लखपत जेल ले जाया जा रहा है।

नूरीन ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि वे इतने परेशान क्यों हैं कि महिलाओं को भी गिरफ्तार कर रहे हैं। वहीं, डॉन ने बताया कि लाहौर के डिप्टी कमिश्नर के कार्यालय से जारी एक आदेश में पुष्टि की गई कि उन्होंने उन्हें 30 दिनों के लिए हिरासत में लेने या गिरफ्तार करने का आदेश दिया था।

20 सितंबर के इस आदेश में कहा गया कि डिप्टी कमिश्नर (डीसी) मुहम्मद अली एजाज ने कानूनी धारा के तहत उन्हें हिरासत में लेने या गिरफ्तार करने का आदेश दिया था। डीसी ने अपने आदेश में मुहम्मद अमीर की गिरफ्तारी का भी निर्देश दिया और कहा, 'उन्हें कोट लखपत, लाहौर की सेंट्रल जेल के सुपरिटेंडेंट की कस्टडी में रखा जाएगा।

भारत-भूटान के बीच खेल सहयोग मजबूत करने पर चर्चा

विश्व केसरी■

नागोया। भारत और भूटान ने रविवार को दोनों देशों के बीच खेल सहयोग को और मजबूत बनाने के तरीकों पर चर्चा की। यह बातचीत जापान के नागोया में आयोजित 20वें एशियाई खेलों के इतर केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया और भूटान ओलंपिक समिति (बीओसी) के अध्यक्ष प्रिंस जिग्येल उग्येन वांगचुक के बीच हुई।

भूटान ओलंपिक समिति ने एक बयान में कहा कि दोनों नेताओं की मुलाकात एची-नागोया 2026 एशियाई खेलों के दौरान हुई, जिसमें भारत और भूटान के लंबे समय से चले आ रहे मजबूत संबंधों पर चर्चा की गई। बयान में कहा गया कि खेल दोनों देशों के द्विपक्षीय सहयोग का एक महत्वपूर्ण नया क्षेत्र बनकर उभरा है।



बैठक में दोनों पक्ष इस बात पर सहमत हुए कि भारत के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारतीय ओलंपिक संघ और भूटान ओलंपिक समिति के बीच और अधिक समन्वय बढ़ाकर खेल संबंधों को नई मजबूती दी जाएगी।

बैठक के दौरान मनसुख मांडविया ने भारत की उस बढ़ती महत्वाकांक्षा का भी उल्लेख किया, जिसके तहत देश को वैश्विक खेल केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में काम किया जा रहा है। इस पर प्रिंस जिग्येल उग्येन वांगचुक ने कहा कि भारत में बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी दोनों देशों के लिए समान रूप से लाभकारी होगी। इससे भूटान के खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और अनुभव हासिल करने के अधिक अवसर मिलेंगे।

भूटान ओलंपिक समिति के अनुसार, प्रिंस वांगचुक ने भारत की खेल यात्रा और भविष्य की खेल महत्वाकांक्षाओं के लिए अपना समर्थन और शुभकामनाएं भी व्यक्त कीं।

इससे पहले गुरुवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपनी आधिकारिक भूटान यात्रा के दौरान थिम्फू में भूटान के राजा जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक से मुलाकात की थी। जयशंकर ने कहा था कि भारत-भूटान की अनूठी मित्रता को और गहरा करने के लिए राजा का मार्गदर्शन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

करोड़ों लोग आज भी 5 किलो अनाज पर निर्भर, सरकार रोजगार पर ध्यान दे : कुमारी सैलजा

विश्व केसरी■

सिरसा। कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने पेपर लीक, मतदाता सूची में गड़बड़ियों और यूपीआई से जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार पेपर लीक होने से विद्यार्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है, जबकि मतदाता सूची से नाम कटने की शिकायतों के कारण आम लोगों, विशेषकर वरिष्ठ नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पेपर लीक के मुद्दे पर कुमारी सैलजा ने कहा कि लगातार इस तरह की घटनाएं होना गंभीर चिंता का विषय है। इससे न केवल विद्यार्थियों की मेहनत और भविष्य प्रभावित होता है, बल्कि अभिभावकों को भी



परेशानी झेलनी पड़ती है।

उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी के पास पीजी से जुड़ी एक घटना का जिक्र करते हुए विद्यार्थियों के सामने रहने और पढ़ाई से जुड़ी चुनौतियों का मुद्दा भी उठाया। कांग्रेस सांसद ने कहा कि जब विद्यार्थियों को पढ़ाई के दौरान पहले से कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है और इसके बाद पेपर लीक होने जैसी घटनाएं सामने आती हैं, तो यह पूरे सिस्टम के लिए गंभीर सवाल खड़े करता है।

राहुल गांधी का जिक्र करते हुए सैलजा ने कहा कि वह युवाओं की आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि 'छात्रों की गूंज' के माध्यम से विद्यार्थियों की समस्याओं और उनकी मांगों को सामने लाने का प्रयास किया जा रहा है। सैलजा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार को विद्यार्थियों की पढ़ाई, रोजगार और भविष्य की चिंता नहीं है।

पश्चिम बंगाल और मतदाता सूची से जुड़े सवाल पर सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि देश के विभिन्न हिस्सों में मतदाता सूचियों को लेकर विवाद सामने आ रहे हैं और बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटने की शिकायतें मिलती हैं। कई मामलों में शिकायत करने वाले लोग संबंधित क्षेत्र के नहीं होते और जब उन्हें बुलाया जाता है।

कोलकाता में सीपीआई-एम के दफ्तरों में तोड़फोड़

विश्व केसरी■

कोलकाता। दक्षिण कोलकाता के जादवपुर इलाके में मोटरसाइकिल सवार अज्ञात बदमाशों ने सीपीआई-एम के कई पार्टी दफ्तरों और तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक देबाब्रता मजूमदार के घर व दफ्तर पर हमला किया और तोड़-फोड़ की।

कोलकाता म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (केएमसी) इलाके के छह वार्डों में सीपीआई-एम के दफ्तरों को निशाना बनाया गया। आरोप है कि इन हमलों के दौरान पार्टी का झंडा उतारकर जमीन पर फेंक दिया गया।

वार्ड नंबर 96 के लंबे समय से केएमसी पार्षद और पूर्व विधायक मजूमदार के घर और दफ्तर पर भी हमला किया गया और उनके परिवार के कुछ सदस्यों से मारपीट की गई। अभी यह साफ नहीं है कि इस घटना



में कौन-कौन शामिल था।

सीपीआई(एम) के एक नेता के अनुसार, वार्ड संख्या 96, 99, 101, 102, 105 और 106 में पार्टी कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई। बताया जा रहा है कि इनमें सबसे अधिक तनाव वार्ड संख्या 96 में था, जहां पूर्व तृणमूल कांग्रेस विधायक के आवास और पार्टी कार्यालय के सामने स्थिति काफी तनावपूर्ण रही। इसके अलावा, इस वार्ड में स्थापित सीपीआई(एम) के शहीद स्मारक (मार्टियर्स अल्टर) को भी निशाना बनाकर हमला किया गया।

आरोप है कि बदमाशों ने तृणमूल के पूर्व विधायक के बड़े भाई को धमकाया और उन्हें धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया। इस हमले के बाद मजूमदार के परिवार ने कहा, 'हमने बार-बार पुलिस को फोन करके घटना की जानकारी दी, लेकिन पुलिस एक घंटे बाद आई। इसके अलावा, वार्ड नंबर 101 और वार्ड नंबर 105 में भी अशांति फैल गई। आरोप है कि वहां भी मारपीट हुई। तृणमूल के पूर्व पार्षद तरुण मंडल के दफ्तर में भी तनावपूर्ण स्थिति बन गई थी। आरोप है कि यह बाइक गैंग न सिर्फ जादवपुर इलाके में, बल्कि दक्षिण 24 परगना जिले के नरेंद्रपुर में भी उपद्रव मचा रहा है।

इस घटना के बाद सीपीआई-एम और तृणमूल दोनों ने ही पूरी घटना में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। भाजपा पर भी आरोप लगाए गए हैं, लेकिन पार्टी ने अभी तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

पंजाब को नशामुक्त बनाकर विकसित राज्य बनाएगी भाजपाः अर्जुन राम मेघवाल

विश्व केसरी■

फाजिल्का (पंजाब)। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को भाजपा की 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' को सामाजिक सुधार का आंदोलन बताया। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य पंजाब की पीढ़ियों को नशे से बचाना और उसे विकसित राज्य बनने की दिशा में आगे ले जाना है।

मेघवाल फाजिल्का की पुरानी सब्जी मंडी से तीसरी 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' को हरी झंडी दिखाने से पहले एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। जनसभा को संबोधित करने से पहले उन्होंने आसफवाला शहीदी स्मारक का दौरा किया और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उनके साथ भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और पंजाब भाजपा प्रभारी सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष



केवल सिंह ढिल्लों, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ और पूर्व मंत्री सुरजीत कुमार जियाणी भी मौजूद थे।

तीसरी 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' को रवाना करने से पहले जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कुछ लोग इस यात्रा को राजनीतिक नजरिए से देख रहे हैं, हालांकि उन्होंने कहा कि यह कोई राजनीतिक अभियान नहीं, बल्कि सामाजिक सुधार की एक पहल है।

मेघवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी सरकार केवल सरकारी योजनाएं ही नहीं चलाती, बल्कि सामाजिक सुधार के लिए भी पहल करती है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियानों को ऐसी सामाजिक पहलों का उदाहरण बताया।

नशे के हानिकारक प्रभावों की बात करते हुए केंद्रीय कानून मंत्री ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब में गुरु अमर दास की बाणी का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि लोगों को ऐसी हर चीज से दूर रहना चाहिए, जिसके सेवन से इंसान के मन, बुद्धि और सही-गलत का फैसला करने की क्षमता पर असर पड़ता हो।उन्होंने गुरु नानक देव की बाणी में 'नाम सिमरन' के महत्व का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति सही मायने में नाम सिमरन तभी कर सकता है, जब उसकी विवेक यानी सही-गलत समझने की क्षमता ठीक हो। मंत्री ने कहा कि इसी कारण लोगों से नशीले पदार्थों से दूर रहने की अपील की जाती है।

भोपालः बाइक पर बैठे दोस्त के सिर में गोली मारी, महिला को लेकर हो चुका था झगड़ा

विश्व केसरी■

भोपाल। भोपाल में निशतपुरा पुलिस थाना क्षेत्र के तहत हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में मोटरसाइकिल सवार 21 वर्षीय युवक की उसके दोस्त ने दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी।

बाइक पर पीछे बैठे आरोपी ने पिस्तौल निकाली और बीच में बैठे युवक के सिर पर गोली मार दी। मृतक की पहचान हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के रहने वाले इखलास उर्फ ताशी के तौर पर हुई है, जो पेंटर का काम करता था।

पुलिस के मुताबिक, ताशी अपने दोस्त अलीम उर्फ अल्लू और एक अन्य युवक के साथ मछली पकड़ने जा रहा था। तीसरा साथी बाइक चला रहा था, जबकि ताशी बीच में और अलीम पीछे बैठा था। रास्ते में अलीम ने अचानक पिस्तौल



निकाली, उसे ताशी के सिर से सटाकर गोली चला दी जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

गोली मारने के बाद अलीम ने बाइक चलाने वाले को पिस्तौल दिखाकर धमकाया, उसे आगे बढ़ने पर मजबूर किया और भागने से पहले सिंधी कॉलोनी ले गया। डरा हुआ बाइक सवार बाद में घटनास्थल पर लौटा और पुलिस को सूचना दी। निशातपुरा पुलिस वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भेजा। हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है और फरार आरोपी अलीम की तलाश शुरू कर दी गई है।

पुलिस जांच में पता चला कि दोनों दोस्तों के बीच करीब 15 दिन पहले एक महिला को लेकर झगड़ा हुआ था। झगड़ा हिंसक हो गया था और लड़ाई में ताशी का हाथ टूट गया था। हालांकि बाद में मामला आपसी सहमति से सुलझा लिया गया था, लेकिन पुलिस को शक है कि अलीम के मन में रंजिश बनी रही, जिसके कारण यह हत्या हुई।

संपादकीय

अपना रंग बदलते राहुल गांधी

राकेश अचल

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सियासत के रंग बदलने से ज्यादा खुद रंग बदल रहे है. छात्रों की गूंज के पांचवें पडाव इंदौर में उनकी टीशर्ट का रंग काला था. वे शायद शोकग्रस्त मद्यप्रदेश में काला रंग ही असरदार मान रहे थे.

मैने राहुल गांधी के छात्रों की गूंज के हर भाषण को सुना है, ठीक वैसे ही जैसे मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर भाषण को सुनता हूँ. इंदौर में सरकार की तमाम अडंगेबाजी के बावजूद अप्रत्याशित भीड थी. मुद्दा भी था लेकिन प्रस्तुति बेहद कमजोर लगी.वे इंदौर मे काली टीशर्ट में थे. वे इससे पहले सफेद, पीली और पिंक टीशर्ट में थे.

राहुल के पिछले चार कार्यक्रम किसी न किसी वजह से सुर्खियों में रहे किंतु वे इंदौर में सत्तारूढ भाजपा और आर एस एस को ज्यादा छेड नहीं सके. सिस्टम पर भाजपा के कब्जे और देश में बढती अंधभक्ति पर राहुल गांधी का हमला मारक नहीं था. आंकडे थे, तस्वीरें थीं लेकिन धार गायब थी.ये धार अचानक कुंद क्यों हुई ये पता करना जरूरी है.

इस समय राहुल गांधी और समूची भाजपा -संघ के बीच जेनजी को आकर्षित करने की होड लगी है. प्रधानमंत्री ने इंदौर के राहुल गांधी के कार्यक्रम के जबाब में युवाओं को 50 हजार नियुक्ति पत्र बांटे. भाजपा अध्यक्ष ने उज्जैन में दीपावली मनाई और संघ सुप्रीमो ने 650 साखामृगों को उज्जैन मे ही राहुल की सभाओं को नाकाम करने का प्रशिक्षण दिया. गोदी मीडिया भी मोदी, भागवत के साथ खडी थी, फिर भी राहुल गांधी का कार्यक्रम विफल नहीं हुआ.

राहुल गांधी या तो थके हैं या अपनी सुरक्षा को लेकर आशंकित हैं शायद इसीलिए इंदौर मे वे पूरी तरह से चार्ज नहीं थे. उनके निशाने पर सिस्टम और उसके ऊपर काबिज नेता तो थे किंतु हमले सतही थे. अमित शाह के बेटे, अडानी -अंबानी और डोभाल की हरकतों के बारे में सब जानते है. वे मप्र की दुर्दशा पर खुलकर नहीं बोले. जहरीली शराब पर नहीं बोले.. वे खुद कम बोले बच्चों से ज्यादा बुलवाया.



इंदौर सभा की सबसे कमजोर प्रस्तुति मंच पर पंतप्रधान की फूहड मिमिक्री थी. बेहतर होता राहुल गांधी ब्रिक्स सम्मेलन पर बोलते. यूपीआई पर नये टैक्स पर बोलते.. अमेरिका की ओर से थोपे गए 100% टैरिफ पर बोलते. ये मुद्दे भी युवाओं के मुद्दे हो सकते थे.

शर्टो का रंग देश की राजनीति को बदल सकता है या नहीं लेकिन एक बात तय है कि देश की सियासत का रंग बदले बिना युवाओं का भविष्य सतरंगा नही हो सकता. प्रधानमंत्री और संघ देश को भगवा रंग में रंगना चाहते हैं. रेलों, इमारतों के रंग बदले जा चुके हैं. नोटों के रंग भी बदले गए हैं. आने वाले दिनों में ये मुहिम थमने वाली नहीं है.

बंगाल से सरकार और सरकारी पार्टी ने चुनाव सिस्टम का रंग बदलने का बिस्मिल्लाह कर दिया है. टीएमसी से उसकी पहचान छीन ली गई है. लेकिन राहुल गांधी ने इस मुद्दे का जिक्र भी शायद नहीं किया. वे इंदौर में अपनी पार्टी के भावी ब्लूप्रिंट के दीदार नहीं करा सके.

गौरतलब ये है कि सरकार ने राहुल गांधी को भयभीत करने के लिए श्रीपेरंबदूर की घटना का हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया. आपको याद होगा कि श्रीपेरंबदूर में राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी की हत्या एक आमसभा में कर दी गई थी. पुलिस ने इस घटना के बहाने इंदौर में राहुल की सभा में भीड को रोकने की कोशिश भी की थी, लेकिन कामयाब नहीं हो सकी. किंतु ये यय है कि सरकार मनोवैज्ञानिक रूप से राहुल गांधी को भयभीत करना चाहती है.

छात्रों की गूंज का अगला पडाव कहाँ होगा मुझे पता नहीं. पर मुझे लगता है कि अब इस कार्यक्रम को रीडिजाइन करने की जरुरत है. इस कार्यक्रम की धार बचाए रखना जरूरी है.कोटा, देहरादून, प्रयागराज और पुणे में छात्रों की गूंज से सरकार की नींद उडा रखी है।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस → युद्ध की राख से शांति का नया संसार कैसे बने?



ललित गर्ग

21 सितम्बर का अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस इस वर्ष ऐसे समय में आया है, जब दुनिया को शांति की सबसे अधिक जरूरत है। रूस-यूक्रेन युद्ध लंबा खिंच चुका है, पश्चिम एशिया में इजराइल-गाजा संघर्ष की मानवीय त्रासदी समाप्त नहीं हुई है और 2026 में अमेरिका-इजराइल तथा ईरान के बीच भीषण सैन्य संघर्ष ने पूरे क्षेत्र की सुरक्षा एवं वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। ऐसे वातावरण में शांति केवल एक आदर्श या कूटनीतिक शब्द नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व की अनिवार्य शर्त बन गई है। संयुक्त राष्ट्र ने 2026 के अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस की थीम रखी है- 'शांति में निवेश करें-सभी के लिए, हर जगह, हर दिन।' संयुक्त राष्ट्र के अनुसार शांति का अर्थ केवल युद्ध की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि सुरक्षा, गरिमा, अवसर और सहयोग का ऐसा वातावरण है जिसमें मनुष्य भयमुक्त होकर जीवन जी सके। इस वर्ष विशेष रूप से उन 'रोजमर्रा के शांति-निर्माताओं' को रेखांकित किया जा रहा है, जो अपने परिवार, समुदाय, विद्यालय और समाज में संवाद तथा विश्वास की नींव मजबूत करते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी शांति की खोज एवं शांति की स्थापना में होना चाहिए। ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता करते हुए भारत ने शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के महत्व को ही रेखांकित किया है।

दुनिया की वर्तमान स्थिति इस संदेश को और महत्वपूर्ण बनाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के साढ़े चार वर्ष से अधिक समय बाद भी हिंसा समाप्त नहीं हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार जुलाई 2026 में यूक्रेन में कम-से-कम 437 नागरिक मारे गए और 2,610 घायल हुए-मार्च 2022 के बाद किसी एक महीने में दर्ज सबसे अधिक नागरिक क्षति में से एक है। मिसाइलों, ड्रोन और हवाई हमलों ने शहरों, ऊर्जा ढांचे और सामान्य नागरिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। सितंबर में अमेरिका, रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता फिर शुरू करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई है, लेकिन क्षेत्रीय नियंत्रण सहित कई महत्वपूर्ण प्रश्न अभी भी विवादित हैं। पश्चिम एशिया की स्थिति भी विश्व-शांति के लिए गंभीर चुनौती है। गाजा में संघर्ष और मानवीय संकट पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार सितंबर 2026 में भी वहां हवाई हमलों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण नागरिकों की मौतें जारी थीं और बड़ी संख्या में लोग विस्थापित जीवन जी रहे थे। दूसरी ओर, फरवरी 2026 से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच शुरू हुआ संघर्ष क्षेत्रीय तनाव को व्यापक बना चुका है। ईरान के हमलों और अमेरिकी तथा इजराइली सैन्य कार्रवाइयों ने केवल संबंधित देशों को ही नहीं, बल्कि खाड़ी क्षेत्र, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मार्गों को भी प्रभावित किया है। सितंबर में भी इस युद्ध के समाप्त होने की स्पष्ट स्थिति नहीं बनी थी।

इन युद्धों की सबसे बड़ी कीमत सैनिकों से कहीं अधिक आम नागरिक चुका रहे हैं। घर उजड़ते हैं, बच्चे शिक्षा से वंचित होते हैं, अस्पताल और ऊर्जा व्यवस्था प्रभावित होती है, रोजगार समाप्त होते हैं और लाखों लोग विस्थापित होते हैं। युद्ध केवल वर्तमान को नहीं जलाता, वह आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी कमजोर करता है। इसलिए शांति की चर्चा केवल सीमाओं और सेनाओं के संदर्भ में नहीं, बल्कि मानवाधिकार, विकास, पर्यावरण, शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा के संदर्भ में भी करनी होगी। शांति स्थापित करने का पहला रास्ता संवाद है। युद्धरत देशों के बीच प्रत्यक्ष संवाद कठिन हो सकता है, लेकिन असंभव नहीं। युद्ध के बीच भी मानवीय गलियारे, युद्धविराम, कैदियों की अदला-बदली, नागरिकों की सुरक्षा और मानवीय सहायता के रास्ते खुले रखने चाहिए। स्थायी शांति के लिए बातचीत में केवल शक्तिशाली देशों की भूमिका पर्याप्त नहीं है; क्षेत्रीय देशों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं, नागरिक समाज और प्रभावित समुदायों की आवाज भी शामिल होनी चाहिए।

दूसरा रास्ता है हथियारों की दौड़ के बजाय शांति में निवेश। दुनिया सैन्य क्षमता पर जितना खर्च करती है, उसका एक हिस्सा यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, जलवायु संरक्षण और संघर्ष-प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण पर लगाया जाए तो हिंसा की जड़ों को कमजोर किया जा सकता है। शांति केवल युद्ध समाप्त करने से नहीं आती; गरीबी, असमानता, बेरोजगारी, भेदभाव और अवसरों की कमी जैसे कारणों पर काम करना भी शांति-निर्माण का हिस्सा है। तीसरा महत्वपूर्ण उपाय है विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को मजबूत करना। संयुक्त राष्ट्र की स्थापना ही अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हुई थी। आज आवश्यकता इस बात की है कि बहुपक्षीय संस्थाएं अधिक प्रभावी, प्रतिनिधित्वपूर्ण और जवाबदेह बनें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने 2026 के संदेश में सह-अस्तित्व-अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद और सह-अस्तित्व की अवधारणा को मजबूत करते हैं। महावीर का अहिंसा संदेश, बुद्ध की करुणा, गांधी का सत्य-अहिंसा दर्शन और आधुनिक भारत की शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की परंपरा दुनिया को यह स्मरण कराती है कि शक्ति का सर्वोच्च रूप विनाश नहीं, संयम और मानवीयता है। शांति केवल सरकारों की जिम्मेदारी भी नहीं है। घर में संवाद, विद्यालय में सहिष्णुता, समाज में भाईचारा और डिजिटल माध्यमों पर जिम्मेदार भाषा-ये सब विश्वशांति की ही छोटी इकाइयां हैं। आज सोशल मीडिया पर नफरत, झूठी सूचनाएं और उकसाने वाली भाषा सामाजिक तनाव को बढ़ाती हैं। इसलिए डिजिटल शांति भी 21वीं सदी की एक बड़ी आवश्यकता है। बच्चों और युवाओं को विवाद का उत्तर हिंसा से नहीं, तर्क, संवाद और सहानुभूति से देना सिखाना होगा।





सफेद कबूतर शांति का प्रतीक जरूर है, लेकिन अब प्रतीकों से आगे बढ़कर शांति की ठोस संरचना बनाने का समय है। युद्ध रोकने के लिए कूटनीति, नागरिकों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून, पीड़ितों के लिए मानवीय सहायता, विवादों के समाधान के लिए मध्यस्थता और युद्ध के बाद पुनर्निर्माण के लिए वैश्विक सहयोग-इन सभी को समान महत्व देना होगा। आज दुनिया को यह स्वीकार करना होगा कि किसी देश की सुरक्षा दूसरे देश की असुरक्षा पर स्थायी रूप से आधारित नहीं हो सकती। किसी एक क्षेत्र का युद्ध धीरे-धीरे ऊर्जा, व्यापार, पर्यावरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है। इसलिए शांति अब किसी एक राष्ट्र का विषय नहीं, पूरी मानवता का साझा हित है। अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम केवल युद्ध समाप्त होने की प्रतीक्षा न करें, बल्कि अपने-अपने स्तर पर शांति की संस्कृति विकसित करें। संयुक्त राष्ट्र का 2026 का संदेश भी इसी दिशा में है-शांति सम्मेलन कक्षों में ही नहीं, बल्कि विद्यालयों, मोहल्लों, परिवारों और समाजों में भी निर्मित होती है।

मनुष्य ने विज्ञान से आकाश जीत लिया, समुद्र की गहराइयां नाप लीं और अंतरिक्ष तक पहुंच बना ली; अब उसे अपने भीतर की हिंसा पर विजय प्राप्त करनी है।

विवाह क्यों नहीं करना चाहते आज के युवा?



डॉ. शैलेश शुक्ला

पिछले एक दशक में भारत में विवाह को लेकर जो आंकड़े आए हैं, वे व्यक्तिगत राय नहीं, बल्कि बड़े प्रामाणिक शोधों पर आधारित हैं। पहला बड़ा शोध YouGov-Mint-CPR मिलेनियल सर्वे है, जिसमें बीस से पैंतीस साल के सात हजार तीन सौ अठानवे युवाओं से बात की गई। इस सर्वे ने बताया कि हर चार में से एक युवा विवाह नहीं करना चाहता, उन्नीस प्रतिशत युवा विवाह और संतान दोनों से इनकार करते हैं, और नौ प्रतिशत विवाह चाहते हैं पर संतान नहीं। आय के साथ सीधा संबंध निकला, दस हजार से कम आय वाले परिवारों में चालीस प्रतिशत युवा विवाह से कतराते हैं, जबकि साठ हजार से अधिक आय में यह आंकड़ा बीस प्रतिशत रह जाता है।

दूसरा स्रोत भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की यूथ इन इंडिया रिपोर्ट और राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण है। इसके अनुसार कभी विवाह न करने वाले



युवा पुरुषों की संख्या दो हजार ग्यारह में बीस दशमलव आठ प्रतिशत थी, जो दो हजार उन्नीस में छब्बीस दशमलव एक प्रतिशत हो गई। महिलाओं में यह आंकड़ा तेरह दशमलव पांच से बढ़कर उन्नीस दशमलव नौ प्रतिशत हो गया। विवाह की औसत आयु दो हजार पांच-छह में सत्रह दशमलव चार वर्ष थी, जो दो हजार उन्नीस-इक्कीस में उन्नीस दशमलव सात वर्ष हो गई। बारह वर्ष से अधिक शिक्षा प्राप्त महिलाओं की शादी की उम्र अशिक्षित महिलाओं से साढ़े पांच वर्ष अधिक पाई गई।

तीसरा शोध कॉर्नेल विश्वविद्यालय की समाजशास्त्री प्रोफेसर अलका बसु का है, जो पॉपुलेशन स्टडीज जर्नल में नवंबर दो हजार बाइस में प्रकाशित हुआ। उन्होंने भारतीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण का विश्लेषण कर बताया कि पुरुषों में विवाह में देरी मौज-मस्ती के लिए नहीं, बल्कि बेरोजगारी के कारण है। अब वधू पक्ष केवल डिग्री नहीं, रोजगार वाला वर चाहता है। चौथा साक्ष्य यूनिसेफ के युवा मंच यूवाह और यू-रिपोर्ट का सर्वे है, जिसमें अठारह से उनतीस साल के चौबीस हजार युवाओं ने भाग लिया। पचहत्तर प्रतिशत युवाओं ने कहा कि पढ़ाई के बाद महिलाओं के लिए सबसे जरूरी कदम नौकरी है, विवाह नहीं। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष यूएनएफपीए ने तिहत्तर देशों के एक लाख से अधिक युवाओं पर सर्वे कर बताया कि युवा रिश्तों को नकार नहीं रहे, बल्कि आर्थिक सुरक्षा के बाद उन्हें करना चाहते हैं। इन शोधों की पृष्ठभूमि में आज के सवाल को समझना जरूरी है।

विवाह भारतीय समाज में केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं, बल्कि संस्कृति, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा का संगम रहा है। पहले विवाह समय पर हो जाना परिपक्वता का प्रमाण था। पर आज युवा विवाह को टाल रहे हैं। इसे विद्रोह कहना आसान है, पर समझना अधिक जरूरी है। पहला कारण आर्थिक है और सबसे कठोर भी। आज स्थिर नौकरी पाना ही सबसे बड़ी चुनौती है। किराया, शिक्षा ऋण, माता-पिता की जिम्मेदारी और भविष्य की अनिश्चितता के बीच विवाह अतिरिक्त वित्तीय बोझ लगता है।

बोध कथा

आदर्श मूर्तिकार



एक आदमी एक निर्माणधीन मंदिर को देखने गया। तभी उन्होंने देखा की एक मूर्तिकार भगवान् की मूर्ति बना रहा हैं। वो उसके पास गए और उसे काम करते देखने लगे। तभी उन्होंने ध्यान दिया की पास में ही हुबहू एक और मूर्ति पड़ी हुई हैं। उन्होंने पूछा 'क्या तुम एक जैसी दो मूर्तियाँ बना रहे हो?' मूर्तिकार अपने काम में मग्न था। उसने बिना अपना सर उठाये ही कहा 'नहीं '। 'तो फिर तुम दो मूर्तियाँ क्यों बना रहे हो?' ' हमें एक ही मूर्ति चाहिए पर पहली मूर्ति बनाते वक़्त थोड़ी ख़राब हो गयी।' वो अभी भी अपना काम कर रहा था।

उस आदमी ने मूर्ति को उठाया और जाचने लगा। पर उसे कोई भी खराबी नजर नहीं आई। 'कहाँ से ख़राब हो गयी हैं ये? यह कहीं सामने लगने वाली है क्या? ' 'नहीं ये तो मंदिर के बाहर 20 फीट ऊँचे खम्बे पर लगाने के लिए बनायीं गयी हैं।' ' अगर ये मूर्ति इतनी ऊपर लगने वाली है तो भला इतनी छोटी सी गलती को कोई कैसे देख लेता। तुम तो पहले वाली मूर्ति को ही रख सकते हो। किसे पता पड़ेगा?' इस बार मूर्तिकार ने उसकी तरफ देखा और मुस्कुरा कर कहा ' मुझे तो पता होगा,और भगवान् को भी पता होगा।

कविता

बदलाव



संगीता दरक माहेश्वरी

बदलाव नियम है
प्रकृति का
मनुष्य स्वभाव भी क्षण-
क्षण
बदलता है
तो परिस्थितियाँ भी बदलती र
हती हैं
कुछ रिश्तें जब नये बनते हैं
जुड़ते हैं आकार लेते हैं
तब भी बदलाव लाते हैं।

कुछ बदलाव नवसृजन की ओर
कदम बढ़ाते हैं
तो कुछ रिश्तों की मिठास को
कम कर जाते हैं।

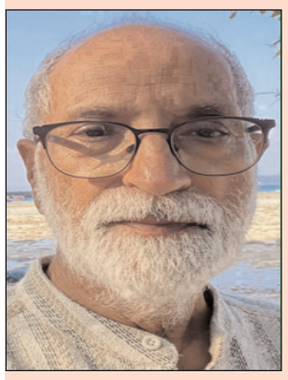
प्रकृति भी परिवर्तन की
परिचायक है
मौसम बदलता है जलवायु बदलती
हैं
और धीरे-धीरे हम उस बदलाव
के
आदि हो जाते है।

फिर वो बदलाव प्रकृति का
हो या इंसानों का
क्यों कि हम समय के साथ
समायोजित हो जाते हैं।।

मनासा म.प्र.

व्यंग्य केसरी

अथ गाथा:राघव-चेतन की



रामेश्वर तिवारी

आर्यावर्त के चक्रवर्ती सम्राट ने अपने दल के पक्ष में अपनी सरकार की उपलब्धियों को लेकर आम चुनाव में दिन-रात जमकर धुआँधार प्रचार किया। बावजूद उसके विरुद्ध राघव-चेतन ने मिलकर 'संविधान बदलने, आरक्षण छीने जाने' को लेकर झूठ का ऐसा विमर्श खड़ा किया कि 'कमल' की संख्या बहुमत के आँकड़े को छू नहीं पाई। वो, तो भला हो मित्र दलों का, जो उन्होंने अपने वादों की बैशाखियों के बल पर सम्राट का साथ और भूतपूर्व होने की पदवी से बचा लिया, वरना मायावियों ने समदर्शी सम्राट को पटकनी देने और उसकी शखसियत को पंचर करने में जरा भी कोर-कसर नहीं छोड़ी थी।

उधर मायावी राघव-चेतन ने चुनावी अखाड़े में सम्राट को पटकनी क्या दे डाली। उनके सिर पर इस कदर पागलपन का नशा हावी हो गया कि उन्होंने दरबार को मछलीघर में बदल दिया। शिव, बुद्ध, ईसा, पैगम्बर, नानक आदि आराध्य देवों और इतिहास पुरुषों को उपहास का पात्र बनाकर रख दिया। यहाँ तक कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम के परम भक्तों, सहिष्णु, उदार मूर्ति पूजकों को हिंसक, हत्यारे और न जाने क्या-क्या अलंकारों से विभूषित किया जाने लगा, पर तमाम आरोपों के बावजूद सम्राट ने अपना आपा और धैर्य को साधे रखा।

उधर राघव-चेतन और उनके चट्टे-बट्टे मदमस्त गजराज की तरह अपनी आधी-अधूरी कामयाबी की बिसात बिछाकर भविष्य के सतरंगी सपनों में खो गए। कदाचित् वे भूल गए थे कि भूतकाल में उनके पूर्वजों ने सत्ता की लालसा में अँधे होकर जिस प्रकार से तुष्टिकरण को बढ़ावा दिया था और देश के माथे पर 'तमस-काल' थोपकर किस कदर निर्दोष जन सेवकों पर जुल्म ढाए थे।

इधर राम राजा की नगरी और अन्य प्रदेशों में मिली अपनी करारी हार को लेकर सम्राट की रातों की नींद हराम हो गई। वह सोच ने लगा कि आखिर उससे ऐसी क्या खता हुई कि 'सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय' और बिना भेद-भाव के सबका शुभ सोचने के बावजूद कमल को क्योंकर बहुमत से कम सीटों पर सिमटना पड़ा। तभी ध्यानावस्था में उसके मस्तिष्क में अचानक बिजली कौंधी, उसकी तीसरी आँख खुली और उसे इलहाम हुआ। देखा कि सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा जी अपने एक हाथ में 'बटेंगे तो कटेंगे' और दूसरे हाथ में 'एक रहेंगे तो सेफ़ रहेंगे' का अचूक ब्रह्मास्त्र लिए आँखों के समक्ष खड़े हैं।

बस! फिर क्या था। सम्राट और उसके सिपहसालारों ने आगामी चुनावों में ब्रह्मा जी का दिया अकूच ब्रह्मास्त्र ऐसा चलाया कि कुरुक्षेत्र, तो कुरुक्षेत्र, मगध प्रदेश, महाराष्ट्र से लेकर काली प्रदेश तक सारे के सारे विरोधियों को धूल चटा दी। चूँकि देश की आम जनता भलीभाँति समझ चुकी थी कि बाजीगरों द्वारा उनको अनिष्ट का भय दिखाकर बुरी तरह से ठगा गया है। उसका परिणाम यह हुआ कि आजकल बेचारे राघव-चेतन अश्वत्थामा की तरह अपने माथे की मणि खोकर हलकान हुए जा रहे हैं।

इतिहास

21 सितंबर का दिन देश और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह रहा है, जिनमें प्रमुख घटनाएं निम्नलिखित हैं:

ऐतिहासिक घटनाएं1857: भारत के अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर ने अंग्रेजों के सामने आत्मसमर्पण किया था। इससे एक दिन पहले अंग्रेजों ने दिल्ली पर अधिकार कर लिया था।

1949: विलय संधि के बाद मणिपुर भारत गणराज्य का अभिन्न अंग बना था।

1998: अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और मोनिका लेविंस्की के प्रेम प्रसंग से जुड़ा वीडियो टेप जारी किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस: संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रतिवर्ष 21 सितंबर को दुनिया भर में शांति और अहिंसा को बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस मनाया जाता है।

सकरी में जल संकट: महीनों से खराब बोर-पंप, टैंकर व्यवस्था भी ठप्प

विश्व केसरी■

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। नगर निगम के जोन-1 क्षेत्र में जलापूर्ति व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों का समय पर निराकरण नहीं होने से लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है।

सकरी में 4 माह से बोर बंद

सकरी में बोर करीब चार माह से बंद है, जबकि बटालियन रोड पर कन्या स्कूल के पास लगा पंप लगभग छह माह से खराब पड़ा है। वहीं सकरी जोन में जलापूर्ति के लिए उपलब्ध तीन टैंकरों में से दो के खराब रहने से वैकल्पिक व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। बारिश के बीच कुछ इलाकों में गंदे पानी की शिकायतों ने समस्या को और गंभीर कर दिया है।

शांति नगर में चार माह से बंद बोर, 150-200 घर प्रभावित

सकरी के शांति नगर में तालाब के पास लगा बोर करीब चार महीने से खराब बताया जा रहा है। रहवासियों के अनुसार इससे लगभग 150 से 200 घरों की जलापूर्ति प्रभावित हो रही है। लोगों का कहना है कि बोर खराब होने की शिकायत कई बार किए जाने के बावजूद अब तक स्थायी रूप से मरम्मत नहीं कराई गई है।

बटालियन रोड का पंप छह माह से बंद

बटालियन रोड पर कन्या स्कूल के पास लगा पंप भी करीब छह माह से बंद है। लंबे समय से पंप खराब होने के कारण आसपास के



रहवासियों को पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि इतने लंबे समय तक जलापूर्ति से जुड़ी समस्या का लंबित रहना शिकायत निराकरण व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

तीन में से दो टैंकर खराब, वैकल्पिक व्यवस्था प्रभावित

सकरी जोन में जल संकट की स्थिति में वैकल्पिक जलापूर्ति के लिए तीन टैंकर उपलब्ध हैं, लेकिन इनमें से दो टैंकर अक्सर खराब रहने की शिकायत है। ऐसे में किसी क्षेत्र में बोर या पंप खराब होने पर टैंकर से पानी पहुंचाना भी चुनौती बन जाता है। बताया गया कि एक टैंकर में पंक्चर होने पर पार्षद को अपने स्तर पर उसका पंक्चर बनवाना पड़ा।

देवांगन मोहल्ले का पंप खराब, तीन मोहल्लों में असर

जूना बिलासपुर के देवांगन मोहल्ले में पंप खराब होने से देवांगन मोहल्ला, बनियापारा और केंवट मोहल्ले की जलापूर्ति प्रभावित है। संकरी गलियों के कारण यहां टैंकर पहुंचाना भी आसान नहीं है। ऐसे में खराब पंप की जल्द मरम्मत ही नियमित जलापूर्ति बहाल करने का प्रमुख विकल्प है। रहवासियों के अनुसार शिकायत के चार दिन बाद भी पंप की मरम्मत नहीं हो सकी है।

केंवट मोहल्ले में गंदे पानी की शिकायत, पंप बंद कराना पड़ा

केंवट मोहल्ले में बारिश के दौरान गंदे पानी की आपूर्ति की शिकायत भी सामने आई। शिकायत मिलने के बाद संबंधित पंप को बंद कर दिया गया, लेकिन रहवासियों का कहना है कि समस्या का स्थायी समाधान अभी नहीं हुआ है। पंप बंद किए जाने से नियमित जलापूर्ति भी प्रभावित हो रही है।

पानी के साथ सफाई व्यवस्था भी सवालों के घेरे में

जोन-1 में जलापूर्ति के साथ सफाई व्यवस्था को लेकर भी रहवासियों और पार्षदों की शिकायतें हैं। आरोप है कि कई इलाकों में कचरा कलेक्शन वाहन नियमित नहीं पहुंच रहा और दो दिन में एक बार कचरा उठाया जा रहा है। सड़कों पर झाड़ू लगने के बाद भी कई स्थानों पर कचरा पड़ा रहने की शिकायत है। पार्षदों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। नियमित निरीक्षण और शिकायतों की मॉनिटरिंग नहीं होने से छोटी समस्याएं भी लंबे समय तक लंबित हो जाती हैं।

सात दिन में शिकायतों के निराकरण के निर्देश

मेयर पूजा विधानी ने कहा - सभी जोन कमिश्नरों को लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। विशेष रूप से पानी से संबंधित शिकायतों का शासन के निर्देशानुसार सात दिन के भीतर निराकरण किया जाना है। निर्धारित अवधि में समस्या का समाधान नहीं होने पर संबंधित जोन कमिश्नर की जिम्मेदारी तय की जाएगी। अब सवाल यह है कि महीनों से बंद पड़े बोर और पंप तथा खराब टैंकरों की समस्या कब तक दूर होती है और प्रभावित क्षेत्रों में नियमित जलापूर्ति कब बहाल होती है।

महानदी का जलस्तर कम होते ही रेत तस्कर सक्रिय

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। महानदी का जलस्तर कम होते ही एक बार फिर रेत के अवैध उत्खनन का खेल शुरू होने की बात सामने आ रही है। महानदी के विभिन्न हिस्सों से कथित रूप से बड़े पैमाने पर रेत निकाली जा रही है और रेत से भरे ट्रैक्टर लगातार सड़कों पर दौड़ते नजर आ रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि महानदी का जलस्तर कम होते ही रेत माफिया सक्रिय हो जाते हैं और नदी के सीने को छलनी कर रेत निकालने का सिलसिला शुरू कर देते हैं। आरोप है कि रोजाना बड़ी संख्या में ट्रैक्टरों के जरिए रेत का परिवहन किया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है।

प्रशासन की नाक के नीचे से हो रही ढुलाई

स्थानीय लोगों के मुताबिक रेत से लदे ट्रैक्टर खुलेआम आवाजाही कर रहे हैं। इसके बावजूद अवैध उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी रोक नहीं लग पाने से प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। लोगों का आरोप है कि यदि नियमित निगरानी और कार्रवाई हो



तो इस तरह बड़े पैमाने पर रेत का परिवहन संभव नहीं है।

महानदी के पर्यावरण पर भी असर की आशंका

लगातार रेत निकाले जाने से महानदी के प्राकृतिक स्वरूप और नदी के तटीय क्षेत्र पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने नदी क्षेत्र में अवैध उत्खनन की जांच कराने और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

कार्रवाई का इंतजार

रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि प्रशासन को केवल शिकायतों का इंतजार करने के बजाय महानदी क्षेत्र में नियमित निगरानी और जांच अभियान चलाना चाहिए। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और महानदी से हो रहे कथित अवैध रेत उत्खनन पर कब तक कार्रवाई करता है।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल का वेंकटलाल अग्रवाल के निवास पर हुआ भव्य स्वागत

विश्व केसरी■

करगी रोड कोटा (अमित मिश्रा)। बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल दो दिवसीय प्रवास पर बिलासपुर जिले पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कोरबा, बिलासपुर, बिल्हा, जांजगीर-चांपा, खरसिया एवं रायगढ़ में आयोजित विभिन्न निजी, सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों में शिरकत की।

सांसद अग्रवाल ने श्रीमद्भागवत कथा सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होकर आयोजकों एवं क्षेत्रवासियों से आत्मीय मुलाकात की। इस दौरान आशुतोष साहू, सूरज साहू, चंद्रकांत अग्रवाल, मनीष कौशिक, विनय गुप्ता एवं आशु गुप्ता सहित अनेक लोगों ने उनसे मुलाकात की। इसी कड़ी में सांसद बृजमोहन अग्रवाल का काफिला करगी रोड कोटा पहुंचा। यहां भाजपा के वरिष्ठ



नेता एवं पार्षद वेंकटलाल अग्रवाल के निजी निवास पर उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। वेंकटलाल अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी रेखा अग्रवाल ने सांसद का शाल, श्रीफल एवं पुष्पमाला से स्वागत किया। इस अवसर पर सांसद अग्रवाल ने भाजपा कार्यकर्ताओं से सौजन्य मुलाकात कर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर सक्रिय रहने तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की तैयारियों में जुटने का आह्वान किया। स्वागत कार्यक्रम में भाजपा नेता अजय अग्रवाल, सरोज दुर्गेश साहू, घनश्याम दीक्षित, रितेश पांडे, कमलजीत अजमानी, संजू पार्षद, कमल आहूजा, मीना यादव, अनिल साहू, पार्षद लखन साहू, पूर्व पार्षद विकास सिंह ठाकुर, द्वारकेश पांडे, नरेंद्र कछुआ, राजेंद्र शर्मा, कोमल पालके, पार्षद विमल गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि दुर्गेश साहू, अंकित अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देवरी, देवरघटा होते हुए भुईगांव तक सड़क बदहाल, लोग हलाकान, परेशान

विश्व केसरी■

देवरी (नीरज शर्मा)। देवरी , देवरघटा होते हुए भुईगांव तक सड़क की बदहाली ने राहगीरों और ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़क पर जगह-जगह बने बड़े-बड़े गड्ढे अब हादसों को खुला न्योता देते नजर आ रहे हैं। स्थिति ऐसी हो गई है कि यह कहना मुश्किल है कि सड़क में गड्ढे हैं या गड्ढों के बीच कहीं सड़क बची हुई है।

इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में ग्रामीण, स्कूली बच्चे, कर्मचारी, किसान और अन्य राहगीर आवागमन करते हैं। लेकिन सड़क की जर्जर हालत के कारण लोगों को हर दिन परेशानी के साथ सफर करना पड़ रहा है। बड़े-बड़े गड्ढों से बचने के चक्कर में वाहन चालकों को बार-बार दिशा बदलनी पड़ती है, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है।



गर्मी में धूल, बारिश में पानी और कीचड़

सड़क की बदहाली का असर मौसम बदलने के साथ और बढ़ जाता है। गर्मी के दिनों में वाहनों के गुजरने से उड़ने वाली धूल लोगों के लिए परेशानी का कारण बनती है, तो बारिश के दिनों में यही गड्ढे पानी और कीचड़ से भर जाते हैं। पानी से भरे गड्ढों की गहराई का अंदाजा नहीं लगने के कारण दोपहिया वाहन चालकों के लिए खतरा और बढ़ जाता है।

ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से सड़क की हालत खराब है, लेकिन जिम्मेदार विभाग की ओर से समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में अपेक्षित कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। सड़क की स्थिति लगातार खराब होने से वाहनों को भी नुकसान पहुंच रहा है और राहगीरों का समय तथा पैसा दोनों बर्बाद हो रहा है।

हादसे के बाद जागेगा प्रशासन ?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जिम्मेदार विभाग इस मार्ग की सुध कब लेगा? क्या किसी बड़े हादसे के बाद ही सड़क की मरम्मत शुरू होगी? ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की तत्काल मरम्मत कराकर बड़े गड्ढों को भरना और मार्ग को आवागमन योग्य बनाना बेहद जरूरी है।

देवरी से देवरघटा होते हुए भुईगांव तक सड़क की हालत अब केवल असुविधा का विषय नहीं रह गई है, बल्कि यह लोगों की रोजमर्रा की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा बन चुकी है। ग्रामीणों ने जिम्मेदार अधिकारियों से सड़क का तत्काल निरीक्षण कराकर आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की है।

अब देखना यह है कि जिम्मेदार विभाग कब तक कागजी कार्रवाई से बाहर निकलकर सड़क पर उतरता है और कब ग्रामीणों को इस बदहाल मार्ग से राहत मिलती है।

भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना बाद नदी-तालाबों में प्रतिमा का विसर्जन

विश्व केसरी■

जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। शिल्पकारों और श्रम कार्य से जुड़े लोगों के आराध्य देवता भगवान विश्वकर्मा की जयंती चांपा सहित पूरे अंचल में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। लोहारपारा चांपा स्थित गोल्ड पैलेस में सुप्रसिद्ध स्वर्ण कारीगर सुशांत चौधरी एवं श्रीमती मीरा चौधरी ने भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना कराई। आचार्य पंडित पद्मेश शर्मा ने मंत्रोच्चार के साथ विधिवत पूजा संपन्न कराई। पूजा के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

भगवान विश्वकर्मा को समर्पित है 17 सितंबर -हर वर्ष 17



सितंबर को राष्ट्रीय स्तर पर देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई जाती है। यह दिन सृष्टि के महान शिल्पकार और निर्माण कला के जनक भगवान विश्वकर्मा को समर्पित है। धार्मिक ग्रंथों में उन्हें देवी-देवताओं के महलों, अस्त्र-शस्त्रों, रथों और विभिन्न दिव्य निर्माणों का रचयिता बताया गया है।

वेदों में भी यंत्रों और निर्माण कला से संबंधित उल्लेख मिलता है। भगवान विश्वकर्मा ने मानव कल्याण के लिए शिल्प, जलयान, नौका, रथ, विमान, आभूषण और विभिन्न यंत्रों का निर्माण किया। इसी कारण विश्वकर्मा जयंती को भारतीय श्रम और तकनीकी कौशल के सम्मान का पर्व भी माना जाता है।

एसडीएम के बेदखली आदेश के बाद भी कब्जा बरकरार

विश्व केसरी■

बिर्रा (नीरज शर्मा)। एसडीएम न्यायालय से बेदखली का आदेश जारी होने के करीब डेढ़ वर्ष बाद भी संबंधित भूमि पर कब्जे की स्थिति बरकरार रहने का मामला सामने आया है। इससे प्रशासनिक कार्रवाई और न्यायालयीन आदेश के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। खास बात यह है कि हाल ही में राजस्व अमले द्वारा मौके पर की गई जांच के दौरान तैयार पंचनामा में चालू नक्शे और वर्तमान राजस्व अभिलेखों के बीच अंतर भी सामने आया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) चांपा के न्यायालय में राजस्व प्रकरण में 13 दिसंबर 2024 को आदेश पारित किया गया था। आदेश के तहत अनावेदिका गीता बाई वैष्णव पति स्व. प्रेमदास वैष्णव को खसरा नंबर 2098/12 में पट्टे से प्राप्त 0.02 एकड़ भूमि को छोड़कर शेष अतिरिक्त भूमि से बेदखल किए जाने का निर्देश दिया गया था।

इसके बाद तहसीलदार बम्हनीडीह के ज्ञापन क्रमांक 996/ए तह.वा./2026, दिनांक 1 सितंबर के पालन में राजस्व अमला 9



सितंबर को मौके पर पहुंचा। राजस्व निरीक्षक एवं पटवारी द्वारा मौके की स्थिति का निरीक्षण कर संयुक्त पंचनामा तैयार किया गया।

चालू नक्शे और राजस्व अभिलेख में अंतर -मौके पर जांच के दौरान एक महत्वपूर्ण विसंगति सामने आई। पंचनामा के अनुसार, चालू नक्शे में खसरा नंबर 2098 केवल दो भागों 2098/1 एवं 2098/2 में दर्शाया गया है, जबकि वर्तमान राजस्व अभिलेखों में यही खसरा नंबर 14 बटांकों में विभाजित दर्ज है। इस अंतर ने पूरे मामले की राजस्व स्थिति को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

जांच के दौरान यह भी उल्लेखित किया गया कि संबंधित भूमि खसरा नंबर 2098, सड़क की भूमि खसरा नंबर 2207 के पश्चिम दिशा में स्थित है। चालू नक्शे के अनुसार सड़क के मध्य से दोनों ओर 20-20 मीटर, यानी कुल 40 मीटर चौड़ाई का सीमांकन किए जाने पर वर्तमान कब्जे वाली स्थिति में गीता बाई वैष्णव का कब्जा सड़क भूमि खसरा नंबर 2207 के आंशिक हिस्से तक पाया गया।

जबकि उपलब्ध राजस्व अभिलेख के अनुसार गीता बाई वैष्णव के नाम पर दर्ज भूमि खसरा नंबर 2098/12 में है। ऐसे में सड़क भूमि तक कब्जे की स्थिति सामने आने के बाद भी अब तक बेदखली की कार्रवाई नहीं होने को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है।

मौके पर दोनों पक्ष मौजूद, फिर भी कार्रवाई का इंतजार - मौके पर की गई कार्रवाई के दौरान आवेदक बनवारी लाल कश्यप पिता स्व. अंतराम कश्यप तथा अनावेदिका गीता बाई वैष्णव दोनों उपस्थित थे। राजस्व निरीक्षक और पटवारी ने संयुक्त रूप से पंचनामा तैयार किया। इसके बावजूद मौके पर सामने आई स्थिति और पूर्व में पारित बेदखली आदेश के बाद अब तक कार्रवाई आगे नहीं बढ़ने से आवेदक को कथित तौर पर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब एसडीएम न्यायालय द्वारा वर्ष 2024 में बेदखली का आदेश पारित किया जा चुका था और सितंबर 2026 में मौके पर राजस्व अमले की जांच में भी कब्जे एवं नक्शे-अभिलेख की विसंगतियां दर्ज हुई हैं, तो बेदखली आदेश के पालन में देरी क्यों हो रही है?

सबसे अहम—एसडीएम न्यायालय के आदेश का आखिर कब तक पालन होगा ?

फिलहाल ग्रामीणों और आवेदक की नजर प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हुई है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित रहता है या मौके की स्थिति के आधार पर नियमानुसार ठोस कार्रवाई भी करता है।

लीनेस क्लब सक्ती में तीज मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। ऑल इंडिया लीनेस क्लब्स डिस्ट्रिक्ट सी.जी.-1 'स्वर्णिम सक्ती' की आधिकारिक यात्रा और तीज मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर पत्रकार दैनिक हरिभूमि जिला ब्यूरो रामनरेश यादव, दैनिक दबंग दुनिया जिला ब्यूरो शम्सतमरेज खान एवं पत्रकार बजरंग अग्रवाल को लिनेस क्लब की ओर से श्रीफल एवं मोमेंटो, स्मृति चिन्ह, देकर,सम्मानित किया गया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि चार्टर डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट लीनेस रश्मि अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि डिस्ट्रिक्ट चीफ एडवाइजर लीनेस शबाना नाज़ रहीं।



सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ हुआ स्वागत

कार्यक्रम की शुरुआत भारत माता के तैल चित्र पर दीप प्रज्ज्वलन, लीनेस प्रार्थना और मंत्रोच्चार के साथ हुई। क्लब की चार्टर अध्यक्ष लीनेस शहनाज़ बानो, सचिव लीनेस निकहत करीम मलिक और कोषाध्यक्ष व माइक्रो चेयरपर्सन लीनेस प्रिया दुबे ने अतिथियों को चुनरी, श्रीफल और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस दौरान जूनियर पी.एस.टी. द्वारा स्वागत गीत और लीनेस विनीता जायसवाल द्वारा ईश आराधना नृत्य प्रस्तुत किया गया। ध्वजवंदना लीनेस विजया जायसवाल ने की, जिसके बाद राष्ट्रगान और विश्व शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

सेवा कार्यों और प्रशासनिक गतिविधियों की सराहना- ?अध्यक्षीय उद्बोधन के बाद, सचिव निकहत करीम मलिक ने सचिव प्रतिवेदन और कोषाध्यक्ष प्रिया दुबे ने वित्तीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। पूर्व अध्यक्ष लीनेस अल्का कंवर ने अपने कार्यकाल की यादें साझा करते हुए क्लब के कार्यों की सराहना की। डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर डॉ. शालू पाहवा ने बताया कि क्लब द्वारा डिस्ट्रिक्ट के सभी प्रोजेक्ट्स के अनुसार बेहतरीन गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

डिस्ट्रिक्ट चीफ एडवाइजर लीनेस शबाना नाज़ ने सक्ती क्लब के कार्यों की प्रशंसा करते हुए सदस्यों को भविष्य में भी ऐसे ही उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

प्रमुख आकर्षण और सम्मान समारोह- सांस्कृतिक रंग: प्रभा, पूनम और कलेश्वरी द्वारा प्रस्तुत शानदार छत्तीसगढ़ी नृत्य ने पूरे सदन का मन मोह लिया। निरीक्षण व सेवा कार्य: डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट ने क्लब के स्क्रैप बुक, सचिव व कोषाध्यक्ष के रजिस्टरों का अवलोकन किया और प्रशासनिक कार्यों की जमकर सराहना की। अतिथियों ने नारायण सागर तालाब में क्लब द्वारा लगाए गए बैंचों का अवलोकन भी किया।

ऑटो चालकों को मिला स्टीकर, यात्रियों की बढ़ेगी सुरक्षा: प्रफुल्ल ठाकुर

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। आत्मानंद स्कूल परिसर में शक्ति जिले में संचालित ऑटो चालकों का पुलिस पंजीयन का कार्यक्रम रखा गया था समस्त ऑटो पर ऑटो का नंबर, चालक का नाम, उसका मोबाइल नंबर तथा आपात स्थिति के लिए शक्ति पुलिस कंट्रोल रूम का नंबर लिखा एक स्टीकर लगाया गया ताकि यात्री ऑटो में सवार होने से पहले या उतरने के बाद स्टिकर का अपने मोबाइल से स्क्रीनशॉट ले सके जिससे भूलवश ऑटो में यात्री का कोई सामान छूट जाए तो वह अनावश्यक परेशान ना हो और सीधे ऑटो चालक से बात कर सके।

ऑटो चालक पंजीयन कार्यक्रम का शुभारंभ आत्मानंद स्कूल में जिले के पुलिस अधीक्षक श्री प्रफुल्ल ठाकुर एवं सीईओ वासु जैन (IAS) द्वारा किया गया पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने बताया कि इस सुविधा का सबसे ज्यादा लाभ महिला यात्रियों



को मिलेगा ऑटो में लगे स्टिकर का स्क्रीनशॉट लेकर अपने परिजनों को भेज सकती है तथा महिला के मन में सुरक्षा का भाव जागृत होगा तथा वह दिन हो या रात किसी भी समय बेफिक्र यात्रा कर सकती है, कार्यक्रम मे उपस्थित जिला शक्ति के सीईओ श्री वासु जैन (ट्रेनी) ने बाहर से आने वाले यात्रियों तथा शक्ति की आम जनता विशेष कर महिलाओं से अपील की है कि इस स्टिकर का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं।

एफटीए के लागू होने का असर, वित्त वर्ष 26-27 की पहली तिमाही में भारत के निर्यात में आई तेजी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वाले साझेदार देशों को भारत के निर्यात में तेज बढ़ोतरी हुई है। सिंगापुर और श्रीलंका को निर्यात दोगुने से अधिक बढ़ा है, जबकि आसियान देशों को निर्यात में 60 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि व्यापार समझौते वास्तव में परिणाम देने लगे हैं। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।



तंजानिया के समाचार पत्र 'द गार्जियन' में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, आंकड़े बताते हैं कि भारत का बढ़ता व्यापार समझौतों का नेटवर्क अब बातचीत के जरिए मिले बाजार पहुंच के लाभ को वास्तविक निर्यात वृद्धि में तेजी से बदल रहा है।

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत का कुल निर्यात अब तक के सर्वोच्च स्तर 863.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जिसमें 441.8 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात और 421.3 अरब डॉलर का सेवा निर्यात शामिल है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि एफटीए साझेदार देशों के ताजा आंकड़े बताते हैं कि भारत केवल अपने निर्यात की मात्रा नहीं बढ़ा रहा है, बल्कि बाजार में अपनी मौजूदगी का विस्तार करने के लिए तरजीही व्यापार व्यवस्थाओं का भी तेजी से इस्तेमाल कर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून 2026 के दौरान सिंगापुर को भारत का निर्यात सालाना आधार पर 101.2 प्रतिशत बढ़कर 6.52 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 3.24 अरब डॉलर था। श्रीलंका को निर्यात में इससे भी अधिक वृद्धि दर्ज की गई। यह 123.8 प्रतिशत बढ़कर 2.35 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 1.05 अरब डॉलर था। आसियान क्षेत्र में भी मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में भारत का निर्यात 61.6 प्रतिशत बढ़कर 14.61 अरब डॉलर हो गया, जबकि अप्रैल-जून 2025 के दौरान यह 9.04 अरब डॉलर था। मलेशिया को निर्यात 75.2 प्रतिशत बढ़कर 2.54 अरब डॉलर हो गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया को निर्यात 25.2 प्रतिशत बढ़कर 2.68 अरब डॉलर पहुंच गया। दक्षिण कोरिया को निर्यात 22.6 प्रतिशत बढ़कर 1.95 अरब डॉलर और जापान को 22.4 प्रतिशत बढ़कर 1.75 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह, ओमान को निर्यात 26.4 प्रतिशत बढ़कर 1.39 अरब डॉलर, जबकि नेपाल को निर्यात 18.1 प्रतिशत बढ़कर 2.28 अरब डॉलर हो गया। भूटान और थाईलैंड को निर्यात में भी क्रमश: 16.1 प्रतिशत और 6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। नई दिल्ली द्वारा हाल में किए गए व्यापार समझौतों में भारत-यूएई सीईपीए, भारत-ऑस्ट्रेलिया ईसीटीए, भारत-ईएफटीए टीईपीए, भारत-ओमान सीईपीए और भारत-यूके सीईटीए शामिल हैं।

भारत के युवा इंजीनियरों को एकेडमिक सीमाओं से आगे बढ़ना होगा : विजय कुमार सिंह

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। मिजोरम के गवर्नर जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह ने इंजीनियरों की अगली पीढ़ी से अलग-अलग विषयों को मिलाकर सोचने (इंटरडिसिप्लिनरी सोच) की अपील की है।

उन्होंने कहा कि भारत के भविष्य का तकनीकी नेतृत्व उन इंजीनियरों पर निर्भर करेगा जो पारंपरिक एकेडमिक और प्रोफेशनल सीमाओं से हटकर काम कर सकते हैं।

राज्यपाल ने इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) (आईईआई) द्वारा आयोजित 18वें आईईआई इंडस्ट्री एक्सीलेंस समिट एंड अवार्ड्स 2026 को संबोधित करते हुए भारत के विकास में इंजीनियरिंग की अहम भूमिका पर जोर दिया और युवा प्रोफेशनल्स से उस विरासत को आगे बढ़ाने का आग्रह किया। यह समिट 'इंजीनियरिंग इंडियाज ग्लोबल फुटप्रिंट: टेक्नोलॉजी, टैलेंट एंड ट्रस्ट' (भारत की ग्लोबल पहचान बनाना: टेक्नोलॉजी, टैलेंट और भरोसा) थीम पर आयोजित की गई थी।

जनरल विजय कुमार ने कहा कि भारत की इंजीनियरिंग उपलब्धियां कई क्षेत्रों में फैली हुई हैं, जिनमें बांध, स्टील प्लांट, हाईवे, मेट्रो नेटवर्क, रिन्यूएबल एनर्जी सिस्टम, टेलीकम्युनिकेशन, स्पेस प्रोग्राम, स्वदेशी डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल हैं।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि भारत ने पहले ही कई अहम उपलब्धियां हासिल कर ली हैं लेकिन देश के विकास के अगले चरण को आकार देने की जिम्मेदारी आज के इंजीनियरिंग टैलेंट पर है। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग के अलग-अलग विषयों के बीच की सीमाएं तेजी से खत्म हो रही हैं। उन्होंने बताया कि सिविल इंजीनियरों को अब ज्योग्राफिक इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस), सेंसर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाइमेट मॉडलिंग जैसी टेक्नोलॉजी में महारत हासिल करने की जरूरत है जबकि मैकेनिकल इंजीनियर रोबोटिक्स और एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग की ओर बढ़ रहे हैं। इसी तरह, इलेक्ट्रिकल इंजीनियर एनर्जी स्टोरेज और स्मार्ट-ग्रिड टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे हैं और सॉफ्टवेयर इंजीनियर हार्डवेयर सिस्टम, साइबर सिक्योरिटी और फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर से तेजी से जुड़ रहे हैं।

ईरान-अमेरिका तनाव, कच्चा तेल, टैरिफ और घरेलू आर्थिक आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की चाल

विश्व केसरी■

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए अगला हफ्ता काफी महत्वपूर्ण होगा। अमेरिका-ईरान तनाव, कच्चे तेल की कीमत, अमेरिकी टैरिफ, बॉन्ड यील्ड और घरेलू आर्थिक आंकड़े बाजार की चाल निर्धारित करेंगे। मध्यपूर्व में अमेरिका-ईरान तनाव पर आने वाले समय में निवेशकों की निगाहें रहेंगी। इसमें आने वाले किसी भी अपडेट का सीधे बाजार पर असर हो सकता है।



अमेरिका में टैरिफ से जुड़े घटनाक्रम पर भी निवेशकों का फोकस रहेगा। अमेरिकी हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाला एक बिल मंजूर किया है। इस बिल से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उन देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार मिल जाएगा जो रूस से तेल और गैस खरीदते हैं। इस कदम का असर भारत और चीन जैसे बड़े आयातकों पर पड़ सकता है और इससे ग्लोबल ट्रेड और एनर्जी सप्लाई पर भी असर पड़ सकता है। कच्चे तेल की कीमतें बाजार में उतार-चढ़ाव की एक और बड़ी वजह बनी रह सकती हैं। विदेशी संस्थागत निवेशकों के निवेश पर भी करीबी नजर रहेगी। 18 सितंबर को एफआईआई कैश मार्केट में नेट खरीदार रहे। उन्होंने 599.54 करोड़ रुपए की शुद्ध खरीदारी की। घरेलू संस्थागत निवेशक भी नेट खरीदार रहे और उन्होंने 1,019.69 करोड़ रुपए की शुद्ध निवेश किया।

रुपए और डॉलर की चाल से इक्विटी मार्केट में उतार-चढ़ाव और बढ़ सकता है। इसके अलावा, पीएमआई और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेटा जैसे मासिक घरेलू डेटा भी अगले हफ्ते जारी होंगे, जिनका असर बाजार पर दिख सकता है। भारतीय शेयर बाजार ने बीता हफ्ता कमजोर स्तर पर खत्म किया। ऊर्जा की ऊंची लागत से महंगाई बढ़ने की आशंका और आर्थिक विकास पर इसके संभावित असर को लेकर चिंताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस दौरान सेंसेक्स 0.65 प्रतिशत गिरकर 74,294.46 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 0.22 प्रतिशत गिरकर 23,346.40 पर बंद हुआ।

कोयला गैसीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा सेक्टर्स में तेजी से विस्तार कर रही कोल इंडिया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) पारंपरिक कोयला खनन कंपनी से धीरे-धीरे एक विविधीकृत ऊर्जा, खनिज, सामग्री और प्रौद्योगिकी-केंद्रित संगठन के रूप में विकसित हो रही है। कोयला गैसीकरण, कुशल बिजली उत्पादन, नवीकरणीय ऊर्जा एवं बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस), महत्वपूर्ण खनिजों, उन्नत सामग्रियों और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) से जुड़ी उसकी पहल इस बदलाव के लिए व्यापक आधार तैयार कर रही हैं। यह जानकारी कंपनी की ओर से रविवार को दी गई।



बयान में कहा गया कि कंपनी का बिजनेस डेवलपमेंट पोर्टफोलियो पांच परस्पर मजबूत करने वाले क्षेत्रों के आसपास संगठित है। इनमें कोयला गैसीकरण और कोयले से रसायन, थर्मल पावर, नवीकरणीय ऊर्जा एवं स्टोरेज, महत्वपूर्ण खनिज एवं उन्नत सामग्री तथा लौह अयस्क सहित विविधीकृत खनिज शामिल हैं।

इस पोर्टफोलियो में पहले से ही राष्ट्रीय स्तर की कई परियोजनाएं शामिल हैं। इनमें चार कोयले से रसायन बनाने वाली पहलों में करीब 69,346 करोड़ रुपए का निवेश, 2म800 मेगावाट चंद्रपुरा अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल विस्तार, लगभग 550 मेगावाट की चालू सौर क्षमता, ग्रिड-स्तरीय बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) परियोजनाएं तथा महत्वपूर्ण खनिजों और डाउनस्ट्रीम सामग्रियों से जुड़े अवसर शामिल हैं।

कोयला गैसीकरण में कोयले को सिंथेसिस गैस या सिनगैस में बदला जाता है। इसका इस्तेमाल सिंथेटिक नेचुरल गैस (एसएनजी), अमोनिया, यूरिया, अमोनियम नाइट्रेट, मेथनॉल और अन्य रसायनों के उत्पादन में किया जा सकता है। यह तकनीक कोयले से रासायनिक मूल्य हासिल करने के साथ-साथ आयात पर निर्भरता कम करने में मदद कर सकती है।

सीआईएल की कोयले से रसायन बनाने वाली चार प्रमुख पहलों में तलचर फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लिमिटेड, कोल गैस इंडिया लिमिटेड और सीआईएल-बीपीसीएल चंद्रपुरा कोल-टू-एसएनजी पहल शामिल हैं।

इन पहलों में तकनीकी प्राथमिकताओं में उच्च-राख वाले भारतीय कोयले के अनुरूप प्रक्रियाओं को ढालना, प्रक्रिया का अनुकूलन, महत्वपूर्ण उपकरणों का स्थानीयकरण, उन्नत प्रक्रिया नियंत्रण एवं डिजिटल ट्विन, पूर्वानुमान आधारित रखरखाव तथा पानी, राख और उत्सर्जन प्रबंधन में सुधार शामिल हैं। परियोजनाओं को दोहराने का फैसला परिचालन संबंधी आंकड़ों और वाणिज्यिक प्रदर्शन के सत्यापन के बाद ही किया जाएगा।

250 रुपए में संवरेगा बच्चों का भविष्य!

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। बच्चों के भविष्य को आर्थिक रूप से सुरक्षित बनाने के लिए शुरू की गई एनपीएस वात्सल्य योजना तेजी से लोकप्रिय होती जा रही है। अगस्त 2026 तक इस योजना से जुड़े खातों की संख्या 4 लाख के पार पहुंच गई है। यह बढ़ती संख्या दिखाती है कि अब बड़ी संख्या में माता-पिता कम उम्र से ही अपने बच्चों के लिए दीर्घकालिक निवेश की योजना बना रहे हैं।



उद्योग से जुड़े आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 तक योजना से जुड़े बच्चों की संख्या लगभग 2.15 लाख थी, जबकि एक वर्ष पहले मार्च 2025 में यह आंकड़ा करीब 1.07 लाख था। इससे साफ है कि पिछले एक साल में एनपीएस वात्सल्य को लेकर लोगों की दिलचस्पी में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।

बता दें कि एनपीएस वात्सल्य योजना के तहत माता-पिता या अभिभावक अपने नाबालिग बच्चे के नाम पर खाता खोल सकते हैं। इस योजना की खास बात यह है कि निवेश की शुरुआत केवल 250 रुपए से की जा सकती है, जबकि अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है।

योजना में केवल माता-पिता ही नहीं, बल्कि रिश्तेदार और मित्र भी बच्चे के खाते में राशि जमा कर सकते हैं। इसका उद्देश्य बच्चों के लिए लंबी अवधि का निवेश कोष तैयार करना और कम उम्र से वित्तीय अनुशासन की आदत विकसित करना है।

आंकड़ों के अनुसार, एनपीएस वात्सल्य में सबसे बड़ी हिस्सेदारी स्कूल जाने वाले बच्चों की है। 10 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे कुल खाताधारकों का करीब 36.9 प्रतिशत हिस्सा हैं। इसके बाद 5 से 9 वर्ष आयु वर्ग की हिस्सेदारी 31.6 प्रतिशत है।

वहीं, 15 से 19 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की हिस्सेदारी 21.1 प्रतिशत और 0 से 4 वर्ष के बच्चों की हिस्सेदारी 10.4 प्रतिशत है। इसका मतलब है कि 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चे कुल खाताधारकों का लगभग 68.5 प्रतिशत हिस्सा हैं। यह संकेत देता है कि माता-पिता बच्चों की पढ़ाई के शुरुआती वर्षों से ही उनके भविष्य के लिए निवेश करना पसंद कर रहे हैं।

एनपीएस वात्सल्य एक मार्केट-लिंक्ड निवेश योजना है, जिसमें जमा राशि को बाजार से जुड़े विभिन्न निवेश साधनों में लगाया जाता है। अलग-अलग पेंशन फंड अपनी निवेश रणनीति के अनुसार विकल्प उपलब्ध कराते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, चुनी गई योजना के आधार पर इक्विटी यानी शेयर बाजार में निवेश की हिस्सेदारी काफी अधिक हो सकती है। यही कारण है कि यह योजना लंबे समय में बेहतर रिटर्न की संभावना के साथ संपत्ति निर्माण का अवसर प्रदान करती है।

हालांकि यह योजना लंबी अवधि के निवेश के लिए बनाई गई है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में आंशिक निकासी की भी अनुमति है।

नियमों के अनुसार, खाता खुलने के तीन वर्ष बाद जमा मूल राशि का 25 प्रतिशत तक निकाला जा सकता है। इस सुविधा का उपयोग शिक्षा, चिकित्सा उपचार या कुछ विशेष परिस्थितियों में किया जा सकता है। हालांकि निवेश से मिलने वाले रिटर्न को इस सीमा में शामिल नहीं किया जाता। एनपीएस वात्सल्य की एक बड़ी खासियत यह है कि बच्चे के वयस्क होने के बाद भी निवेश जारी रखा जा सकता है। 18 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद खाते को निर्धारित नियमों के तहत आगे चलाया जा सकता है और 21 वर्ष की आयु तक बनाए रखा जा सकता है।

एआई से सामने आएंगे नए सेक्टर्स : एन चंद्रशेखरन

विश्व केसरी■

चेन्नई। टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि भारत अपने इतिहास के सबसे तेज विकास के दौरान में प्रवेश करने जा रहा है और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), टेक्नोलॉजी और नए नियामक बदलाव वैश्विक अर्थव्यवस्था को नया आकार देंगे।

साईं यूनिवर्सिटी में मुख्य अतिथि के रूप में दिए अपने संबोधन में चंद्रशेखरन ने कहा कि ग्रेजुएट्स तेजी से बदलते हुए, लेकिन अधिक मौकों वाले दौर में कदम रख रहे हैं और एआई आने वाले समय में ऐसे नए सेक्टर पैदा करेगा, जिसका फिलहाल अंदाजा लगाना मुश्किल है।

चंद्रशेखरन ने कहा कि मौजूदा समय में एआई से नौकरियों के कम होने पर विस्तार से चर्चा चल रही है, लेकिन नई टेक्नोलॉजी अपने साथ कई बड़े अवसर लेकर आती है। वहीं, भारत के विकास पर टाटा संस के चेयरमैन ने कहा कि देश आज के समय में बहुत मजबूत स्थिति में है और आर्थिक वृद्धि 'हमारे अपने इतिहास में और दुनिया के किसी भी हिस्से के मुकाबले बेमिसाल होगी', और यह कई दशकों तक जारी रह सकती है।



चंद्रशेखरन ने ग्रेजुएट्स से 'डुअल रेस' वाली सोच अपनाने को कहा यानी लंबे समय के लक्ष्यों पर काम करने के साथ-साथ कम समय की उपलब्धियां भी हासिल करना, ताकि गति बनी रहे। उन्होंने छात्रों को अपने करियर के लिए लगातार तैयारी करने और मुश्किलों से निराश न होने की सलाह भी दी। मैराथन दौड़ का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि लोगों को दूसरों से तुलना करने के बजाय अपनी खुद की तरक्की के आधार पर खुद को आंकना चाहिए। साथ ही उन्होंने ग्रेजुएट्स को नई चीजें जानने की उत्सुकता बनाए रखने, अलग-अलग हुनर वाले लोगों के साथ काम करने और क्रिएटिविटी विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया, खासकर बिजनेस के क्षेत्र में।

उन्होंने कहा, 'बिजनेस में क्रिएटिविटी बहुत कीमती है,' और साथ ही यह भी कहा कि लोगों को अपने कामों और उनसे मिली सीख पर लगातार सोचना चाहिए।

असम के मुख्यमंत्री ने धुबरी में 48,000 करोड़ रुपए के थर्मल प्लांट की रखी आधारशिला

विश्व केसरी■

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को धुबरी जिले के चापर में अदाणी पावर लिमिटेड के 3,200 मेगावाट के अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट की आधारशिला रखी। यह राज्य के इतिहास में सबसे बड़े प्राइवेट निवेश में से एक है।

लगभग 48,000 करोड़ रुपए के निवेश वाले इस प्रोजेक्ट से असम की बिजली उत्पादन क्षमता में तेज बढ़ोतरी होने और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

कंपनी के अनुसार, इस प्लांट के निर्माण के दौरान 20,000 तक नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है और इसके चालू होने पर लगभग 5,000 स्थायी और अप्रत्यक्ष नौकरियां मिलेंगी। शिलान्यास समारोह में राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, समुदाय के नेता और अदाणी ग्रुप के डायरेक्टर जीत अदाणी शामिल हुए। चापर थर्मल पावर प्रोजेक्ट, असम के पावर सेक्टर में अदाणी ग्रुप के 63,000 करोड़ रुपए के बड़े निवेश प्लान का एक अहम हिस्सा है।



इस प्लांट को दिसंबर 2030 से अलग-अलग चरणों में शुरू किया जाएगा और इसमें 800 मेगावाट की चार यूनिट होंगी। इसमें अल्ट्रा-सुपरक्रिटिकल टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा, जिसे आधुनिक पर्यावरण सुरक्षा उपायों के साथ-साथ क्षमता बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है।

कार्यक्रम में अपने संबोधन में मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि असम तेजी से पूर्वोत्तर के लिए एक एनर्जी हब के तौर पर उभर रहा है और राज्य में कई बड़े एनर्जी प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है। उन्होंने चापर प्रोजेक्ट को 'एडवांटेज असम इन्वेस्टर समिट 2.0' के दौरान किए गए निवेश के वादों का एक बड़ा नतीजा बताया। उन्होंने कहा, 'लगभग 48,000 करोड़ रुपए के निवेश के साथ, यह प्रोजेक्ट असम में अब तक किए गए सबसे बड़े सिंगल इन्वेस्टमेंट में से एक होगा।' जीत अदाणी ने कहा कि यह थर्मल पावर प्रोजेक्ट असम के विकास के सफर में एक नए अध्याय की शुरुआत है।

सितंबर में विदेश घूमने का है प्लान? इन 5 खूबसूरत बीच डेस्टिनेशन को लिस्ट में करें शामिल, ट्रिप बनेगा यादगार



अगर आप सितंबर के महीने में समुद्र, रेत और खूबसूरत नज़ारों के बीच कुछ सुकून भरे दिन बिताना चाहते हैं, तो आप अपनी ट्रैवल लिस्ट में इन 5 इंटरनेशनल बीच डेस्टिनेशन्स को शामिल कर सकते हैं.

अगर आप सितंबर में विदेश यात्रा कर रहे हैं, तो कई बेहतरीन जगहें हैं जहां खाने-पीने का शानदार अनुभव मिल सकता है. इस दौरान, समुद्र किनारे बसी कई लोकप्रिय जगहों पर पीक टूरिस्ट सीजन के मुकाबले कम भीड़ होती है, जिससे यात्रा ज़्यादा सुखद रहती है. अगर आप समुद्र तटों, रेत और खूबसूरत नज़ारों के बीच कुछ दिन बिताना चाहते हैं, तो आप अपनी लिस्ट में इन 5 इंटरनेशनल बीच डेस्टिनेशन्स को शामिल करने के बारे में सोच सकते हैं...

1. बाली, इंडोनेशिया

बाली अपने शानदार बीच, हरियाली और आलीशान रिसॉर्ट्स के लिए दुनिया भर में मशहूर है. सितंबर में, द्वीप के कई हिस्सों में मौसम काफी अच्छा रहता है. कुटा, सेमिन्याक और नुसा दुआ जैसी जगहों पर पर्यटक बीच पर आराम कर सकते हैं, वॉटर स्पोर्ट्स का मज़ा ले सकते हैं और खूबसूरत सनसेट देख सकते हैं. समुद्र के अलावा, द्वीप के मंदिर और स्थानीय संस्कृति भी मुख्य आकर्षण हैं.

2. मालदीव

अगर आप नीले पानी और सफेद रेत वाले बीच के बीच छुट्टियां बिताने का सपना देखते हैं, तो मालदीव एक बेहतरीन विकल्प है. इसके प्राइवेट आइलैंड रिसॉर्ट्स और साफ पानी इसे कपल्स और परिवारों, दोनों के लिए एक लोकप्रिय डेस्टिनेशन बनाते हैं. हालांकि सितंबर में बारिश की संभावना हो सकती है, लेकिन यह ऑफ-सीजन का समय अक्सर आकर्षक ट्रैवल डील्स देता है.

3. फुकेत, ??थाईलैंड

थाईलैंड का फुकेत न सिर्फ बीच पसंद करने वालों को, बल्कि एडवेंचर चाहने वाले यात्रियों को भी आकर्षित करता है. यहां पातोंग, काटा और कारोन बीच जैसी लोकप्रिय जगहें हैं। चूंकि सितंबर में बारिश हो सकती है, इसलिए यात्रा की योजना बनाने से पहले मौसम का पूर्वानुमान देख लेना चाहिए. अगर मौसम अच्छा रहता है, तो आप बीच का मज़ा लेने के साथ-साथ आस-पास के द्वीपों और स्थानीय बाज़ारों को भी घूम सकते हैं.

4. सेशेल्स

हिंद महासागर में स्थित सेशेल्स अपने साफ-सुथरे बीच और खूबसूरत द्वीपों के लिए मशहूर है. यहां ग्रेनाइट की चट्टानों, घनी हरियाली और नीले पानी का शानदार संगम देखने को मिलता है. सितंबर में, द्वीप की यात्रा या समुद्री गतिविधियों की योजना बनाने से पहले स्थानीय मौसम की स्थिति की जांच करना जरूरी है.

5. मॉरिशस

मॉरिशस उन यात्रियों के लिए एक बढ़िया विकल्प है जो बीच पर आराम करने के साथ-साथ प्रकृति और एडवेंचर का भी मज़ा लेना चाहते हैं. अपने खूबसूरत बीच के अलावा, इस द्वीप पर पहाड़, झरने और कई तरह की समुद्री गतिविधियां भी हैं. सितंबर में मौसम काफी अच्छा हो सकता है, जिससे पर्यटक बीच पर आराम कर सकते हैं और स्नॉर्कलिंग जैसी गतिविधियों का मज़ा ले सकते हैं।

कमजोर पेरेंट्स में होती हैं ये 5 आदतें, निकालते हैं सिर्फ अपने बच्चों में कमी



क्या आप भी अनजाने में अपने बच्चों में सिर्फ कमियां निकालते रहते हैं? जानिए कमजोर पेरेंटिंग की उन 5 आदतों के बारे में जो बच्चों का आत्मविश्वास अंदर से तोड़ देती हैं और जानिए इनसे बचने के आसान तरीके.

बच्चों की परवरिश करना दुनिया का सबसे खूबसूरत और जिम्मेदारी भरा काम माना जाता है. हर माता-पिता की यह ख्वाहिश होती है कि उनका बच्चा जीवन में खूब तरक्की करे और एक बेहतर इंसान बने. इस चाहत में अक्सर पेरेंट्स कुछ ऐसी अनजाने आदतें अपना लेते हैं, जो बच्चों को सुधारने के बजाय उन्हें मानसिक रूप से कमजोर कर देती हैं. परवरिश का तरीका सीधा बच्चों के आत्मविश्वास और उनके मानसिक विकास पर गहरा असर डालता है. अगर आप भी यह जानना चाहते हैं कि कहीं आपकी कुछ अनजाने आदतें आपके बच्चे पर नकारात्मक असर तो नहीं डाल रही हैं, तो यह बातें आपको जरूर जानना चाहिए. आइए जानते हैं कमजोर पेरेंट्स की उन 5 आदतों के बारे में, जिन्हें समय रहते बदलना बेहद जरूरी है.

1. हर बात पर सिर्फ कमियां निकालना

कुछ माता-पिता की यह आदत बन जाती है कि वे बच्चे की किसी भी छोटी-बड़ी उपलब्धि की तारीफ करने के बजाय उसमें कोई न कोई कमी जरूर निकाल देते हैं. उदाहरण के लिए, अगर बच्चा परीक्षा में 90% अंक भी ले आए, तो पेरेंट्स का ध्यान सिर्फ उन 10% अंकों पर होता है जो कट गए. यह आदत बच्चों के मन में यह गहरी हीन भावना भर देती है कि वे चाहे जितनी भी कड़ी मेहनत कर लें, कभी अपने माता-पिता को पूरी तरह खुश नहीं कर पाएंगे. इससे उनका आत्मविश्वास अंदर तक डगमगा जाता है.

2. दूसरों के बच्चों से लगातार तुलना करना 'शर्मा जी के बेटे को देखो, उसने कैसे टॉप किया!' या 'पड़ोस वाली लड़की से कुछ सीखो.' यह वाक्य लगभग हर भारतीय घर में सुनने को मिलता है. बच्चों की तुलना उनके दोस्तों, भाई-बहनों या रिश्तेदारों से करना सबसे खतरनाक पेरेंटिंग आदतों में से एक है. हर बच्चा अपने आप में एक अलग खूबी के साथ पैदा होता है और उसकी क्षमताएं दूसरों से अलग होती हैं. बार-बार तुलना करने से बच्चों के अंदर ईर्ष्या, असुरक्षा और खुद को कमतर आंकने की भावना घर कर जाती है.

3. बच्चे की भावनाओं को नजरअंदाज करना

अक्सर पेरेंट्स बच्चों के छोटे-छोटे दुख, डर या गुस्से को यह कहकर टाल देते हैं कि 'तुम नाटक कर रहे हो' या 'इसमें रोने वाली कौन सी बात है.' बच्चों के नजरिए और उनकी भावनाओं को तवज्जो न देना उन्हें भावनात्मक रूप से अकेला कर देता है. जब बच्चे यह महसूस करते हैं कि उनके माता-पिता उनकी बात नहीं समझ रहे हैं, तो वे अपनी भावनाएं अपनों से छिपाना शुरू कर देते हैं, जिससे उनका मानसिक संतुलन और विकास प्रभावित होने लगता है।

अगरबत्ती और मच्छर भगाने वाली कॉइल का धुआं क्या बढ़ाता है कैंसर का खतरा?



घर पर अगरबत्ती जलाना या मच्छर भगाने वाली कॉइल का इस्तेमाल करना आम बात है। लेकिन क्या इनसे कैंसर का खतरा हो सकता है? आइए जानें विशेषज्ञों की राय.

घर में अगरबत्ती जलाना या मच्छर भगाने वाली कॉइल का इस्तेमाल करना आम बात है. हालांकि, सेहत से जुड़े खतरों जैसे कि इनमें इस्तेमाल होने वाली चीज़ें और धुएं निकलने वाले कणों को लेकर अक्सर चिंताएं जताई जाती हैं. एक खास चिंता यह है कि क्या लंबे समय तक इस धुएं में सांस लेने से कैंसर का खतरा बढ़ जाता है. इसका जवाब धुएं के स्रोत, इसके संपर्क में आने की मात्रा और कमरे में हवा के आने-जाने की सुविधा (वेंटिलेशन) जैसी बातों पर निर्भर करता है...

इस धुएं में क्या होता है?

जब अगरबत्ती और मच्छर भगाने वाली कॉइल जलती हैं, तो उनसे न सिर्फ़ खुशबू या धुआं निकलता है, बल्कि हवा में बहुत छोटे कण और कई तरह के केमिकल भी घुल जाते हैं. बंद कमरे में इनका इस्तेमाल करने से हवा की क्वालिटी खराब हो सकती है. धुएं के बारीक कण सांस के ज़रिए शरीर में जा सकते हैं और आंखों, नाक और गले में जलन या सांस लेने में दिक्कत पैदा कर सकते हैं.

क्या इससे कैंसर होता है?

यह कहना गलत होगा कि अगरबत्ती या मच्छर भगाने वाली कॉइल के धुएं से सीधे कैंसर होता है. हालांकि, लंबे समय तक और लगातार इस धुएं के संपर्क में रहने से चिंता हो सकती है. कुछ स्टडीज में अगरबत्ती के धुएं से निकलने वाले बारीक कणों और नुकसानदायक केमिकल से जुड़ी सेहत संबंधी दिक्कतों के बारे में बताया गया है।

राजस्थानी पितोड़ की आसान रेसिपी, मिनटों में तैयार होगा स्वादिष्ट पारंपरिक व्यंजन, जानिये बनाने का तरीका



राजस्थानी पितोड़, बेसन से बनने वाली एक पारंपरिक और स्वादिष्ट डिश है. इसे कम सामग्री में झटपट बनाया जा सकता है और रोटी, पराठे या चावल के साथ परोसा जाता है.

राजस्थान की रसोई अपने अनोखे और पारंपरिक व्यंजनों के लिए प्रसिद्ध है. उन्हीं खास व्यंजनों में से एक है पितोड़. बेसन से तैयार होने वाली यह स्वादिष्ट डिश कम सामग्री में झटपट बन जाती है और खाने में बेहद लाजवाब लगती है. पितोड़ को आप रोटी, पराठे या चावल के साथ परोस सकते हैं. अगर आप रोजाना की सब्जियों से कुछ अलग और पारंपरिक स्वाद चखना चाहते हैं, तो राजस्थानी पितोड़ एक बेहतरीन विकल्प है.

आवश्यक सामग्री

बेसन - 1 कप
दही - 1 कप
पानी - 2 कप
हल्दी - 1/2 चम्मच
लाल मिर्च पाउडर - 1/2 चम्मच
धनिया पाउडर - 1 चम्मच
नमक - स्वादानुसार
तेल - 2 बड़े चम्मच
तड़के के लिए
जीरा - 1/2 चम्मच
राई - 1/2 चम्मच
हींग - एक चुटकी
हरी मिर्च - 2 बारीक कटी हुई
अदरक - 1 चम्मच कद्दूकस की हुई
हरा धनिया - सजावट के लिए

पितोड़ बनाने की विधि

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में बेसन, दही, पानी, हल्दी, लाल मिर्च और नमक डालकर अच्छी तरह फेंट लें. ध्यान रखें कि इसमें कोई गांठ न रहे. अब इस मिश्रण को मध्यम आंच पर लगातार चलाते हुए पकाएं.

करीब 8 से 10 मिनट बाद मिश्रण गाढ़ा होने लगेगा. जब यह हलवे जैसी स्थिरता का हो जाए, तब एक थाली या प्लेट में थोड़ा तेल लगाकर चिकना कर लें. तैयार बेसन मिश्रण को प्लेट में फैलाकर एक समान मोटी परत बना दें. इसे 15 से 20 मिनट तक ठंडा होने दें.

जब मिश्रण पूरी तरह सेट हो जाए, तब इसे चौकोर या हीरे के आकार में काट लें. ये कटे हुए टुकड़े ही पितोड़ कहलाते हैं.

अब एक कड़ाही में तेल गरम करें. इसमें राई, जीरा और हींग डालकर तड़काएं. फिर अदरक और हरी मिर्च डालकर हल्का भून लें. इसके बाद पितोड़ के टुकड़े डालें और धीमी आंच पर 3 से 4 मिनट तक सुनहरा होने दें. चाहें तो इन्हें हल्का कुरकुरा भी कर सकते हैं.

अंत में ऊपर से हरा धनिया डालकर सजाएं और गरमागरम परोसें.

स्वाद बढ़ाने के टिप्स

पितोड़ में दही डालने से हल्का खट्टापन आता है, जो इसका स्वाद बढ़ा देता है.

यदि आप ग्रेवी वाली सब्जी पसंद करते हैं, तो प्याज-टमाटर की मसालेदार ग्रेवी बनाकर उसमें पितोड़ डाल सकते हैं, इसे शाम की चाय के साथ हल्के स्नैक के रूप में भी परोसा जा सकता है।

हेल्दी स्नैक का बेहतरीन विकल्प हैं मूंग दाल के चिप्स, हर बाइट में मिलेगा क्रिस्पी-क्रंची स्वाद



चाय के साथ हेल्दी और कुरकुरे स्नैक्स के लिए मूंग दाल के चिप्स एक बेहतरीन विकल्प हैं. इन्हें घर पर आसानी से बनाया जा सकता है और ये प्रोटीन से भरपूर होते हैं. तो इसे जरूर ट्राई करें.

अगर आप चाय के साथ कुछ कुरकुरा और स्वादिष्ट खाना चाहते हैं, लेकिन बाजार के तले हुए स्नैक्स खाने से भी बचना चाहते हैं, तो मूंग की दाल के हेल्दी चिप्स एक बेहतरीन विकल्प हैं. प्रोटीन और पोषक तत्वों से भरपूर मूंग दाल से बने ये चिप्स स्वाद में शानदार होने के साथ-साथ अपेक्षाकृत हेल्दी भी होते हैं. इन्हें घर पर आसानी से तैयार किया जा सकता है और बच्चे से लेकर बड़े तक सभी इन्हें बड़े चाव से खाते हैं.

बनाने की विधि

सबसे पहले मूंग की दाल को अच्छी तरह धोकर 4 से 5 घंटे के लिए पानी में भिगो दें. जब दाल अच्छी तरह फूल जाए, तो उसका पानी निकाल लें. अब मिक्सर में भीगी हुई दाल, हरी मिर्च और अदरक डालकर बारीक पीस लें।

ध्यान रखें कि घोल ज्यादा पतला न हो. तैयार मिश्रण में नमक, जीरा और लाल मिर्च पाउडर डालकर अच्छी तरह मिला लें.

इसके बाद एक प्लास्टिक शीट, बटर पेपर या साफ कपड़े पर थोड़ा तेल लगाएं. अब तैयार मिश्रण को छोटे-छोटे गोल आकार में पतला फैलाएं. इन्हें धूप में 1 से 2 दिन तक सुखाएं. यदि तेज धूप हो तो ये जल्दी सूख जाएंगे।

इस साल लड़कियों के बीच सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे 10 फैशन ट्रेंड, क्या आपने भी अपनाए?



इस साल फैशन में आरामदायक फिट के साथ स्टाइलिश डिटेलिंग पर भी जोर नजर आ रहा है. ओवरसाइज्ड शर्ट, वाइड लेग जींस, को-ऑर्ड सेट, बैले फ्लैट्स और स्टेटमेंट बैग जैसे ट्रेंड आसानी से रोजमर्रा के लुक में शामिल किए जा सकते हैं.

सुबह तैयार होते समय अक्सर सबसे बड़ा सवाल यही होता है कि आज ऐसा क्या पहनें जो आरामदायक भी हो और लुक को स्टाइलिश भी बनाए. सोशल मीडिया, सेलिब्रिटी लुक्स और स्ट्रीट स्टाइल ने कपड़ों और एक्सेसरीज को लेकर पसंद काफी बदल दी है. इस साल भी फैशन में पुराने स्टाइल की वापसी के साथ कुछ नए और दिलचस्प ट्रेंड नजर आ रहे हैं.

कॉलेज जाने वाली लड़कियों से लेकर ऑफिस और कैजुअल आउटिंग के लिए तैयार होने वालों तक, अलग-अलग मौकों पर इन स्टाइल्स को अपनाया जा रहा है. खास बात यह है कि इनमें से कई ट्रेंड ऐसे हैं जिन्हें अपनी मौजूदा वार्डरोब के कपड़ों के साथ भी आसानी से आजमाया जा सकता है.

इस साल कौन से फैशन ट्रेंड चर्चा में हैं

फैशन में हर ट्रेंड को अपनाना जरूरी नहीं होता. अपने शरीर की सहजता, मौके और व्यक्तिगत पसंद के हिसाब से कपड़े चुनना ज्यादा मायने रखता है. इस साल कई ऐसे स्टाइल देखने को मिल रहे हैं जो रोजमर्रा के लुक को थोड़ा अलग बना सकते हैं.

ढीली और आरामदायक शर्ट इस साल भी कैजुअल फैशन का हिस्सा बनी हुई है. इसे जींस, ट्राउजर या शॉर्ट्स के साथ पहना जा सकता है. सिंपल टी-शर्ट के ऊपर ओपन शर्ट पहनने से भी लेयर्ड लुक तैयार हो जाता है.

वाइड लेग जींस

स्किनी जींस के साथ-साथ वाइड लेग और रिलैक्स्ड फिट जींस की पसंद बढ़ी है. इनका ढीला सिल्हूट रोजमर्रा के लिए आरामदायक लगता है. क्रॉप टॉप, शर्ट या फिटेड टी-शर्ट के साथ इसका संतुलित लुक बनाया जा सकता है.

3. को-ऑर्ड सेट

एक जैसे टॉप और बॉटम वाले को-ऑर्ड सेट उन लोगों के लिए आसान विकल्प हैं जिन्हें तैयार होने में ज्यादा समय नहीं लगाना. प्रिंटेड सेट से लेकर सॉलिड कलर तक कई तरह के विकल्प कैजुअल आउटिंग और ट्रैवल के लिए पहने जा रहे हैं.

4. क्रॉप्ड जैकेट

छोटी लंबाई वाली जैकेट साधारण आउटफिट को भी थोड़ा स्टाइलिश बना सकती है. डेनिम, कॉटन या हल्के फैब्रिक की क्रॉप्ड जैकेट को जींस और ड्रेस दोनों के साथ स्टाइल किया जा सकता है.

5. लेयर्ड नेकलेस

एक ही नेकलेस पहनने के बजाय अलग लंबाई की पतली चेन को साथ पहनने का ट्रेंड भी पसंद किया जा रहा है. सिंपल कुर्ती, टॉप या ड्रेस के साथ यह एक्सेसरी लुक में हल्का स्टाइल स्टेटमेंट जोड़ सकती है.

6. बैले फ्लैट्स

आरामदायक और हल्के फुटवियर की पसंद में बैले फ्लैट्स फिर से नजर आ रहे हैं. इन्हें जींस, स्कर्ट, ड्रेस या ट्राउजर के साथ आसानी से पहना जा सकता है. न्यूट्रल शेड्स रोजमर्रा के कई आउटफिट के साथ चल जाते हैं.

7. बो डिटेलिंग

बालों, जूतों, टॉप और एक्सेसरीज में बो डिटेलिंग देखने को मिल रही है. बहुत ज्यादा सजावटी लुक पसंद न करने वाली लड़कियां भी छोटे बो हेयरक्लिप या रिबन के जरिए इस ट्रेंड को आजमा सकती हैं.

8. बैगी ट्राउजर

बैगी ट्राउजर का ढीला फिट स्ट्रीट स्टाइल और कैजुअल पहनावे में खूब नजर आ रहा है. इन्हें फिटेड टॉप के साथ पहनने पर आउटफिट का सिल्हूट संतुलित दिखाई देता है. स्नीकर्स या फ्लैट्स इसके साथ अच्छे लग सकते हैं.

9. पोलो कॉलर टॉप

पोलो कॉलर टॉप कैजुअल और स्मार्ट लुक के बीच अच्छा विकल्प बन सकता है. इसे डेनिम, स्कर्ट या ट्राउजर के साथ पहना जा सकता है. कॉलेज और दोस्तों के साथ बाहर जाने के लिए यह आसान स्टाइलिंग विकल्प है.

10. स्टेटमेंट बैग

बड़ा या खास डिजाइन वाला बैग पूरे आउटफिट का ध्यान अपनी ओर खींच सकता है. बोल्ड शेप, टेक्सचर या अलग रंग वाला बैग साधारण कपड़ों के साथ भी लुक को अलग बना सकता है।



हर समय परफेक्ट दिखने का दबाव? 'मिर्जापुर' एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कैसे करती हैं डील

कहा- किरदार की मांग हो तो लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में कोई दिक्कत नहीं

मुंबई । 'मिर्जापुर' फेम एक्ट्रेस हर्षिता गौर ने बताया कि वह हर समय परफेक्ट दिखने के लगातार दबाव से कैसे निपटती हैं। मीडिया से खास बातचीत में हर्षिता ने कहा कि यह पूरी तरह से व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह दबाव लेना चाहता है या अपनी असलियत में सहज रहना चाहता है। उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में, दर्शक अलग-अलग तरह के शरीर और स्किन टाइप को स्वीकार करने लगे हैं, बशर्ते वे उस किरदार के अनुकूल हों जिसे वे निभा रहे हैं।

हर्षिता ने कहा कि एक एक्टर के तौर पर अगर रोल की मांग हो तो उन्हें अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह इंडस्ट्री में होने का एक मजेदार हिस्सा है।

एक्सपेरिमेंट करना है मजेदार

उनसे पूछा गया, "शोबिज में अच्छा दिखने और कैमरे के लिए तैयार रहने का दबाव बहुत ज्यादा होता है। आपके लिए लुक कितना मायने रखता है और आप अपने लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में किस हद तक सहज हैं?"

हर्षिता ने मीडिया को बताया, "मैं एक्सपेरिमेंट करने के लिए तैयार रहती हूं, खासकर अगर किरदार की मांग हो। यह मजेदार है। हम इसी फील्ड में इसलिए हैं क्योंकि हमें एक्सपेरिमेंट करने का मौका मिलता है। वरना, हम यहां नहीं होते।"

दबाव तो होता है, लेकिन...

हर समय कैमरे के लिए तैयार रहने के दबाव से निपटने के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, "दबाव तो होता है, लेकिन आप या तो उस दबाव को ले सकते हैं या नहीं। मुझे लगता है कि यह पूरी तरह आप पर निर्भर करता है।"



> "'अगर किरदार की मांग हो तो लुक के साथ एक्सपेरिमेंट करने में कोई दिक्कत नहीं। यह इंडस्ट्री में होने का एक मजेदार हिस्सा है।"
>
> — हर्षिता गौर (अभिनेत्री)

पहले भी था सामाजिक दबाव

हर्षिता ने कहा, "एक दौर वह भी था जब न तो सोशल मीडिया का ऐसा दौर था और न ही लोग अपनी शारीरिक बनावट को लेकर इतने सचेत थे, लेकिन उस समय भी लोगों पर सामाजिक अपेक्षाओं का दबाव कम नहीं था।"

मेकअप भी नहीं करते कई एक्टर

उन्होंने आगे कहा कि ऐसे कई शो हैं जिनमें जाने-माने एक्टर मेकअप भी नहीं करते, क्योंकि किरदार की यही मांग होती है। बॉलीवुड एक्ट्रेस **करीना कपूर** का उदहरण देते हुए हर्षिता ने कहा, "करीना कपूर ने एक फिल्म की थी जिसमें उन्होंने मेकअप नहीं किया था। मुझे लगता है कि जब किरदार की मांग होती है, तो लोग खुद को वैसा ही दिखाने में ज्यादा सहज हो गए हैं जैसे वे असल में हैं।"

जब एक स्कूल ने अपनी किताबों में ऋतिक रोशन का नाम शामिल करने का प्रस्ताव रखा था



विश्व केसरी■

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन को उनके शानदार लुक्स की वजह से 'ग्रीक गॉड' का खिताब मिला है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक बार एक स्कूल ने स्टूडेंट्स की बेहतर पढ़ाई में मदद के लिए ऋतिक का नाम अपनी किताबों में शामिल करना चाहा था?

जब ऋतिक चैट शो 'कॉफी विद करण' में फिल्ममेकर और होस्ट करण जौहर से बात कर रहे थे, तो उन्होंने बताया कि एक बार जब वह कलकत्ता (अब कोलकाता) में थे, तो एक स्कूल बोर्ड ने उनसे संपर्क किया और उनकी बायोलॉजी की किताबों में उनका नाम शामिल करने का प्रस्ताव रखा।

ऋतिक ने करण जौहर को बताया, 'आपको पता है, जब मैं कलकत्ता में था, तो मुझे स्कूल बोर्ड से एक मैसेज मिला। वे बच्चों को पढ़ाने के लिए किताबों में मेरा नाम शामिल करना चाहते थे। उन्हें लगा कि इससे सीखने में मदद मिलेगी, जैसे बायोलॉजी में सवाल हों- 'ऋतिक रोशन के शरीर की सबसे लंबी हड्डी कौन सी है?' बस ऐसी बातें जिनसे बच्चों के लिए पढ़ाई थोड़ी और दिलचस्प बन सके।'

ऋतिक के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2000 में अमीषा पटेल के साथ रोमांटिक फिल्म 'कहो ना प्यार है' से बॉलीवुड में जबरदस्त एंट्री की थी।

अगले दो दशकों में उन्होंने कई फिल्मों में काम किया, जिनमें 'कोई मिल गया', 'कृष', 'लक्ष्य', 'जोधा अकबर', 'गुज़ारिश, 'ज़िंदगी ना मिलेगी दोबारा' और 'वॉर' जैसी फिल्में शामिल हैं।

अब ऋतिक अपने नए प्रोजेक्ट 'स्टॉर्म' के साथ प्रोड्यूसर के तौर पर ओटीटी की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं। इस प्रोजेक्ट में पार्वती थिरुवोथु, अलाया एफ, सृष्टि श्रीवास्तव, रामा शर्मा और सबा आजाद अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। 'स्टॉर्म' को अजीतपाल सिंह ने बनाया और डायरेक्ट किया है, जो 'टब्बर' सीरीज में अपने काम के लिए जाने जाते हैं।

इसके अलावा, ऋतिक के मशहूर फ्रैंचाइजी की अगली फिल्म 'कृष 4' में कृष्णा मेहरा का किरदार फिर से निभाने की भी उम्मीद है।

जब सलमा हायेक ने अपने पति को यकीन दिलाया कि उनका अफेयर चल रहा

विश्व केसरी■

मुंबई। क्या आप जानते हैं कि हॉलीवुड अभिनेत्री सलमा हायेक ने एक बार सिर्फ एक पिल्ला पालने के लिए अपने बिजनेसमैन पति फ्रांस्वा-हेनरी पिनॉल्ट को यह भरोसा दिला दिया था कि उनका किसी और से अफेयर चल रहा है?

उस समय उनके घर पर पहले से ही लगभग 30 जानवर थे, जिनमें कुत्ते, तोते, अल्पाका, घोड़े और बिल्लियां शामिल थीं। 'फ्रीडा' एक्ट्रेस ने अपने पति से वादा किया था कि वह घर पर और कोई जानवर नहीं लाएंगी।

लेकिन, जब वह बुल्गारिया में शूटिंग कर रही थीं, तो उन्हें रास्ते में एक छोटा सा बेसहारा पिल्ला मिला और सलमा का दिल उसे वहीं छोड़ने को नहीं माना।

हालांकि, उन्होंने अपने पति को मनाने का एक चालाक तरीका निकाला। उन्होंने तय किया कि वह उन्हें यकीन दिलाएंगी कि उनका अफेयर चल रहा है और जब उन्हें सबसे बुरा शक हो जाएगा, तब वह उन्हें सच बता देंगी।

'द टुनाइट शो स्टारिंग जिमी फैलन' में सलमा हायेक ने इस मजेदार घटना के बारे में अपने शब्दों में बताया, 'मेरे पति ने मुझे चेतावनी दी थी कि 'और नहीं, अब और कुत्ते नहीं', इसलिए मैंने वादा किया था। मैंने सोचा, 'मैं उन्हें यकीन दिलाऊंगी कि मेरा अफेयर चल रहा है और आखिर में मैंने उन्हें बताया कि यह कोई अफेयर नहीं है। उन्होंने उन्हें फोन करके कहा, 'हमें बात करनी है', ऐसी बात वह कभी नहीं करतीं, जिससे उनके पति बहुत डर गए।

जब सलमा हायेक के पति ने उन्हें फोन किया, तो उन्होंने उनसे कहा, 'सुनिए, यह खबर बताते हुए मेरा दिल टूट रहा है, क्योंकि मुझे पता है कि मैं आपको निराश करने वाली हूं। इतनी हिम्मत जुटाना मेरे लिए बहुत मुश्किल था, लेकिन अब मैं और बर्दाश्त नहीं कर सकती। मुझे आपको बताना ही होगा और आपको बस यह समझना होगा कि मैं यहां कितना ज्यादा काम कर रही हूं।



रणवीर-दीपिका को दूसरी बेटी के जन्म पर लगा बधाइयों का तांता, आदित्य धर ने कहा- पहले लक्ष्मी, अब सरस्वती



विश्व केसरी■

मुंबई। बॉलीवुड कपल रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने शनिवार को अपने दूसरे बच्चे का स्वागत किया। जैसे ही यह खुशी की खबर आई कि वे दूसरी बेटी के माता-पिता बन गए हैं, चारों तरफ से उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं मिलने लगीं।

हालांकि, रणवीर की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' के डायरेक्टर आदित्य धर का कमेंट सबसे खास रहा। फिल्ममेकर ने कहा, 'पहले लक्ष्मी आईं, अब सरस्वती भी आ गईं!! आप लोगों के लिए बहुत-बहुत खुशी है। परिवार में एक और नन्ही परी आ गई है। भगवान उसे दुनिया का सारा प्यार और खुशियां दें।'

19 सितंबर को रणवीर और दीपिका ने सोशल मीडिया पर एक संयुक्त पोस्ट के जरिए खुशी-खुशी यह खबर शेयर की। इस पोस्ट में बच्चे के छोटे से पैरों के निशान के साथ लिखा था, 'बेबी गर्ल का स्वागत है...19/9/2026...दुआ, दीपिका, रणवीर'।

नए माता-पिता को उनकी इस नई यात्रा के लिए बधाई देते हुए एक्टर विक्की कौशल ने कमेंट किया, 'भगवान का आशीर्वाद बना रहे! बधाई हो।'

आलिया भट्ट ने रेड हार्ट, बुरी नजर से बचाने वाले इमोजी, सूरज और डांस वाले इमोजी के साथ अपनी खुशी जाहिर की।

कृति सेनन ने लिखा, 'अरे वाह!! आप दोनों को बधाई!!! (रेड हार्ट इमोजी)। दुआ को एक छोटी बहन मिल गई!!! यह सच में एक आशीर्वाद है।'

दिग्गज एक्टर अनिल कपूर ने लिखा, 'बधाई हो, बेटियां सबसे अच्छी होती हैं।'

एक्टर रितेश देशमुख ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'बहुत अच्छी खबर है... बहुत-बहुत बधाई!!!!!! दुआ और दुआ की छोटी बहन को ढेर सारा प्यार।'

सोनम कपूर ने लिखा, 'क्या शानदार खबर है... बधाई हो।'

आयुष्मान खुराना ने कहा, 'ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद।'

डिलीवरी से एक दिन पहले शुक्रवार को रणवीर और दीपिका मुंबई के सिद्धिविनायक मंदिर में आशीर्वाद लेते हुए दिखे। इस कपल ने अपनी बड़ी बेटी दुआ के जन्म से ठीक पहले भी इसी मशहूर मंदिर में पूजा-अर्चना की थी।

दीपिका और रणवीर ने इस साल अप्रैल में अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की घोषणा की थी। उन्होंने अपनी बेटी दुआ की एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें वह प्रेग्नेंसी टेस्ट किट पकड़े हुए थी, जिसका रिजल्ट पॉजिटिव था।

ट्रंपेट बजाते दिखे 'उड़ान' फेम रोनित बोस, बोले-'फिर से प्रैक्टिस शुरू करनी होगी'

विश्व केसरी■

मुंबई। कई तरह के रोल करने वाले एक्टर रोनित बोस ने अपने इंस्टाग्राम फ़ैमिली के साथ एक पुराना वीडियो शेयर किया, जिसमें वह ट्रम्पेट बजाते हुए नज़र आ रहे हैं। वीडियो में रोनित 1974 में आई फिल्म 'अजनबी' का सुपरहिट गाना 'भीगी-भीगी रातों में' ट्रंपेट पर बजा रहे हैं। किशोर कुमार और लता मंगेशकर द्वारा गाया गया यह गीत राजेश खन्ना और जीनत अमान पर फिल्माया गया था, जिसके संगीतकार आर.डी. बर्मन और गीतकार आनंद बख्शी थे।

रविवार को 'उड़ान' एक्टर ने एक क्लिप शेयर की, जिसमें वे 1974 में रिलीज़ हुई फ़िल्म 'अजनबी' का गाना 'भीगी-भीगी रातों में' बजाते हुए दिखे। मशहूर सिंगर किशोर कुमार और लता मंगेशकर के साथ इस गाने को लीड एक्टर्स राजेश खन्ना और ज़ीनत अमान पर फ़िल्माया गया था। इस गाने का म्यूज़िक आर.डी. बर्मन ने दिया था और इसके बोल आनंद बख्शी ने लिखे थे। कैप्शन में रोनित ने बताया कि यह वीडियो पुराना है और साथ ही उन्होंने फिर से ट्रम्पेट बजाने की प्रैक्टिस शुरू करने की इच्छा भी ज़ाहिर की।

पोस्ट के कैप्शन में लिखा था, 'बहुत पुरानी यादें! फिर से प्रैक्टिस शुरू करनी होगी। है ना?' 'अगली' फ़िल्म के एक्टर की बात से सहमत होते हुए, यूज़र्स ने कमेंट सेक्शन में उनके हुनर ??की तारीफ़ की। एक यूज़र ने लिखा, 'यह सच में बहुत बढ़िया है, रोनित! आपको इसे जारी रखना चाहिए और आगे बढ़ते रहना चाहिए।

प्रतीभा रांटा ने 'द रेवोल्यूशनरीज' में अपने किरदार को लेकर की बात, कहा- 'जिज्ञासु थी प्रतिभा लाहिड़ी और पढ़ने की थी शौकीन'

विश्व केसरी■

मुंबई। 'द रेवोल्यूशनरीज़' में स्वतंत्रता सेनानी प्रतिभा लाहिड़ी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा ने सीरीज में अपने किरदार के बारे में जानकारी दी है।

अभिनेत्री ने मुंबई में शो के प्रमोशन के दौरान मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उनके साथ निखिल आडवाणी, भुवन बाम, रोहित सराफ और गुरफतेह पीरजादा भी मौजूद थे।

प्रतीभा रांटा ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'हमें सार्वजनिक तौर पर प्रतिभा लाहिड़ी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं मिलती है और यही बात निखिल सर ने भी मुझसे कही थी, जब हम प्रतिभा लाहिड़ी के बारे में चर्चा किया करते थे। जब चंद्रशेखर आजाद अंग्रेजों से लड़ रहे थे, तब उनकी बंदूक में एक आखिरी गोली बची थी। उसी समय उन्होंने खुद को गोली मार ली, ताकि अंग्रेज उन्हें पकड़कर मुठभेड़ में न मार सकें। इसके बाद प्रतिभा लाहिड़ी ने उनके अस्थि-अवशेषों की राख युवा क्रांतिकारियों के माथे पर लगाई थी। अब आप ऐसे व्यक्ति के बारे में सोचिए, जो यह समझने में सक्षम हो कि यह एक युवा पीढ़ी है।'



उन्होंने आगे कहा, 'उन्हें यह बताना जरूरी था कि देश को आजादी दिलाने के लिए किस तरह का बलिदान दिया जा रहा है। यह सुनिश्चित करना कि उस संदेश को आगे पहुंचाया जाए। तो जब वह 17 साल की रही होंगी, तब वह कैसी रही होंगी? उस समय उन्हें किन सामाजिक मानदंडों से लड़ना पड़ता होगा? वह दुनिया को किस नजरिए से देखती होंगी? मेरे लिए प्रतिभा लाहिड़ी एक जिज्ञासु लड़की थीं। वह अपने आसपास हो रही हर चीज के बारे में जानना चाहती थीं।'

अभिनेत्री ने आगे बताया, 'वह पढ़ने की बहुत शौकीन थीं। उनकी पढ़ाई में भी काफी दिलचस्पी थी। दरअसल, प्रतिभा और सचिंद्र नाथ सान्याल के बीच जिन पत्रों का आदान-प्रदान हुआ था, उन सभी को वह हल कर लेती थीं, क्योंकि वह बहुत होशियार और तेज-तर्रार थीं। वह कोडेड पत्रों को समझ लेती थीं। यह वाकई बिल्कुल अद्भुत था।'

'द रेवोल्यूशनरीज' चार स्वतंत्रता सेनानियों रास बिहारी बोस, प्रतिभा लाहिड़ी, सचिंद्र नाथ सान्याल और बाघा जतिन की कहानी है, जिन्होंने ब्रिटिश राज के खिलाफ मोर्चा संभाला था। यह सीरीज सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और भारत के स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि पर आधारित है। सीरीज में रोहित सराफ, प्रतीभा रांटा, गुरफतेह पीरजादा और जेसन शाह भी अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

जापानी लॉ मेकर्स ने बेंगलुरु में इसरो और आईआईएससी का किया दौरा, भारत-जापान साझेदारी को मिलेगी मजबूती

विश्व केसरी■



बेंगलुरु। जापानी लॉ मेकर्स के एक प्रतिनिधिमंडल ने भारत-जापान विजिट प्रोग्राम के तहत बेंगलुरु में भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) का दौरा किया।

जापान में भारतीय दूतावास ने रविवार को बताया कि यह दौरा दोनों देशों के बीच चल रहे गहरे सहयोग और भविष्य की संभावनाओं को दिखाता है।

भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर लिखा, 'यह भारत-जापान विजिट प्रोग्राम बेंगलुरु से शुरू हुआ, जहां लॉ मेकर्स ने भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का दौरा किया। एआई, तकनीक, अंतरिक्ष, रक्षा और स्टार्टअप के क्षेत्र में भारत-जापान सहयोग दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक वैश्विक साझेदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू है और यह आदान-प्रदान चल रहे सहयोग की गहराई और भविष्य की संभावनाओं को दर्शाता है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने भी 'एक्स' पर पोस्ट करके इस दौरे की जानकारी दी। बीईएल ने लिखा, 'जापान के पूर्व विदेश मंत्री और पूर्व रक्षा मंत्री तारो कोनो के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जापानी संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने 19 सितंबर 2026 को बीईएल बेंगलुरु कॉम्प्लेक्स का दौरा किया। यह दौरा भारत के विदेश मंत्रालय द्वारा विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम (डीवीपी) के तहत समन्वित किया गया था।'

भारत का दौरा करने वाले जापानी लॉ मेकर्स में तारो कोनो, करेन मकिशिमा, केंजी नाकानिशी और साको यामामोटो शामिल हैं।

भारतीय दूतावास ने बताया, 'भारत-जापान विजिट प्रोग्राम के तहत, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी के जापानी लॉ मेकर्स, जिनमें प्रतिनिधि तारो कोनो, प्रतिनिधि करेन मकिशिमा, प्रतिनिधि केंजी नाकानिशी और प्रतिनिधि साको यामामोटो शामिल हैं, इस हफ्ते भारत का दौरा कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सांसदों को भारत में नवीनतम विकास के बारे में जानकारी देना, उन्हें स्थानीय स्थिति का प्रत्यक्ष अनुभव कराना और संबंधित हितधारकों के साथ सीधे बातचीत के अवसर प्रदान करना है।'

पिछले महीने जापान के रक्षा मंत्री शिंजीरो कोइजुमी भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए थे, इस दौरान उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह के साथ बातचीत की थी।

दक्षिण कोरिया चिकित्सा सामग्री भेजना चाहता है प्योंगयांग

विश्व केसरी■



सोल। उत्तर कोरिया मानवीय सहायता के तहत प्योंगयांग के एक अस्पताल को 1,400 से ज्यादा चिकित्सा उपकरण और अन्य जरूरी सामान भेजना चाहता है। वो तैयार है, लेकिन प्योंगयांग से बातचीत ठप है और ऐसे में मेडिकल सामान भेजना टेढ़ी खीर है। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने इसके लिए 166 श्रेणियों में कुल 1,431 चिकित्सा वस्तुओं की सूची तैयार की है।

योनहाप न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, इन चिकित्सा सामग्रियों का इस्तेमाल मरीजों की जांच, सर्जरी और इलाज के लिए किया जाएगा। सूची में एक्स-रे मशीन, स्टेथोस्कोप और ब्लड प्रेशर मॉनिटर जैसे जांच उपकरणों के अलावा ऑपरेशन टेबल तथा सर्जरी और उपचार में इस्तेमाल होने वाले अन्य चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। इनमें ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर यानी एईडी भी शामिल हैं।

दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय के अनुसार, इस सहायता पैकेज को कोरिया फाउंडेशन फॉर इंटरनेशनल हेल्थकेयर और चिकित्सा विशेषज्ञों के साथ सलाह-मशविरा करके तैयार किया गया है। इन उपकरणों की अनुमानित लागत करीब 6.75 मिलियन डॉलर है। इस चिकित्सा सहायता को उत्तर कोरिया तक पहुंचाने के लिए मई में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की उत्तर कोरिया प्रतिबंध समिति से प्रतिबंधों में छूट भी मिल चुकी है। हालांकि, सहायता भेजने की प्रक्रिया अभी उत्तर कोरियाई पक्ष के साथ बातचीत पर निर्भर है और जरूरत के मुताबिक सामान की सूची में बदलाव भी किया जा सकता है।

यह पहल ऐसे समय में सामने आई है जब सोल और प्योंगयांग के बीच संबंधों में तनाव बना हुआ है और दोनों देशों के बीच संवाद तथा आदान-प्रदान के चैनल लगभग निष्क्रिय हैं।

संक्षिप्त खबर

यमन के हूती विद्रोहियों ने रियाद और यानबू को बनाया निशाना

विश्व केसरी■



रियाद/सना। यमन के हूती समूह ने कहा है कि उसने सऊदी अरब की राजधानी रियाद और लाल सागर के तट पर स्थित बड़े औद्योगिक और ऊर्जा केंद्र यानबू को निशाना बनाकर बड़े पैमाने पर हमले किए हैं। इसे दोनों पक्षों के बीच टकराव और अधिक बढ़ने की आशंका हो गई है। हूती के नियंत्रण वाले अल-मसीरा टीवी पर जारी एक बयान में हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सारि?या ने कहा कि इन हमलों में 'बड़ी संख्या में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन' का इस्तेमाल किया गया। सारिया के मुताबिक, पहले ऑपरेशन में रियाद के उन ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिन्हें उन्होंने 'संवेदनशील ठिकाने' बताया। दूसरे ऑपरेशन में यानबू में सऊदी तेल कंपनी अरामको की एक फैसिलिटी पर हमला किया गया। सारिया ने दावा किया कि? दोनों ऑपरेशन सफल रहे। उन्होंने कहा कि जिन जगहों को निशाना बनाया गया, वहां भीषण आग लग गई। हूती का यह बयान शनिवार को रियाद में दो बार धमाकों की आवाज सुनाई देने के बाद आया। दूसरी घटना के बाद राजधानी के उत्तर-पूर्वी हिस्से में स्थित किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ उड़ानों में देरी भी हुई। सऊदी अधिकारियों ने इससे पहले रियाद के लिए हवाई हमले के खतरे का अलर्ट जारी किया था।

ऑस्ट्रेलिया में महिला और तीन मासूमों को चाकू से गोदा, एक की मौत

विश्व केसरी■



सिडनी। न्यू साउथ वेल्स में एक जाने-माने टूरिस्ट स्पॉट के पास रविवार को एक महिला और तीन बच्चे खून से लथपथ मिले। इनमें से एक बच्चे की मौत हो गई, वहीं दो बच्चों और महिला की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक इनको चाकू से गोदा गया था। मामला ब्लू माउंटेन्स का है। एनएसडब्ल्यू पुलिस के अनुसार, रविवार को दोपहर 12:45 बजे सूचना मिलने के बाद, इमरजेंसी सर्विस को स्प्रिंगवुड के पास वैली हाइट्स में वाराताह रोड पर एक कार के अंदर तीन बच्चे और एक महिला लहूलुहान मिले। बच्चों में से एक की पहले ही मौत हो चुकी थी। माना जा रहा है कि सभी बच्चे पांच साल से कम उम्र के हैं और महिला 40 साल से ऊपर की है। पुलिस के अनुसार, छोटे बच्चों का इलाज वेस्टमीड चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल में किया जा रहा है और महिला का इलाज वेस्टमीड हॉस्पिटल में हो रहा है। हत्या की वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। पुलिस को राहगीरों ने 'ट्रिपल जीरो' पर कॉल किया और एम्बुलेंस आने तक उन लोगों ने ही बच्चों और महिला को प्राथमिक उपचार दिया गया। घटनास्थल की घेराबंदी कर दी गई। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने लोगों से अपील की है कि अगर किसी के पास घटना से संबंधित कोई भी जानकारी है तो उसे साझा करें। पुलिस ने ये भी कहा है कि क्राइम सीन के वक्त मौजूद अगर किसी भी शख्स के पास डैशकैम या फोन फुटेज है, तो वे स्प्रिंगवुड पुलिस स्टेशन से संपर्क कर सकते हैं।

कैलिफोर्निया में चुनावी रिकॉर्ड जब्त करना अब गंभीर अपराध, मध्यावधि चुनावों से पहले नए विधेयकों को मंजूरी

विश्व केसरी■



लॉस एंजिल्स। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों की निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 13 नए विधेयकों को मंजूरी दी है। इनका उद्देश्य मतपत्रों की सुरक्षा करना, डाक के जरिए होने वाली वोटिंग में बाधा रोकना, चुनावी रिकॉर्ड और वोटिंग मशीनों से छेड़छाड़ रोकना, चुनाव से जुड़े डेटा को सुरक्षित रखना और किसी भी तरह के दबाव, धमकी या गैरकानूनी हस्तक्षेप को रोकना होगा।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव राष्ट्रपति चुनावों के बीच आयोजित किए जाते हैं। चुनावी प्रक्रियाओं का संचालन मुख्य रूप से राज्यों के कानूनों के तहत होता है, जबकि संघीय कानून देशभर के लिए कुछ मानक निर्धारित करते हैं।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, नए कानूनों में शामिल असेंबली बिल 282 के तहत चुनाव परिणामों के आधिकारिक प्रमाणन से पहले मतपत्रों, चुनावी रिकॉर्ड या प्रमाणित मतदान तकनीक को जब्त करना फेलोनी (गंभीर अपराध) माना जाएगा। वहीं सीनेट बिल 259 किसी अधिकारी या प्रभावशाली पद पर बैठे व्यक्ति द्वारा किसी को डाक मतपत्र की डिलीवरी या उसे वापस भेजने की प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने के निर्देश देने को भी फेलोनी अपराध घोषित करता है।

इसके अलावा, असेंबली बिल 1664 स्थानीय एजेंसियों और चुनाव अधिकारियों को यह अनिवार्य करता है कि चुनावी रिकॉर्ड या प्रमाणित मतदान तकनीक से जुड़े किसी भी निर्दिष्ट कानून-प्रवर्तन कार्रवाई की जानकारी वे तुरंत राज्य प्रशासन को दें।

यह विधायी कदम कैलिफोर्निया और ट्रंप प्रशासन के बीच संघीय चुनावी नीतियों को लेकर चल रहे विवाद के बीच उठाया गया है। मार्च में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश जारी कर संघीय एजेंसियों को मतदान आयु के सत्यापित नागरिकों की सूची राज्यों को उपलब्ध कराने और डाक मतपत्रों से संबंधित नए मानकों पर नियम बनाने का निर्देश दिया था।

उत्तर कोरिया ने दागी संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल: जापान अलर्ट

विश्व केसरी■



सोल। उत्तर कोरिया ने रविवार को एक बार फिर ईस्ट सी की ओर 'संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल' दागी। दक्षिण कोरिया और जापान ने इसकी पुष्टि की है। जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अलर्ट जारी करते हुए कहा कि उत्तर कोरिया ने संदिग्ध बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च की है और इससे जुड़ी अतिरिक्त जानकारी जुटाई जा रही है।

जापान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक मिसाइल समुद्र में गिर गई। जापानी मीडिया ने बताया कि इसका संभावित गिरने का स्थान जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के बाहर था। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने भी कहा कि उत्तर कोरिया ने पूर्वी समुद्र की ओर एक अज्ञात प्रोजेक्टाइल दागा। शुरुआती तौर पर मिसाइल की सटीक दूरी, ऊंचाई और उड़ान पथ की जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई थी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने प्रक्षेपण के बाद एक बयान जारी किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसे साझा किया गया। बयान के अनुसार, अधिकारियों से उत्तर कोरिया की गतिविधियों पर नजर रखने और संभावित अतिरिक्त प्रक्षेपणों के लिए तैयार रहने को कहा गया। संबंधित अधिकारियों को सूचना जुटाने और उसका विश्लेषण करने के साथ-साथ विमान और जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। प्रधानमंत्री कार्यालय ने आपात स्थिति के लिए तैयार रहने और जनता को समय पर उचित जानकारी उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

बाद की रिपोर्टों में दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने इसे कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल बताया और कहा कि प्रक्षेपण उत्तर कोरिया के पूर्वी तट के वॉनसान क्षेत्र से हुआ था।

पाकिस्तान की फ्यूल रिलीफ स्कीम में अहम बदलाव, सस्ता पेट्रोल लेने के लिए मिलेंगे 2000 रुपए के चार टोकन

विश्व केसरी■



इस्लामाबाद। पाकिस्तान में बढ़ती महंगाई के बीच सरकार ने लोगों को बड़ी राहत देते हुए प्रधानमंत्री फ्यूल रिलीफ स्कीम में कई बदलाव किए हैं। साथ ही एसएमएस शुल्क भी खत्म कर दिया है। प्रधानमंत्री फ्यूल रिलीफ स्कीम का उद्देश्य पेट्रोल की बढ़ती कीमतों से प्रभावित लोगों को आर्थिक सहायता देना है। शुरुआत में इस योजना के तहत पात्र मोटरसाइकिल, रिक्शा और छोटी कारों के मालिकों को सीमित मात्रा में पेट्रोल पर 100 पाकिस्तानी रुपए प्रति लीटर की राहत दी जाती है। दो और तीन पहिया वाहनों के लिए राहत की सीमा 20 लीटर प्रतिमाह है, जबकि 800 सीसी तक की कारों के लिए यह 30 लीटर प्रतिमाह है।

पाकिस्तान के प्रमुख समाचार पत्र 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने शनिवार को इन बदलावों का ऐलान किया। मीडिया ब्रीफिंग में आईटी और टेलीकम्युनिकेशन मंत्री शाजा फातिमा ख्वाजा ने बताया कि दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए प्रति टोकन 500 रुपए की राहत सीमा को समाप्त कर दिया गया है।

दोपहिया और तिपहिया वाहन उपयोगकर्ता अब हर महीने चार टोकन प्राप्त कर सकेंगे। प्रत्येक टोकन पर 500 रुपए की राहत मिलेगी। उदाहरण देते हुए मंत्री ने कहा कि यदि दो लीटर पेट्रोल की कीमत 780 रुपए है, तो 500 रुपए के राहत टोकन का उपयोग करने के बाद लाभार्थी को केवल 280 रुपए का भुगतान करना होगा।

इसके साथ ही स्कीम में एक और बड़ा बदलाव एसएमएस शुल्क पूरी तरह खत्म करना है। अब एसएमएस सभी के लिए मुफ्त होगा, चाहे किसी के पास 800 सीसी की कार हो या फिर दो या तीन पहिया वाहन।

उनके अनुसार, शनिवार को दोपहर 3 बजे तक इस योजना के तहत 17.5 लाख से अधिक लोगों ने पंजीकरण करा लिया है।

बातचीत का रास्ता खुला लेकिन समय आने पर पूरी सैन्य ताकत से देंगे 'जवाब' : गालिबाफ

विश्व केसरी■



तेहरान। अमेरिका के साथ करीब सात महीने से जारी युद्ध के बीच ईरान ने एक ओर बातचीत का रास्ता खुला रखने का संकेत दिया है, तो दूसरी ओर सैन्य कार्रवाई के लिए अपनी तैयारी भी स्पष्ट कर दी है। रविवार को ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने ये बातें कही।

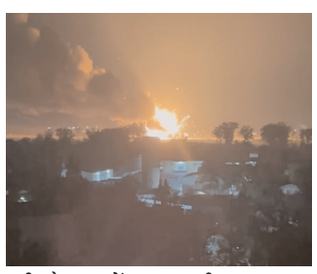
तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार, गालिबाफ ने कहा कि मौजूदा स्थिति में ईरान को 'लड़ना भी है और बातचीत भी करनी है' और निर्णायक समय आने पर अपनी पूरी सैन्य ताकत के साथ दुश्मन को पीछे धकेलते हुए उसे 'भयंकर झटके' देने होंगे।

संसदीय सत्र को संबोधित करते हुए कहा, 'जब युद्ध के मैदान में महत्वपूर्ण सफलता हासिल हो जाए और दुश्मन कमजोर स्थिति में पहुंच जाए, तब कूटनीति के जरिए इन सैन्य उपलब्धियों को मजबूत किया जाना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'बातचीत को लेकर ईरान की स्थिति पूरी तरह स्पष्ट, तार्किक और अपरिवर्तनीय है। अमेरिका द्वारा अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा किए जाने तक होर्मुज खुलने की संभावना नहीं है।' इससे पहले भी ईरानी अधिकारियों ने कहा है कि जलडमरूमध्य को खोलने का फैसला अमेरिकी कदमों और तेहरान की शर्तों की पूर्ति से जुड़ा होगा। ईरान का यह रुख ऐसे समय सामने आया है जब कतर और पाकिस्तान के मध्यस्थों के जरिए तेहरान और वाशिंगटन के बीच बातचीत दोबारा शुरू कराने की कोशिशें चल रही हैं। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, अमेरिका के साथ किसी औपचारिक बातचीत की शुरुआत से पहले तेहरान ने सात शर्तें रखी हैं। इन सभी शर्तों को सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन ईरान की प्रमुख मांगों में युद्ध समाप्त करना, फ्रीज ईरानी फंड को जारी करना और अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना शामिल बताया गया है।

रूसी हमलों के जवाब में यूक्रेन की कार्रवाई, तेल संयंत्र और लॉजिस्टिक्स ठिकानों को बनाया निशाना

विश्व केसरी■



मॉस्को। रूसी हमलों के जवाब में यूक्रेन ने भी जवाबी कार्रवाई को अंजाम दिया। यूक्रेन रक्षा मंत्रालय ने बताया कि यूक्रेन ने जवाबी कार्रवाई में लंबी दूरी तक निशाना साधने वाली मिसाइलों का इस्तेमाल कर रूस के प्रमुख तेल उद्योग संयंत्र और लॉजिस्टिक्स ठिकाने को निशाना बनाया।

मंत्रालय ने बताया कि ये वहीं ठिकाने हैं जो रूस को युद्ध जारी रखने में मदद करती हैं। यहां से होने वाली अरबों की कमाई का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में किया जाता है।

रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'कल रात मॉस्को क्षेत्र में हमारे लंबी दूरी के हमलों का काफी बड़ा असर हुआ। रूस के तेल उद्योग के एक अहम ठिकाने और हमलावर देश के एक लॉजिस्टिक्स ठिकाने को निशाना बनाया गया। ये ऐसे ठिकाने हैं, जिनसे अरबों डॉलर की कमाई होती है और उसी पैसे से युद्ध की मशीनरी चलती है।''

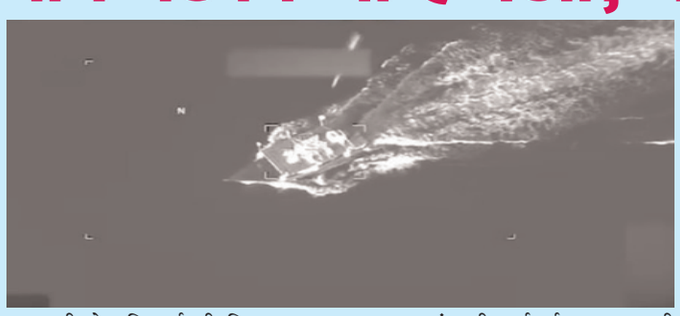
मंत्रालय ने बताया कि इन हमलों में एफपी-1, आरजेड-100, मीच-2000, पालियानित्सिया, वेंडेटा, ल्युटी, बार्स, फ्लेमिंगो, सिचेन और पेलिकन सिस्टम का इस्तेमाल किया गया।

मंत्रालय ने सफल कार्रवाई के लिए जवानों को धन्यवाद दिया। इसमें यूक्रेन की सुरक्षा सेवा ने अनमैन्ड सिस्टम्स फोर्सेज, स्पेशल ऑपरेशंस फोर्सेज, यूक्रेन की डिफेंस इंटेलिजेंस और फॉरेन इंटेलिजेंस सर्विस के साथ मिलकर काम किया। वोरोनेझ क्षेत्र में एक ठिकाने पर पाबंदियां भी लगाई गईं।

यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि? मॉस्को को अपना यह क्रूर युद्ध खत्म करना चाहिए और दूसरे इलाकों की कीमत पर हवाई सुरक्षा की कई परतें खड़ी करने के बजाय शांति का रास्ता चुनना चाहिए।

कैरेबियन क्षेत्र में अमेरिकी सेना ने ड्रग्स तस्करी में शामिल नाव पर किया हमला, चार की मौत

विश्व केसरी■



वॉशिंगटन। अमेरिकी सेना ने ड्रग्स की तस्करी मामले में इस बार कैरेबियन क्षेत्र में कार्रवाई को अंजाम दिया। अमेरिकी साउथ कमांड (साउथकॉम) के निर्देश पर फोर्स ने तस्करी में शामि?ल एक नाव को निशान बनाया। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई।

साउथकॉम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''शनिवार को जॉइंट टास्क फोर्स वेस्टर्न हेमिस्फियर ने कैरेबियन क्षेत्र में ड्रग्स की तस्करी के लिए इस्तेमाल होने वाले तय रास्तों पर चल रही एक तेज रफ्तार नाव पर सैन्य हमला किया।'' अमेरिकी साउथ कमांड के बयान अनुसार, खुफिया जानकारी से पुष्टि हुई थी कि यह नाव ड्रग्स की तस्करी में सक्रिय रूप से शामिल थी। इस कार्रवाई में चार लोगों की मौत हुई, जिन्हें बयान में 'नार्को-टेररिस्ट' यानी ड्रग्स की तस्करी से जुड़े आतंकवादी बताया गया है।

ड्रग तस्करी को लेकर अमेरिकी साउथ कमांड की कार्रवाई लगातार जारी है। इससे पहले बुधवार को भी अमेरिकी साउथ कमांड (साउथकॉम) के निर्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स वेस्टर्न हेमिस्फियर (जेटीएफ-डब्ल्यूएचईएम) की टीम ने फ्लोटिंग रिफ्यूलिंग स्टेशन पर कार्रवाई की थी । साउथकॉम ने बताया, ''बुधवार को साउथकॉम के निर्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स वेस्टर्न हेमिस्फियर (जेटीएफ-डब्ल्यूएचईएम) की टीम ने पूर्वी प्रशांत महासागर में समुद्री ड्रग तस्करी में इस्तेमाल हो रहे एक तैरते हुए ईंधन आपूर्ति केंद्र (फ्लोटिंग रिफ्यूलिंग स्टेशन) को सफलतापूर्वक रोक लिया।''

उससे पहले मंगलवार को भी अमेरिकी साउथ कमांड (साउथकॉम) ने पूर्वी प्रशांत महासागर में नशा तस्करी के खिलाफ एक और कार्रवाई को अंजाम दिया। साउथकॉम के नि?र्देश पर जॉइंट टास्क फोर्स वेस्टर्न हेमिस्फियर (जेटीएफ-डब्ल्यूएचईएम) की टीम ने फ्लोटिंग रिफ्यूलिंग स्टेशन को डुबो दिया।

भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 114 रन से हराया, फाइनल में श्रीलंका से सामना



विश्व केसरी ■

निशिन। एशियन गेम्स 2026 के महिला क्रिकेट इवेंट में महिला एशिया कप 2026 की पुनरावृत्ति हो गई है। महिला एशिया कप 2026 की तरह ही एशियन गेम्स 2026 महिला क्रिकेट का फाइनल मुकाबला भारतीय टीम और श्रीलंका के बीच होगा। रविवार को खेले गए दूसरे सेमीफाइनल में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 114 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई।

कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था। टीम इंडिया ने सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के विस्फोटक शतक की बदौलत 4 विकेट पर 195 रन बनाए थे। शेफाली ने मात्र 49 गेंदों पर शतक लगाया। यह उनके अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का पहला शतक था।

शेफाली ने 49 गेंदों पर 9 छक्कों और 3 चौकों की मदद से नाबाद 100 रन की पारी खेली। इस शतक के साथ ही शेफाली ने मंधाना के सबसे तेज टी20 शतक के भारतीय महिला क्रिकेटर के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। मंधाना ने 2018 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 49 गेंदों में ही शतक लगाया था।

शेफाली के अलावा, स्मृति मंधाना ने 19 गेंदों पर 2 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 37 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 33 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 40 रन की पारी खेली।

बांग्लादेश के लिए मारूफा अख्तर, संजीदा अख्तर, राबिया खान और नाहिदा अख्तर ने 1-1 विकेट लिए।

196 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश की पूरी टीम 15.4 ओवर में 81 रन पर सिमट गई। सर्वाधिक 24 रन ओपनर दिलारा अख्तर ने बनाए।

भारतीय टीम की तरफ से नंदिनी शर्मा और दीप्ति शर्मा ने 3-3 विकेट लिए। श्री चरणी को 2 विकेट मिला। क्रांति गौड़ और श्रेयांका पाटिल ने 1-1 विकेट लिए। भारतीय क्रिकेट टीम श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मुकाबला खेलेगी। फाइनल मंगलवार को भारतीय समयानुसार सुबह 10:30 से खेला जाएगा। श्रीलंका ने रविवार को खेले गए पहले सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया था।

एशियन गेम्स 2026 में महिला क्रिकेट में कांस्य पदक के लिए पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच मुकाबला होगा। ये मुकाबला भी मंगलवार को भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 से खेला जाएगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने उज्बेकिस्तान को 19-0 से हराया



विश्व केसरी ■

काकामिगाहारा। भारतीय महिला हॉकी टीम ने रविवार को गिफू प्रीफेचुरल ग्रीन स्टेडियम में अपने पूल बी के पहले मैच में उज्बेकिस्तान पर 19-0 से रौंदकर एशियन गेम्स 2026 में अपने सफर की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की।

भारतीय टीम की जीत में सबसे बड़ी स्टार बनकर दीपिका उभरीं। दीपिका ने 8 गोल किए। इसके अलावा, इशिका ने 3, लालथंतलुआंगी और नेहा ने 2-2 गोल किए। बलजीत कौर, नवनीत कौर, लालरेमसियामी और साक्षी राणा ने 1-1 गोल किया। दीपिका की हैट्रिक की बदौलत भारतीय महिला टीम ने जोरदार प्रदर्शन किया, और हाफ-टाइम तक वे उज्बेकिस्तान के खिलाफ 8-0 से आगे थीं। ब्रेक के बाद, भारत उज्बेकिस्तान को गोल करने का कोई मौका नहीं देने के मूड में नहीं लग रहा था, और दीपिका एक बार फिर अपने सबसे अच्छे फॉर्म में थीं, उन्होंने लगातार चार गोल करके भारत की बढ़त को 13-0 कर दिया।

फिर इशिका, ललथंतलुआंगी, साक्षी और नवनीत भी टीम में शामिल हुईं, उन्होंने उज्बेकिस्तान की सारी उम्मीदें खत्म कर दीं और 19-0 से जबरदस्त जीत हासिल करके अपने कैंपेन की शानदार शुरुआत की। उज्बेकिस्तान के साथ यह मुकाबला सविता पुनिया का 320वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला था। वह वंदना कटारिया के साथ सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली भारतीय महिला हॉकी खिलाड़ी बन गईं। बलजीत के करियर का यह 50वां मुकाबला था।

भारतीय महिलाएं एफआईएच हॉकी महिला वर्ल्ड कप 2026 में ऐतिहासिक पांचवें स्थान पर रहने के बाद काफी जोश के साथ एशियन गेम्स में पहुंचीं हैं।

कप्तान सलीमा टेटे के नेतृत्व में भारतीय महिला हॉकी टीम 2023 एशियन गेम्स में जीते कांस्य पदक को स्वर्ण पदक में बदलने की कोशिश करेगी। भारत का अगला मैच सोमवार को इंडोनेशिया से होगा।

एशियन गेम्स हॉकी टीमों के लिए लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक गेम्स में जगह बनाने के लिए भी बेहद अहम है।



क्विम्सी डिसूजा टेकबॉल के कांस्य पदक मुकाबले में जापान की साकामोटो से हारीं



विश्व केसरी ■

नागोया। भारत की क्विम्सी डिसूजा रविवार को एशियन गेम्स में महिलाओं के एकल टेकबॉल इवेंट में कांस्य पदक से चूक गईं। उन्हें जापान की युइना साकामोटो से करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा।

घरेलू पसंदीदा और दुनिया की नंबर 7 खिलाड़ी के खिलाफ खेलते हुए, क्विम्सी ने शुरुआती सेट में पिछड़ने के बाद वापसी की, लेकिन वह अपनी वापसी को जीत में नहीं बदल सकीं। साकामोटो ने निर्णायक मुकाबलों में अपना धैर्य बनाए रखा और सेट 12-11 से जीत लिया।

क्विम्सी 3-6 और बाद में 7-9 से पीछे थीं, लेकिन फिर उन्होंने जबरदस्त वापसी की। वह 11-10 से आगे हो गईं, लेकिन साकामोटो ने स्कोर बराबर कर दिया और फिर आखिरी पॉइंट हासिल करके सेट जीत लिया।

भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे सेट की जोरदार शुरुआत की और ऐसा लग रहा था कि वह एक निर्णायक सेट के लिए तैयार हैं। क्विम्सी ने 6-3 की बढ़त बनाई और बाद में 10-7 से आगे हो गईं, लेकिन सकामोटो का अनुभव एक बार फिर सामने आया।

जापानी खिलाड़ी ने धीरे-धीरे कमी को कम किया, क्विम्सी पर दबाव बनाने के लिए कई तरह के स्मार्ट टच और शॉट का इस्तेमाल किया। आखिरकार वह 10-10 से बराबर हो गईं, और फिर आखिरी गेम में बढ़त बनाकर कांस्य पदक सुनिश्चित किया।

कजाकिस्तान को 3-0 से मात देकर भारतीय महिला बैडमिंटन टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची

विश्व केसरी ■

इचिनोमिया। भारत ने 'एशियन गेम्स 2026' में महिला बैडमिंटन टीम इवेंट के 'राउंड ऑफ 16' में कजाकिस्तान को 3-0 से मात देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पीवी सिंधु और उन्नति हुड्डा के शुरुआती दो मैच सीधे गेम में जीतने के बाद, तन्वी शर्मा ने डायना नामेनोवा को शिकस्त देकर जीत का सिलसिला पूरा किया।

मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना जापान से होगा, जिसे पहले राउंड में 'बाय' (सीधे अगले राउंड में प्रवेश) मिला था। इसे जीतने वाला देश सेमीफाइनल में प्रवेश के साथ मेडल भी पक्का कर लेगा।

दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने कामिला स्मागुलोवा को आसानी से 21-7, 21-9 से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। यह मुकाबला 24 मिनट तक चला।

इसके बाद उन्नति हुड्डा ने एलिसा कुलेशोवा को 21-7, 21-10 से मात देकर भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। यह मुकाबला 22 मिनट में खत्म हुआ। वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट तन्वी ने डायना नामेनोवा को सिर्फ 19 मिनट तक चले मुकाबले में 21-5, 21-10 से शिकस्त देकर जीत पूरी की।

क्वार्टर फाइनल में जापान के खिलाफ कड़े सिंगल्स मुकाबले हो सकते हैं, जिसमें पीवी सिंधु का सामना अकाने यामागुची से और उन्नति हुड्डा का सामना टोमोका मियाजाकी से हो सकता है। वहीं, डबल्स में त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद



का मुकाबला जापान की बेहतरीन जोड़ियों से हो सकता है, जिनमें युकी फुकुशिमा-मायु मात्सुमोतो और की नाकानिशी-सुजू इवाना शामिल हैं।

एशियन गेम्स में भारतीय महिला टीम ने अब तक डबल्स में सिर्फ एक ही मेडल अपने नाम किया है। टीम ने एशियन गेम्स 2014 में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था। 2023 के एडिशन में, भारतीय महिला टीम को क्वार्टर फाइनल में थाईलैंड के हाथों 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था।

आखिर में, पिछले एडिशन की सिल्वर मेडलिस्ट पुरुष टीम सोमवार को 'राउंड ऑफ 16' में बांग्लादेश से भिड़ेगी।

हांगझोऊ में, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भारत के लिए एशियन गेम्स बैडमिंटन का पहला गोल्ड मेडल जीता, जबकि एचएस प्रणॉय ने पुरुष सिंगल्स में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया था। मौजूदा उपविजेता टीम क्वार्टर फाइनल में जापान से भिड़ सकती है, जिससे लक्ष्य सेन और कोडाई नाराओका के बीच एक रोमांचक एकल मुकाबला देखने को मिल सकता है। वहीं, आयुष शेट्टी का सामना युशी तनाका से हो सकता है। मेंस डबल्स में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भिड़ंत जापान की हिरोकी ओकामुरा और ताकुरो होकी की जोड़ी से हो सकती है।

दुनिया के पहले कॉरपोरेट वर्ल्ड कप का आधिकारिक शुभारंभ



गुरुग्राम ■ आभास राज गुप्ता

दुनिया के पहले वैश्विक कॉरपोरेट क्रिकेट टूर्नामेंट कॉरपोरेट वर्ल्ड कप का रविवार को गुरुग्राम में आधिकारिक शुभारंभ किया गया। इस पहल के तहत 24 शहरों की 192 कॉरपोरेट टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी और शीर्ष टीमें जुलाई 2027 में होने वाले पहले कॉरपोरेट वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगी।

इस टूर्नामेंट का आयोजन प्रो कॉरपोरेट लीग द्वारा किया जा रहा है, जिसे कॉरपोरेट क्रिकेट के क्षेत्र में 15 वर्षों का अनुभव है। इसी अनुभव को वैश्विक स्तर पर विस्तार देते हुए कॉरपोरेट वर्ल्ड कप की शुरुआत की गई है।

शुभारंभ समारोह में श्रीलंका के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर और कॉरपोरेट वर्ल्ड कप के ग्लोबल एंबेसडर सनथ जयसूर्या, संस्थापक सचिन गुप्ता, अगम प्रभात और जयदीप प्रताप मौजूद रहे।

टूर्नामेंट में 24 शहरों से कुल 192 टीमें हिस्सा लेंगी, यानी प्रत्येक शहर से आठ टीमें प्रतिस्पर्धा करेंगी। शहर स्तर की प्रतियोगिताओं के बाद प्रत्येक शहर की शीर्ष दो टीमें जुलाई 2027 में होने वाले ग्रैंड कॉरपोरेट वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करेंगी। पूरे आयोजन में कुल 864 मैच खेले जाएंगे। इस अवसर पर सनथ जयसूर्या ने कहा, 'क्रिकेट हमेशा से लोगों को एक साथ जोड़ने का माध्यम रहा है। कॉरपोरेट वर्ल्ड कप इस भावना को कार्यस्थलों और व्यवसायों तक ले जाने की एक अनूठी पहल है। मैं ऐसी प्रतियोगिता से जुड़कर खुश हूं, जो क्रिकेट के माध्यम से टीमवर्क, नेतृत्व और जुनून को बढ़ावा देती है।

भारतीय महिला टीम ने 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में रजत पदक जीता

विश्व केसरी ■

आइची। भारत की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल टीम ने रविवार को रजत पदक जीता। एशियन गेम्स 2026 में भारत का यह पहला पदक है।

एलावेनिल वलारिवन, सोनम मस्कर और विदरसा कोचलुमकल की तिकड़ी ने यहां आइची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में 16 टीमों के इवेंट में 1897 पॉइंट्स जमा किए और चीन के बाद दूसरे स्थान पर रही।

चीन ने 1904.2 के वर्ल्ड-रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। मेजबान जापान 1897.1 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रही और कांस्य पदक जीता।

इस बीच, भारत की एलावेनिल और सोनम भी व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में शानदार प्रदर्शन के बाद व्यक्तिगत इवेंट के फाइनल में पहुंच गई हैं। सोनम 57 एथलीट फील्ड में तीसरे स्थान पर रहीं और उन्होंने 634.1 पॉइंट्स बनाए, जबकि एलावेनिल 633.5 के स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहीं। तीसरी भारतीय, विदरसा, 630.4 के स्कोर के साथ 12वें स्थान पर रहीं।



पहली सीरीज के आखिर में, तीनों ने मिलकर 316.9 पॉइंट्स बनाए। दूसरी सीरीज में उन्होंने 316.8 पॉइंट्स बनाए, जबकि तीसरी सीरीज में उन्होंने और भी बेहतर प्रदर्शन किया। तीनों ने मिलकर 317.9 पॉइंट्स बनाए और शानदार प्रदर्शन करते हुए 951.6 पॉइंट्स बनाए।

चौथी सीरीज के आखिर में, भारतीय तीनों ने चौथी सीरीज में 316.2 पॉइंट्स जमा करके 1267.8 पॉइंट्स बनाए।

वे आखिरी से पहले पांचवीं सीरीज में पिछड़ गए और 314.8 का स्कोर बनाया, फिर आखिरी सीरीज में 315.4 का स्कोर बनाकर 1898 पर खत्म किया, जो तीसरे नंबर पर मौजूद जापान से 0.9 ज्यादा था।

वालारिवन आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में दो बार की स्वर्ण पदक विजेता हैं।

उन्होंने 2019 और 2023 वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक जीता है। सोनम आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2024 फाइनल में ट्रिपल रजत पदक जीता।

भारतीय शूटर्स ने 2023 एशियन गेम्स में रिकॉर्ड 22 मेडल जीते थे, जिसमें 7 स्वर्ण, 9 रजत और 6 कांस्य पदक शामिल हैं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने इंडोनेशिया को 13-1 से हराया

विश्व केसरी ■

नागोया। भारत ने रविवार को पूल ए के अपने पहले मुकाबले में इंडोनेशिया को 13-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स 2026 में अपने खिताब के बचाव अभियान की जोरदार शुरुआत की।

भारतीय टीम की तरफ से 8 खिलाड़ियों ने गोल किया। सर्वाधिक 4 गोल दिलप्रीत सिंह ने किया। भारत ने तेज शुरुआत की, शिलानंद लाकड़ा ने छठे मिनट में हरमनप्रीत सिंह के सेव किए गए ड्रैग-फ्लिक पर रिबाउंड को गोल में बदला। अभिषेक ने 12वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी। भारत ने ब्रेक तक मोमेंटम बनाए रखा और पहले क्वार्टर को 2-0 की बढ़त के साथ खत्म किया।

दूसरे क्वार्टर में दिलप्रीत सिंह ने 18वें और 19वें में मिनट में गोल करते हुए अपना खाता खोला। राजिंदर सिंह ने भी 19वें और मंदीप सिंह ने 21वें मिनट में गोल दागा।

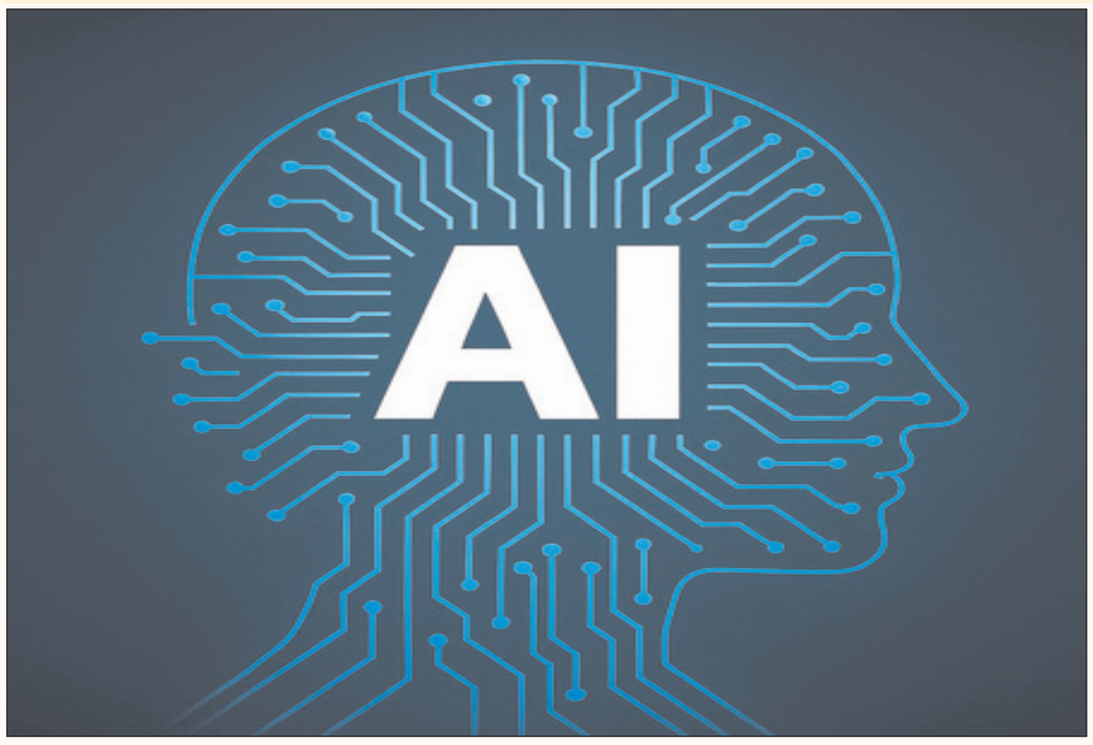
हरमनप्रीत सिंह ने 28वें मिनट



में एक पेनल्टी कॉर्नर स्ट्राइक किया, हालांकि इससे पहले फजर ने अपने दाईं ओर डाइव लगाकर एक पेनल्टी स्ट्रोक बचाया था। भारत ने हाफ-टाइम ब्रेक में 7-0 की बढ़त बना ली थी। इंडोनेशिया ने मैच का अपना पहला गोल तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही किया जब कप्तान औलिया अल अर्द ने 33वें मिनट में एक पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला, जिससे वीडियो रेफरल से इंडोनेशिया के पक्ष में फैसला आने के बाद स्कोर 7-1 हो गया।

भारत ने इस झटके का तुरंत जवाब दिया, शिलानंद लाकड़ा ने मैच का अपना दूसरा गोल (35वें मिनट) किया और दिलप्रीत सिंह ने अपनी हैट्रिक (37वें मिनट) पूरी की। इसके बाद सुखजीत सिंह ने 38वें मिनट में गोल करके तीसरे क्वार्टर के आखिर तक भारत की बढ़त 10-1 तक कर दिया।

एआई के बढ़ते इस्तेमाल से चीन में युवाओं की नौकरियों पर मंडराया खतरा



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल से काम करने के तौर-तरीके बदल रहे हैं। इससे प्रोडक्टिविटी तो बढ़ रही है, लेकिन नौकरियां जाने का डर भी बढ़ गया है, खासकर युवाओं में।

क्वार्ट्ज की रिपोर्ट के अनुसार, जैसे-जैसे बीजिंग अर्थव्यवस्था के लगभग हर सेक्टर में एआई को शामिल करने की कोशिश कर रहा है, इसका असर सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट से लेकर डिलीवरी सर्विस तक हर क्षेत्र में कर्मचारियों पर दिखने लगा है।

इनमें से एक हैं बीजिंग के प्रोग्रामर फेई झाओजुन, जिन्होंने अपनी नौकरी तब गंवा दी जब उनकी कंपनी ने यह देखना शुरू किया कि क्या एआई इंसानों वाले कोडिंग के काम कर सकता है। फेई उन करीब 160 कर्मचारियों में से थे जिनकी कंपनी में छंटनी के दौरान नौकरी चली गई।

उन्होंने कहा कि एआई की क्षमता लगातार बेहतर हो रही है और कई मिड-लेवल प्रोग्रामिंग की नौकरियां अब आसानी से बदली जा सकती हैं। नौकरी जाने के बाद फेई ने टेक इंडस्ट्री से दूरी बना ली है और अब शॉर्ट वीडियो बना रहे हैं, साथ ही अगले करियर के बारे में सोच रहे हैं।

चीन में एआई अपनाने की रफ्तार हैरान करने वाली है। मार्केट इंटेलिजेंस फर्म आईडीसी के अनुसार, 2024 में 10 प्रतिशत से भी कम चीनी औद्योगिक कंपनियां एआई मॉडल और एजेंट का इस्तेमाल कर रही थीं। पिछले साल यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 50 प्रतिशत हो गया। यह दिखाता है कि कंपनियां कितनी तेजी से खर्च कम करने और काम तेज करने के लिए इस तकनीक को अपना रही हैं।

इस बदलाव का असर रोजमर्रा की जिंदगी में भी दिख रहा है। लॉजिस्टिक्स में ह्यूमनॉइड रोबोट लगाए जा रहे हैं, जिनमें पार्सल छांटने की सुविधा भी शामिल है, जबकि स्वायत्त मशीनें ट्रैफिक मैनेजमेंट जैसे काम करने लगी हैं। शहरों में फूड डिलीवरी रोबोट भी आम होते जा रहे हैं, जिससे डिलीवरी से जुड़ी सेवाओं में लगे लाखों कर्मचारियों के भविष्य को लेकर चिंता बढ़ रही है।

लेबर मार्केट पर इसका असर ऐसे समय में हो रहा है, जब चीन के युवाओं के लिए पहले से ही मुश्किलें हैं। देश में शहरी बेरोजगारी दर लगभग 5 प्रतिशत है, लेकिन 16 से 24 साल के उन युवाओं में बेरोजगारी काफी ज्यादा है जो पढ़ाई नहीं कर रहे हैं। यह राष्ट्रीय औसत से लगभग तीन गुना है। जानकारों का कहना है कि बड़े पैमाने पर ऑटोमेशन से युवाओं के लिए स्थिर नौकरी पाना और भी मुश्किल हो सकता है।

अर्थशास्त्रियों का कहना है कि एआई के फायदे तो साफ हैं, लेकिन यह बदलाव बड़े सामाजिक परिणाम ला सकता है।

क्यों जरूरी है खाने में विविधता? आयुर्वेद से जानिए परफेक्ट थाली का सीक्रेट



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अच्छी सेहत के लिए सिर्फ पेट भरना ही काफी नहीं है, बल्कि खाने में पोषण और विविधता होना भी जरूरी है। आयुर्वेद में भी संतुलित और पौष्टिक आहार को स्वस्थ जीवन का अहम हिस्सा माना गया है। इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए आयुष मंत्रालय ने लोगों को रोजाना के भोजन में अलग-अलग खाद्य समूहों को शामिल करने की सलाह दी है।

आयुर्वेद दिवस 2026 की थीम 'स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद' रखी गई है और यह 23 सितंबर को मनाया जाएगा। इस मौके पर आयुष मंत्रालय की ओर से खान-पान को लेकर भी जागरूक किया जा रहा है। मंत्रालय के मुताबिक, रोज के भोजन में अलग-अलग तरह के खाद्य पदार्थ शामिल करने के साथ मौसम और क्षेत्र के अनुसार मिलने वाले खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देनी चाहिए।

हमारी रोज की थाली में अनाज की अहम भूमिका होती है। लेकिन हर दिन एक ही अनाज खाने के बजाय अलग-अलग अनाजों को भोजन का हिस्सा बनाना चाहिए। गेहूं और चावल के अलावा ज्वार, बाजरा, जौ, रागी, मक्का और कोदो जैसे अनाज भी आहार में शामिल किए जा सकते हैं।

दालें और फलियां भारतीय भोजन का अहम हिस्सा हैं। आयुष मंत्रालय ने आहार में अलग-अलग तरह की दालों और फलियों को शामिल करने पर जोर दिया है। मूंग, काला चना, मोठ, मसूर, अरहर, राजमा और चना जैसे विकल्पों को अपनी डाइट में जगह दी जा सकती है। इन्हें दाल, सब्जी, सलाद या अन्य पारंपरिक व्यंजनों के रूप में भोजन का हिस्सा बनाया जा सकता है।

आयुर्वेद में मौसम और स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार भोजन करने की परंपरा रही है। इसलिए कोशिश करें कि अपने क्षेत्र में मौसम के दौरान आसानी से उपलब्ध ताजे फल और सब्जियों को भोजन में शामिल करें। पालक, मेथी, गाजर, कद्दू, केला, सेब और अनार जैसे फल-सब्जियां शामिल की जा सकती हैं।

भारतीय रसोई में मसालों का इस्तेमाल सिर्फ स्वाद बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि पारंपरिक भोजन का अहम हिस्सा भी रहा है। जीरा, दालचीनी, सोंठ, लहसुन, इलायची, अजवाइन, हल्दी और काली मिर्च जैसे मसालों को उचित मात्रा में रोज के भोजन में इस्तेमाल किया जा सकता है।

विश्व अल्जाइमर दिवस 2026: जितनी जल्दी पहचान, उतनी बेहतर देखभाल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अल्जाइमर एक ऐसी बीमारी है, जिसमें धीरे-धीरे याददाश्त, सोचने-समझने और रोजमर्रा के काम करने की क्षमता प्रभावित होने लगती है। कई बार शुरुआती लक्षणों को लोग उम्र बढ़ने का सामान्य हिस्सा समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन ऐसा करना सही नहीं है। समय रहते बदलावों को पहचानना और डॉक्टर से सलाह लेना आगे की देखभाल और सहायता की योजना बनाने में मदद कर सकता है।

अल्जाइमर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए हर वर्ष 21 सितंबर को विश्व अल्जाइमर दिवस मनाया जाता है। जितनी जल्दी आपको बीमारी के बारे में पता चलेगा, उतना ही बेहतर तरीके से आगे की तैयारी और जरूरी सहायता की जा सकती है। इसलिए इसके शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

अल्जाइमर और डिमेंशिया के शुरुआती संकेत हर व्यक्ति में अलग हो सकते हैं, लेकिन कुछ सामान्य बदलावों पर ध्यान देना जरूरी है। जैसे व्यक्ति को समय या जगह को



लेकर भ्रम होने लगना, रोजमर्रा की योजना बनाने या किसी समस्या को हल करने में परेशानी होना और पहले से आसानी से किए जाने वाले परिचित कामों को करने में कठिनाई महसूस होना।

इसी तरह ऐसी याददाश्त की कमी, जो रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित करने लगे, भी महत्वपूर्ण संकेत हो सकती है। कुछ लोग काम या सामाजिक गतिविधियों से धीरे-धीरे दूरी बनाने लगते हैं। ऐसे बदलाव दिखाई दें तो उन्हें केवल बढ़ती उम्र का असर मानने के बजाय स्वास्थ्य विशेषज्ञ से सलाह लेना बेहतर है।

अल्जाइमर से बचाव के लिए शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से सक्रिय रहना जरूरी है। नियमित व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। रोजाना टहलना, योग या अपनी क्षमता के अनुसार दूसरी शारीरिक गतिविधियां शरीर के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी अच्छी हैं।

अपने दोस्तों और परिवार के साथ मजबूत सामाजिक जुड़ाव बनाए रखें। बातचीत करना, लोगों से मिलना-जुलना और सामूहिक गतिविधियों में शामिल होना व्यक्ति को मानसिक और भावनात्मक रूप से सक्रिय रख सकता है।

खाने में फल और सब्जियों सहित संतुलित और पौष्टिक आहार को प्राथमिकता दें। साथ ही पर्याप्त और नियमित नींद लेना भी जरूरी है। कोशिश करें कि सोने और जागने का समय लगभग तय रहे।

दिमाग को सक्रिय रखने के लिए नई चीजें सीखते रहें। किताब पढ़ना, कोई नया कौशल सीखना, संगीत या रचनात्मक गतिविधियों में रुचि लेना जैसे काम मानसिक सक्रियता बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। ऐसी गतिविधियों के लिए भी समय निकालें, जिनसे आपको खुशी और संतुष्टि मिलती है।

हाई ब्लड प्रेशर को न करें नजरअंदाज, इन आसान आदतों से रखें इसे कंट्रोल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हाई ब्लड प्रेशर (उच्च रक्तचाप) ऐसी समस्या है, जो कई बार बिना किसी स्पष्ट लक्षण के लंबे समय तक शरीर में बनी रह सकती है। व्यक्ति रोजमर्रा का काम सामान्य तरीके से करता रहता है और उसे महसूस भी नहीं होता कि बढ़ा हुआ रक्तचाप धीरे-धीरे उसके दिल, रक्त वाहिकाओं और किडनी पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है। यही वजह है कि हाई ब्लड प्रेशर को अक्सर 'साइलेंट किलर' कहा जाता है।

हाई ब्लड प्रेशर का पता लगाने का सबसे आसान तरीका नियमित रूप से रक्तचाप की जांच करना है। खासकर जिन लोगों को पहले से उच्च रक्तचाप है, उन्हें डॉक्टर की सलाह के अनुसार इसकी निगरानी करते रहना चाहिए। नियमित जांच से ब्लड प्रेशर में होने वाले बदलावों पर समय रहते ध्यान दिया जा सकता है।



शारीरिक रूप से सक्रिय रहना स्वस्थ रक्तचाप बनाए रखने में मदद कर सकता है। रोज करीब 30 मिनट की शारीरिक गतिविधि, जैसे तेज चाल से चलना, साइकिल चलाना या अपनी क्षमता के अनुसार व्यायाम, दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है। लंबे समय तक बैठे रहने की आदत को भी कम करने की कोशिश करें।

ज्यादा नमक का सेवन रक्तचाप बढ़ सकता है। इसलिए खाने में नमक की मात्रा कम करना जरूरी है। संतुलित आहार लें तथा संतृप्त और ट्रांसफैट वाले खाद्य पदार्थों का सेवन कम करें। फल, सब्जियां और अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थों को भोजन में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

अगर डॉक्टर ने हाई ब्लड प्रेशर की दवा लिखी है, तो उसे अपनी मर्जी से बंद या कम नहीं करना चाहिए। दवा निर्धारित समय और मात्रा में लेना जरूरी है।

कई बार ब्लड प्रेशर सामान्य आने पर लोग दवा छोड़ देते हैं, लेकिन ऐसा करने से पहले डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

इसके अलावा, धूम्रपान और अन्य तंबाकू उत्पादों से दूरी बनाना दिल और रक्त वाहिकाओं की सेहत के लिए महत्वपूर्ण है। शराब का सेवन करते हैं तो उसे कम करना भी जरूरी है। इसके साथ ही तनाव को कम करने के लिए पर्याप्त नींद, आराम और अपनी पसंद की स्वस्थ गतिविधियों को दिनचर्या में शामिल किया जा सकता है।

तेलंगाना: डिवाइडर से टकराने के बाद कार में लगी आग, डॉक्टर की मौत

विश्व केसरी ■

हैदराबाद। तेलंगाना के जनपद सूर्यापेट में रविवार को टक्कर के बाद कार में आग लगने से एक डॉक्टर की मौत हो गई। फोरेंसिक टीम ने जले हुए अवशेषों को इकट्ठा कर सुरक्षित रख लिया है। साथ ही, पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

यह हादसा हैदराबाद-खम्मम हाईवे पर पिल्लालमरी के पास हुआ। पुलिस के मुताबिक, खम्मम की ओर जा रही एक कार सड़क के डिवाइडर से टकराई, जिसके बाद उसमें आग लग गई। पूरी गाड़ी आग की चपेट में आ गई और उसे चला रहा व्यक्ति अंदर ही फंस गया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी, लेकिन फायर ब्रिगेड के मौके पर पहुंचने से पहले ही पूरी गाड़ी जलकर खाक हो गई।

पुलिस ने बताया कि कार चला रहे व्यक्ति की जलकर मौत हो गई। गाड़ी के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर मृतक की पहचान न्यूरोसर्जन जगदीश के तौर पर हुई। वे खम्मम के ममता अस्पताल में कार्यरत थे।

घटना की सूचना के बाद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर भी पहुंचे। वहीं, मौके पर फोरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिसने जले हुए अवशेषों को इकट्ठा किया।

इस घटना पर तेलंगाना के पूर्व मंत्री और खम्मम से विधायक रहे पुव्वाडा अजय कुमार ने भी दुख जताया।

वहीं, हैदराबाद में एक सड़क हादसे में तीन साल के बच्चे को कार ने कुचल दिया। यह हादसा शनिवार रात संतोषनगर के आईएस सदन के पास हुआ। इजहानुद्दीन अपने पिता मोहिउद्दीन के साथ एक होटल गया था। जब मोहिउद्दीन खाने का पार्सल लेने में व्यस्त थे, तो उनका बेटा बाहर निकलकर सड़क पर दौड़ने लगा। एक कार ने बच्चे को टक्कर मार दी, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। उसे पास के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे को टक्कर मारने के बाद कार चालक फरार हो गया।

पूर्व क्रिकेटर परविंदर अवाना 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में शामिल हुए, कहा- पहल फिटनेस को बढ़ावा दे रही

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज परविंदर अवाना ने रविवार को इंडिया गेट फिट इंडिया अभियान के तहत चलाए जाने वाले 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में हिस्सा लिया। जनता में फिटनेस के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए उन्होंने सरकार के इस पहल को बेहद खास बताया।

मीडिया से बात करते हुए अवाना ने कहा, 'यह अभियान लंबे समय से चल रहा है। इसके जरिए फिटनेस को बढ़ावा दिया जा रहा है। एक खिलाड़ी होने के नाते मैं कहना चाहता हूं कि हमें फिटनेस ठीक रखने के लिए प्रतिदिन अभ्यास करना चाहिए। 'फिट इंडिया' कैंपेन का मुख्य लक्ष्य युवाओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलना के साथ



ही उन्हें नशे की लत से दूर रखना है। हम जितना फिट रहेंगे, मानसिक रूप से उतने ही मजबूत होंगे। इससे हमारी निर्णय लेने की क्षमता भी मजबूत होगी।'

एशियन गेम्स में अब क्रिकेट भी खेला जा रहा है। इस पर अवाना ने कहा, 'क्रिकेट का एशियन गेम्स में शामिल किया जाना अच्छा है। क्रिकेट के माध्यम से हमें पदक मिलेगा। पुरुष और महिला दोनों ही टीमें अच्छा कर रही हैं। क्रिकेट में हमारी कोशिश स्वर्ण पदक जीतने की होगी, इसके साथ ही दूसरे खेल से जुड़े खिलाड़ियों को भी ज्यादा से ज्यादा पदक लाने की कोशिश करनी चाहिए।'

अवाना ने भारतीय क्रिकेट में कोचों की भूमिका पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि कोच खिलाड़ियों के साथ पूरे साल काम करते हैं। एक लक्ष्य को सामने रखकर तैयारी के साथ ही कोच व्यक्तिगत रूप से भी खिलाड़ियों पर ध्यान देते हैं। खिलाड़ियों की युवा पीढ़ी अपने प्लान को असरदार तरीके से लागू करती है।

सारा दिन बैठे-बैठे अकड़ जाती है पीठ? पाद-प्रसार पश्चिमोत्तानासन से मिलेगा आराम

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां घंटों बैठकर काम करते हैं, वहां हमारी हैमस्ट्रिंग, पीठ और कंधे सबसे ज्यादा अकड़ जाते हैं। ऐसे में 'पाद-प्रसार पश्चिमोत्तानासन' एक ऐसा अभ्यास है, जो न सिर्फ शरीर के लचीलेपन को बढ़ाता है बल्कि मन को शांत कर तनाव को दूर करने में भी बेहद मददगार है।

'पाद-प्रसार पश्चिमोत्तानासन' आगे की ओर झुकने वाला योगासन है, जो पश्चिमोत्तानासन के लाभों के अलावा पैरों के भीतरी भाग, कंधों के नीचे और बीच की मांसपेशियों को भी व्यापक खिंचाव प्रदान करता है। पाद प्रसार पश्चिमोत्तानासन नाम संस्कृत शब्दों 'पाद' (जिसका अर्थ है 'पैर'), 'प्रसार' (जिसका अर्थ है 'फैलाना'), 'पश्चिम' (जिसका अर्थ है 'पश्चिम' या 'शरीर का पिछला भाग'), 'उत्तान' (जिसका अर्थ है 'ऊपर उठाया हुआ' या 'विस्तारित') और 'आसन' (जिसका अर्थ है 'मुद्रा') से लिया गया है।







पर्यटन और नगर निगम के बीच एमओयू

विश्व केसरी



नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने चांदनी चौक स्थित दिल्ली के ऐतिहासिक टाउन हॉल को अब नए स्वरूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की उपस्थिति में दिल्ली सरकार के पर्यटन विभाग की नोडल एजेंसी दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू के अंतर्गत ऐतिहासिक टाउन हॉल, प्रेस बिल्डिंग और पार्क का संरक्षण करते हुए इन्हें एक 'ग्लोबल हेरिटेज सेंटर' के रूप में विकसित किया जाएगा।

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन के अनुरूप दिल्ली की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करते हुए उसे पर्यटन और विकास की नई संभावनाओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस एमओयू कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, दिल्ली के मेयर प्रवेश वाही व संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह परियोजना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि टाउन हॉल और इससे संबंधित परिसर चांदनी चौक और शाहजहानाबाद के ऐतिहासिक क्षेत्र का हिस्सा है।

वर्ष 1860 से 1866 के बीच निर्मित यह ग्रेड-द्ब विरासत परिसर है। नगर निगम का मुख्यालय लंबे समय तक इसी परिसर में रहा और वर्ष 2010 में यह मुख्यालय स्थानांतरित होकर मिंटो रोड स्थित नए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिविक सेंटर में चला गया था। तब से इसका बड़ा हिस्सा काफी हद तक खाली रहा है। एमओयू के अनुसार लगभग 12,180 वर्गमीटर क्षेत्रफल के इस ऐतिहासिक परिसर का स्वामित्व दिल्ली नगर निगम के पास ही रहेगा। परियोजना का उद्देश्य ऐतिहासिक भवन की मूल विरासत पहचान को सुरक्षित रखते हुए उसका अनुकूली पुन: उपयोग (एडैप्टिव रीयूज) करना है। यानी भवन को उसकी ऐतिहासिक और स्थापत्य पहचान के अनुरूप संरक्षित किया जाएगा, साथ ही उसे वर्तमान समय की पर्यटन और सांस्कृतिक जरूरतों के लिए उपयोगी बनाया जाएगा। प्रस्तावित ग्लोबल हेरिटेज सेंटर में संग्रहालय, सांस्कृतिक गतिविधियों और पर्यटन से जुड़ी सुविधाओं के विकास की योजना है।

इससे पुरानी दिल्ली आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों को ऐसा नया प्रमुख आकर्षण मिल सकेगा, जहां दिल्ली के इतिहास, विरासत और संस्कृति को एक ही परिसर में अनुभव किया जा सकेगा। चांदनी चौक और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन जैसे अत्यधिक व्यस्त और पर्यटकों की बड़ी आवाजाही वाले क्षेत्र में स्थित होने के कारण इस परिसर के बेहतर उपयोग की व्यापक संभावनाएं हैं।

एमओयू के अंतर्गत डीटीटीडीसी को इस परियोजना के लिए सर्वे, भवन का स्ट्रक्चरल असेसमेंट और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके बाद परियोजना को सार्वजनिक निवेश या पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के माध्यम से विकसित करने का विकल्प तय किया जाएगा। परियोजना की प्रगति की नियमित समीक्षा के लिए डीटीटीडीसी और नगर निगम के प्रतिनिधियों वाला संयुक्त कार्य समूह भी बनाया जाएगा।

एमओयू की प्रारंभिक अवधि 30 वर्ष रखी गई है और आपसी सहमति से इसे आगे 30 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। टाउन हॉल से जुड़ी विरासत सामग्री, अभिलेखीय सामग्री, कलाकृतियां और ऐतिहासिक रिकॉर्ड नगर निगम के ही पास रहेंगे। परियोजना में भवन के संरक्षण के साथ-साथ उससे जुड़ी ऐतिहासिक विरासत को भी सुरक्षित रखने पर विशेष जोर दिया गया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि चांदनी चौक का ऐतिहासिक टाउन हॉल केवल भवन नहीं, बल्कि दिल्ली के समृद्ध इतिहास और विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। दिल्ली सरकार का प्रयास है कि इसकी ऐतिहासिक और स्थापत्य पहचान को सुरक्षित रखते हुए इसे आधुनिक पर्यटन और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ा जाए।

पंजाब की 'आप' सरकार नशे के समाधान में बुरी तरह विफल हुई: शिवराज सिंह चौहान



विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान 21 सितंबर को एक दिवसीय पंजाब दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह तलवंडी साबो में तख्त श्री दमदमा साहिब में मत्था टेकने के साथ ही भाजपा की 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' में शामिल होंगे।

इसके अलावा मैसर खाना में जनसभा और बठिंडा में किसानों व स्वयं सहायता समूह की दीदियों से सीधा संवाद करेंगे। शिवराज सिंह चौहान सुबह 10 बजे तलवंडी साबो के रविदासिया चौक स्थित दाना मंडी में 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' का उद्घाटन करेंगे और इसमें शामिल होंगे। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि पंजाब आज नशे के गंभीर संकट से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि नशे ने कई परिवार उजाड़ दिए हैं और कई नौजवानों की जिंदगी तबाह और बर्बाद कर दी है। उन्होंने कहा कि अब इस समस्या के खिलाफ समाज और जनता को मिलकर निर्णायक लड़ाई लड़ने की जरूरत है।

शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि आम आदमी पार्टी की सरकार नशे के समाधान में बुरी तरह विफल हुई है। उन्होंने कहा कि पंजाब को नशे की समस्या से बाहर निकालने के लिए ठोस और स्थायी प्रयास जरूरी हैं।

तलवंडी साबो में पंजाब नशा मुक्त यात्रा के बाद शिवराज सिंह चौहान सुबह दोपहर 12 बजे मैसर खाना पहुंचेंगे। यहां दोपहर 12 बजे 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' के तहत विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। वहीं केन्द्रीय मंत्री दोपहर 1 बजे गुरुद्वारा तित्तरसर साहिब पहुंचेंगे और लंगर में शामिल होंगे। इसके बाद दोपहर 2:30 बजे शिवराज सिंह चौहान बठिंडा स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पहुंचेंगे, जहां वह किसानों और स्वयं सहायता समूह की दीदियों के साथ सीधा संवाद करेंगे।

आजम खान के समर्थन में सपा कार्यकर्ताओं ने दिल्ली में किया प्रदर्शन

विश्व केसरी



नई दिल्ली, 20 सितंबर (आईएएनएस)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान के समर्थन में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रविवार को दिल्ली में जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन किया। सपा कार्यकर्ताओं ने आजम खान की रिहाई और उनके खिलाफ दर्ज मुकदमों को वापस लेने की मांग की।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और जौनपुर से पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान के नेतृत्व में रविवार को पार्टी कार्यक्रम रविवार को जंतर-मंतर पर पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने से रोका गया। इसके बाद समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन के बाहर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन किया। मोहम्मद अरशद खान ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा कि हमारे पास प्रदर्शन की अनुमति थी, लेकिन पुलिस ने इसे एकाएक रद्द कर दिया। हम लोग यहां प्रदर्शन करने पहुंचे तो पुलिस ने चारों ओर बैरिकेडिंग करके रास्ते को रोक दिया।उन्होंने कहा कि 2019 में तमाम साजिशों के बावजूद आजम खान को जीत मिली थी। अगले कुछ महीनों में उन पर और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ तकरीबन 350 मुकदमे दर्ज कर दिए गए। इतने मुकदमे दर्ज होना सरकारी साजिश का ही नतीजा था। आजम खान और उनके परिवार के साथ अन्याय हो रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी जायज तरीके से बनी हुई है।

सीबीएसई ने आयोजित किया 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' टॉकाथॉन

विश्व केसरी



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नशा मुक्त भारत' के आह्वान को आगे बढ़ाते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने शनिवार को 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' विषय पर 45 मिनट का विशेष इंटरएक्टिव टॉकाथॉन आयोजित किया। इस कार्यक्रम में विशेषज्ञों, शिक्षकों और देशभर के हजारों छात्रों ने सोशल मीडिया के माध्यम से सीधे जुड़कर नशे की समस्या, मानसिक स्वास्थ्य और नशामुक्त जीवन से जुड़े सवालों पर खुलकर चर्चा की। सीबीएसई ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अगस्त 2026 को देश को नशे और मादक पदार्थों की बुराई से मुक्त करने का आह्वान किया था। इसी दृष्टि को आगे बढ़ाते हुए इस टॉकाथॉन का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के लिए युवाओं को स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम से पहले सीबीएसई ने छात्रों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स, इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर नशा मुक्त युवा और सीबीएसई टॉकाथॉन हैशटैग के साथ सवाल आमंत्रित किए थे। कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों ने छात्रों के सवालों के जवाब लाइव दिए।

विशेषज्ञ पैनल में एम्स, नई दिल्ली के मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर (डॉ.) नंद कुमार, मयूर स्कूल नोएडा की प्रिंसिपल अलका अवस्थी और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के अतिरिक्त निदेशक डॉ. अनीस सी. शामिल रहे।कार्यक्रम का संचालन पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, सेक्टर-4 आर.के. पुरम की कक्षा 12 की छात्रा समिया और पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर-3, दिल्ली कैंट के कक्षा 12 के छात्र रोहित सिंह ने किया।

जेनजी को सस्ती राजनीति से नहीं, अपने भविष्य से मतलब है: प्रफुल्ल पटेल

विश्व केसरी



नई दिल्ली। डूसू चुनाव में एबीवीपी की जीत पर एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल ने विपक्ष पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि जेनजी को अपने भविष्य से मतलब है। उन्होंने छात्रों के मुद्दों को उठाते हुए सस्ती राजनीति करने वालों को खारिज कर दिया है।

एनसीपी नेता ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय लंबे समय से एक तरह से विभिन्न राजनीतिक दलों के लिए एक अप्रत्यक्ष मंच रहा है। यहां एनएसयूआई, एबीवीपी और कम्युनिस्ट संगठनों के छात्र चुनाव लड़ते हैं, इसलिए छात्रों ने जिसे भी चुना है और जिन्हें अपने प्रतिनिधियों के रूप में भेजा है, वह अपने आप में एक संकेत है कि छात्रों को इन सभी अन्य मुद्दों में कोई दिलचस्पी नहीं है, जिन पर चर्चा की जा रही है। उन्होंने सीधे तौर पर तो नाम नहीं लिया, लेकिन उनका निशाना लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी थे, जो छात्रों को लेकर इंदौर में छात्रों की गूंज कार्यक्रम कर रहे थे।

एनसीपी नेता ने कहा कि छात्रों की परीक्षा से जुड़ा एक मुद्दा था, जिसे सरकार ने संज्ञान लिया। हमारे एक मंत्री तक ने छात्रों के हित को देखते हुए इस्तीफा दिया, क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं में किसी भी तरह की अनियमितता होने पर इसका असर छात्रों और उनके अभिभावकों पर पड़ता है और उनके भविष्य पर असर पड़ता है। सरकार ने परीक्षा पेपर लीक को लेकर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है। डूसू चुनाव के परिणाम ने दिखाया है कि जेनजी को सस्ती राजनीति से मतलब नहीं है, उन्हें भविष्य से फर्क पड़ता है।

2013 से पहले केजरीवाल परिवार गाजियाबाद का वोटर था, इसलिए उनकी दिल्ली में मैपिंग संभव नहीं: हर्ष मल्होत्रा

विश्व केसरी



नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि हम लगातार कहते रहे हैं कि आम आदमी पार्टी के नेता चाहें अरविंद केजरीवाल हों या सौरभ भारद्वाज हों यह खबरों में बने रहने के लिए नित नए मुद्दे ढूंढते और उठाते हैं।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पिछले ढाई महीने से 'आप' नेता चंडीगढ़ एवं दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनावों को ध्यान में रखते हुए छात्रों से जुड़े मुद्दों पर बोल रहे थे और अब दोनों विश्वविद्यालयों के छात्रों द्वारा नकारे जाने के बाद 'आप' नेता सौरभ भारद्वाज आज एसआईआर का मुद्दा उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमने हमेशा कहा है कि खुद को बेरोजगार नेता कहने वाले सौरभ भारद्वाज नाटकीय अंदाज में बोलकर लोगों को गुमराह करने की बात करते हैं पर वह कितनी भी कोशिश कर लें अरविंद केजरीवाल परिवार को एसआईआर नोटिस मुद्दे पर दिल्ली वालों को गुमराह नहीं कर सकते।

एसआईआर व्यवस्था अनुसार, पहले चरण में दिल्ली की मतदाता सूची में केवल वह ही मतदाता रह सकते हैं जिनकी 2002 की दिल्ली की वोटर लिस्ट से मैपिंग हो और सारी दुनिया जानती है कि 2013 से पहले अरविंद केजरीवाल परिवार गाजियाबाद जिले का वोटर था, इसलिए उनकी दिल्ली में मैपिंग संभव नहीं है।

सौरभ भारद्वाज ने रविवार को अपने नाटकीय अंदाज में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा कि इतनी पढ़े लिखे तीन बार के मुख्यमंत्री के वोट पर सवाल उठ रहा है तो आम आदमी का क्या होगा। बेहतर होगा कि सौरभ भारद्वाज समझ लें कि अरविंद केजरीवाल हों या कोई सामान्य आदमी दिल्ली एसआईआर में मैपिंग तभी होगी, जब 2002 में वह व्यक्ति दिल्ली में वोटर रहा होगा, दिल्ली में वोट बनवाने की प्रक्रिया अब खुल चुकी है।

विकसित भारत के लिए राज्यों की आर्थिक क्षमता मजबूत करना आवश्यक: वित्त राज्यमंत्री आशीष जायसवाल

विश्व केसरी



नई दिल्ली, 20 सितंबर (आईएएनएस)। 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए देश के आर्थिक विकास के साथ-साथ राज्यों की आर्थिक क्षमता को मजबूत करना आवश्यक है। राजकोषीय अनुशासन बनाए रखते हुए विकास की गति तेज करने तथा राज्यों की उत्पादन, पर्यटन, व्यापार और कृषि क्षमताओं को राष्ट्रीय एवं वैश्विक बाजारों से प्रभावी ढंग से जोड़ने की आवश्यकता है। यह बात महाराष्ट्र के वित्त राज्यमंत्री अधिवक्ता आशीष जायसवाल ने नई दिल्ली में कही।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय की ओर से 18 और 19 सितंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 'फाइनेंसिंग इंडियाज जर्नी टुवर्ड्स विकसित भारत' विषय पर राज्यों के वित्त मंत्रियों और वित्त सचिवों का दो दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया। महाराष्ट्र सरकार की ओर से वित्त राज्यमंत्री अधिवक्ता आशीष जायसवाल, अपर मुख्य सचिव (वित्त) विकास चंद्र रस्तोगी और सचिव (वित्तीय सुधार) विजय वाघमारे ने सम्मेलन में भाग लिया।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दोनों दिन सम्मेलन में उपस्थित रहीं। इस दौरान केंद्र और राज्यों के बीच वित्तीय तथा विकास संबंधी समन्वय को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए जायसवाल ने राज्य स्तर पर व्यापार एवं वाणिज्य क्षेत्र के लिए अधिक प्रभावी और सक्षम संस्थागत व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि देश के निर्यात में राज्यों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उत्पादन, उद्योग, प्रसंस्करण, बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स और विभिन्न अनुमतियों के लिए उद्योगों तथा निर्यातकों को बड़े पैमाने पर राज्य सरकारों के साथ समन्वय करना पड़ता है। ऐसे में राज्यों में व्यापार एवं वाणिज्य के लिए एक निश्चित और सक्षम संस्थागत तंत्र उपलब्ध होने से उद्योगों तथा निर्यातकों को राज्य सरकार के साथ सीधे समन्वय करने में सुविधा होगी।

सहारनपुर पीएनबी करेंसी चेस्ट में नकली नोट मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी



नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के करेंसी चेस्ट से 17.29 करोड़ रुपए की नकली करेंसी बरामद होने के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मुकेश कुमार और राजेंद्र कुमार के रूप में हुई है।

एनआईए के मुताबिक, दोनों आरोपी इस मामले में पहले गिरफ्तार किए जा चुके प्रमुख आरोपी आदेश चौधरी के करीबी सहयोगी हैं। एजेंसी का आरोप है कि दोनों सहारनपुर के सिविल लाइंस स्थित पीएनबी करेंसी चेस्ट के जरिए नकली नोटों को प्रचलन में लाने से जुड़ी साजिश में शामिल थे। एनआईए इस मामले की जांच कर रही है।

मामला 29 अगस्त 2026 को सामने आया था। सहारनपुर के थाना सदर बाजार को मिली सूचना के बाद पीएनबी के करेंसी चेस्ट से 17.29 करोड़ रुपए मूल्य के नकली भारतीय करेंसी नोट बरामद होने की बात सामने आई थी। शुरुआती जांच के दौरान बैंक के तीन कर्मचारियों की भूमिका भी सामने आई थी। इसके बाद बैंक ने तीनों कर्मचारियों को निलंबित कर दिया था।

इस मामले में शुरुआत में सहारनपुर के थाना सदर बाजार में एफआईआर दर्ज की गई थी। 29 अगस्त 2026 को दर्ज एफआईआर में तीन लोगों को आरोपी बनाया गया था।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415